हिंदी दैनिक

कोयलांचल संवाद

रांची व धनबाद से एक साथ प्रकाशित

रांची, शनिवार, 19 अक्टूबर, 2024 वर्ष : 12 अंक : 155

www.koylanchalsamvad.com

YouTube Subscribe
Koylanchal samvad news

सद्गुरु के फाउंडेशन के खिलाफ बंधक बनाने का केस बंदः सुप्रीम कोर्ट... | हाथी के दांत की तरह दिखावे की होगी जम्मू कश्मीर की... | गेंदे का प्रवर्धन कैसे करें, जानिए उपयोगी...

मूल्य : 2 रुपए

संक्षिप्त खबरें

सुप्रीम कोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में विधायक अब्बास अंसारी को जमानत दी

उच्चतम न्यायालय ने धनशोधन से जुड़े एक मामले में विधायक अब्बास अंसारी को शुक्रवार को जमानत दे दी। अब्बास अंसारी, गैंगस्टर और राजनेता एवं पूर्व विधायक मुख्तार अंसारी के पुत्र हैं। मुख्तार अंसारी की कुछ महीने पहले जेल में मौत हो गई थी। न्यायमूर्ति एम. एम, सुंदरेश और न्यायमूर्ति पंकज मिथल की पीठ ने अंसारी को धनशोधन के मामले में राहत दी। उच्चतम न्यायालय ने 14 अगस्त को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को नोटिस जारी कर अंसारी की उस याचिका पर जवाब मांगा था जिसमें इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा उनकी जमानत याचिका खारिज करने के आदेश को चुनौती दी गई थी।
उच्च न्यायालय ने अंसारी की जमानत याचिका नौ मई को खारिज कर दी थी। उच्च न्यायालय ने कहा था कि 'फ्लो चार्ट' सहित रिकॉर्ड पर उपलब्ध सामग्री से स्पष्ट रूप से धन के स्रोत का पता चलता है और इससे भी यह भी ज्ञात होता है कि आरोपी अंसारी के खातों में धन कैसे पहुंचा, इसलिए अदालत को लगता है कि वह इस स्तर पर जमानत के हकदार नहीं हैं। अदालत ने अपने आदेश में यह भी कहा था कि दो कंपनियों मेसर्स विकास कंस्ट्रक्शन और मेसर्स आग़ाज़ के साथ अंसारी के धन के लेनदेन के संकेत हैं। ईडी ने आरोप लगाया कि अंसारी ने धन शोधन के लिए इन कंपनियों का इस्तेमाल किया। ईडी ने पिछले तीन मामलों के आधार पर धन शोधन रोकथाम कानून, 2002 के तहत सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के विधायक अंसारी के खिलाफ मामला दर्ज किया था। अंसारी पर चार नंवबर 2002 को इस मामले में मुकदमा दर्ज किया गया था। उत्तर प्रदेश की मऊ सीट से विधायक अंसारी अभी कासगंज जेल में हैं।

अब डिलीवरी ब्वॉय और पार्ट टाइम कर्मचारियों को मिलेगा बीमा और पेंशन!

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र की मोदी सरकार सभी केंद्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में 3 प्रतिशत की वृद्धि के बाद अब फूड डिलीवरी या कैब सर्विस से जुड़ी ऐप्स के लिए काम करने वाले कर्मचारियों को सरकार बड़ा तोहफा दे सकती है। बताया जा रहा है कि सरकार गिग वर्कर्स और प्लेटफॉर्म आधारित नौकरियां करने वालों को बीमा और पेंशन मिलने जैसी व्यवस्था चालू करने की तैयारी कर रही है। हालांकि इसको लेकर केंद्र की ओर से आधिकारिक बयान सामने नहीं आई है। श्रम मंत्रालय के एक अधिकारी का कहना है कि इस कानून के बनने के बाद 10 करोड़ लोगों को सीधा लाभ पहुंचेगा। खासकर ओला, उबर, अमेजन, फ्लिपकार्ट या जोमैटो जैसी कंपनियों में पार्ट टाइम जॉब करने वाले लोगों को इससे सीधा फायदा पहुंचेगा। आपको बता दें कि देश के कई राज्यों में इस कानून को लागू करने के लिए लगातार मांग उठ रही है। पिछले साल राजस्थान सरकार ने भी अपने राज्य में गिग वर्कर्स अधिनियम 2023 कानून लागू किया था। महाराष्ट्र में भी इस तरह का कानून की बात हो रही है।

पीएम मोदी ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए 22-23 अक्टूबर को रूस की यात्रा पर रहेंगे

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के निमंत्रण पर 22-23 अक्टूबर को रूस की यात्रा करेंगे।

विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की 16वीं बैठक रूस के कजान में आयोजित की जाएगी। विदेश मंत्रालय की ओर से जारी किए गए एक बयान में बताया गया कि प्रधानमंत्री मोदी रूस की अपनी यात्रा के दौरान ब्रिक्स के सदस्य देशों के अपने समकक्षों और कजान में आमंत्रित नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी कर सकते हैं। ब्रिक्स के इस साल के शिखर सम्मेलन का विषय वैश्विक विकास और सुरक्षा के लिए बहुपक्षवाद को मजबूत करना'' है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि यह सम्मेलन नेताओं को दुनिया के प्रमुख मुद्दों पर चर्चा करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगा। मंत्रालय ने कहा, इस शिखर सम्मेलन में ब्रिक्स द्वारा शुरू की गई पहलों की प्रगति का आकलन किया जाएगा तथा यह भविष्य में सहयोग के लिए संभावित क्षेत्रों की पहचान करने के वास्ते एक मूल्यवान अवसर भी प्रदान करेगा।''

झारखंड विस चुनाव : पहले चरण की 43 सीटों पर चुनाव की अधिसूचना जारी, नॉमिनेशन शुरू

एनडीए में हो गया सीटों का बंटवारा, भाजपा-68, आजसू 10, जदयू 2 और लोजपा 1 सीट पर लड़ेगी चुनाव

रांचीः झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए एनडीए के बीच सीट शेयरिंग की घोषणा हो गई है। रांची के प्रदेश बीजेपी कार्यालय में शुक्रवार को बीजेपी और आजसू ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सीट शेयरिंग का ऐलान किया है। झारखंड में एनडीए के अंदर बीजेपी- 68, आजसू-10, जेडीयू-2 और लोजपा रामविलास 1 सीट पर चुनाव लड़ेगी। नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू को जमशेदपुर पश्चिम और तमाड़ सीट दी गई है। चिराग पासवान के एलजेपी (रामविलास) को चतरा सीट मिली है।

वहीं इससे पहले केंद्रीय मंत्री और झारखंड चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि झारखंड में बीजेपी, आजसू, जेडीयू और लोजपा रामविलास साथ मिलकर चुनाव लड़ेगी। हम लोग साथ में चुनाव प्रचार करेंगे। परफेक्ट सीट शेयरिंग है। झारखंड में एनडीए सरकार बना रहा है। इस दौरान असम के सीएम हिमंता बिस्व सरमा, झारखंड बीजेपी अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, आजसू प्रमुख सुदेश महतो भी मौजूद थे।

झारखंड की जनता भाजपा-आजसू को साथ देखना चाहती है

शुक्रवार को बाबूलाल मरांडी के साथ रांची के भाजपा कार्यालय में संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए आजसू सुप्रीमो ने कहा कि हम दोनों पार्टियों का बहुत पुराना संबंध है. झारखंड की जनता हमलोगों को साथ देखना चाहती है.

राज्य के विकास के लिए और जनता के हित में हमने गठबंधन करने का फैसला किया है. उन्होंने कहा कि जब दोनों दल साथ में होते हैं, तो जनता के अनुकूल, उनकी भावनाओं के अनुरूप काम होता है.

झारखंड सरकार के कुशासन से हर वर्ग प्रभावितः सुदेश महतो

सुदेश महतो ने कहा कि वर्तमान सरकार के कुशासन से झारखंड का हर वर्ग प्रभावित है. इस सरकार से निजात चाहता है. हम यहां दलीय समीकरण के रूप में जरूर यहां बैठे हैं. दूसरी ओर गांव-देहात में जनता का समीकरण भी तैयार हो रहा है, धरातल पर. उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार के मुखिया ने जो कारनामे किए हैं, उसकी चर्चा देश-दुनिया में हो रही है.

हम झारखंड हित में नए जनादेश के साथ आने की तैयारी में

आजसू सुप्रीमो ने कहा कि एक पार्टी का नेतृत्व करने वाला व्यक्ति निजी स्वार्थ में किस हद तक जा सकता है, इसका उदाहरण पूरे देश में पहले नहीं देखा गया होगा. हम झारखंड के हित में नए जनादेश के साथ आने की तैयारी में हैं. हम झारखंड के विकास की जवाबदेही लेकर काम करने के लिए तैयार हैं. हम संयुक्त रूप से चुनाव के मैदान में जाएंगे. एक-दूसरे का सम्मान करेंगे.

मां-बहनों को सुरक्षा और सशक्तिकरण की गारंटी देंगे : बाबूलाल

बाबूलाल मरांडी ने कहा कि हमें मां बहनों को सुरक्षा की गारंटी देनी है, उनको सशक्त करने की गारंटी देनी है. उन्होंने कहा कि झारखंड की वर्तमान सरकार ने अपने वादे नहीं निभाए. नौजवानों से वादा किया था कि सरकारी नौकरी नहीं दे पाए, तो बेरोजगारी भत्ता देंगे. नवविवाहिताओं को सोने का सिक्का देने का वादा किया था. इन्होंने कोई वादा पूरा नहीं किया. कहा कि झारखंड की डेमोग्राफी बदल गई, इन्हें कुछ नहीं किया. भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि आदिवासियों के नाम पर राजनीति करने वालों के शासन में आदिवासियों की क्या हालत हो गई है. उनकी जमीनें लूटी जा रहीं हैं. जमीन दलालों का बोलबाला हो गया है.

केदार हाजरा व उमाकांत रजक ने थामा झामुमो का दामन

झारखंड में शुक्रवार से विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू हुई है, वहीं पार्टियों में दल बदलने का भी सिलसिला शुरू हो गया है। वर्तमान विधायक केदार हाजरा और उमाकांत रजक एनडीए को झटका देते हुए इंडी गठबंधन के पाले में जा पहुंचे हैं। केदार हाजरा जो वर्तमान में जमुआ से भाजपा के विधायक है, वह अपना नया ठिकाना बनाने जा रहे हैं। उन्होंने भाजपा का दामन छोड़ दिया है। अब वह झामुमो का दामन थामने जा रहे हैं। वहीं आजसू से त्यागपत्र देने के बाद उमाकांत रजक झामुमो के पाले में जा रहे हैं। आजसू से इस्तीफा देकर वह मुख्यमंत्री आवास पहुंचे हैं। पूर्व मंत्री रहे उमाकांत रजक ने आजसू पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने पत्र के जरिये केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो को अपना इस्तीफा सौंपा है। जिसमें पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा देते हुए कहा है कि उनका इस्तीफा स्वीकार करते हुए सभी पदों से मुक्त किया जाए।

हाईकोर्ट से जुड़ी तीन महत्वपूर्ण खबरें

नहीं हुआ आदेश का पालन तो रोक दी जाएगी उच्च शिक्षा सचिव का सैलेरीः हाईकोर्ट

रांचीः साहिबगंज जिला के बरहरवा कॉलेज में लेक्चरर पद पर कार्यरत अनिल कुमार एवं अन्य की अवमानना याचिका पर सुनवाई हुई.जिसमें हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि यदि 6 दिसंबर 2024 तक हाईकोर्ट की एकल पीठ के आदेश का पालन नहीं किया जाता है तो उच्च शिक्षा सचिव एवं निदेशक के वेतन निकासी पर 6 दिसंबर के बाद से रोक लग जाएगी. हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस डॉ एसएन पाठक की कोर्ट में इस मामले की सुनवाई हुई. प्रार्थी अनिल कुमार की ओर से अधिवक्ता संजय पिपरवाल और अधिवक्ता प्रिंस कुमार ने पैरवी की. दरअसल अनिल कुमार एवं अन्य को पंचम व छठे वेतनमान का लाभ नहीं दिया जा रहा था. जिसे लेकर उनकी ओर से हाईकोर्ट में रिट याचिका दाखिल की गई थी. हाईकोर्ट की एकल पीठ ने प्रार्थियों की याचिका स्वीकृत करते हुए वर्ष 2022 में राज्य सरकार को निर्देश दिया गया था कि प्रार्थियों को पंचम और छठे वेतनमान का लाभ दिया जाए. लेकिन हाईकोर्ट के आदेश का अब तक अनुपालन नहीं किया गया.

हाईकोर्ट ने कहा- होम गार्ड जवानों को दें एरियर का लाभ

होम गार्ड के जवानों द्वारा दाखिल अवमानना याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. शुक्रवार की सुनवाई के बाद अदालत ने राज्य सरकार को यह निर्देश दिया है कि 25 अगस्त 2017 से होम गार्ड के जवानों को बढ़े हुए वेतन के साथ एरियर का लाभ दिया जाए. इसके साथ ही अदालत ने मौखिक रूप से कहा कि यदि 5 जनवरी तक एरियर का लाभ नहीं दिया जाता तो कोर्ट ज़िम्मेदार अधिकारियों पर अवमानना की कार्रवाई शुरू करेगा. हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस डॉ एस. एन. पाठक की अदालत में हुई. दरअसल 10 अगस्त को मुख्यमंत्री ने होमगार्ड के जवानों को पुलिस कर्मियों के समकक्ष समान कार्य का समान वेतन देने का आदेश जारी किया है. लेकिन हाईकोर्ट ने कहा कि जब से कोर्ट ने आदेश दिया है, उसी तारीख से होमगार्ड जवानों को पुलिस कर्मियों के समकक्ष समान कार्य का समान वेतन का लाभ देना है. यह जानकारी कोर्ट में हो रही सुनवाई के दौरान उपस्थित झारखंड होमगार्ड वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश महासचिव राजीव कुमार तिवारी ने दी.

ईडी के नाम पर वसूली के बाद चर्चा में आये वकील को सामने लाने के लिए हाईकोर्ट में याचिका दायर

ईडी को मैनेज करने के लिए कांके सीओ जय कुमार राम, धनबाद के डीटीओ दिवाकर द्विवेदी समेत लैंड स्कैम के अन्य आरोपियों से वसूली करने से जुड़े केस में जिस अधिवक्ता के ठिकाने पर एजेंसी ने रेड की थी, उस अधिवक्ता को पेश करने के लिए हाईकोर्ट में याचिका दायर की गयी है. याचिका में कहा गया है कि ईडी के नाम पर वसूली के बाद एजेंसी ने जांच शुरू की थी और पुलिस भी इस मामले में जांच कर रही है. इस बीच अधिवक्ता सुजीत कुमार पिछले कई दिनों से लापता है और उनके बारे में कोई जानकारी नहीं मिल रही है, इसलिए उन्हें सामने लाया जाना चाहिए.

दिवाली-छठ पर सिर्फ दो घंटे आतिशबाजी की इजाजत, पटाखों की बिक्री को लेकर निर्देश जारी

राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने जारी किया दिशा-निर्देश

रांचीः झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने दीपावली, छठ और गुरु पर्व पर आतिशबाजी के लिए समय निर्धारित कर दी है. इन तीनों पर्व पर दो घंटे तक आतिशबाजी की जा सकेगी, जबकि क्रिसमस और न्यू ईयर पर मात्र 35 मिनट तक आतिशबाजी करने का समय तय किया गया है. बोर्ड द्वारा तैयार दिशा-निर्देश के अनुसार, दीपावली की रात को आठ बजे से दस बजे तक ही पटाखे चलाने की इजाजत होगी. छठ के दिन सुबह छह से आठ, गुरु पर्व पर रात आठ से दस और क्रिसमस व नये साल पर 31 दिसंबर की रात 11 बजकर 55 मिनट से 12:30 बजे तक आतिशबाजी की अनुमति होगी.
झारखंड हाईकोर्ट ने भी 16 अक्टूबर को एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान रांची में बढ़ते ध्वनि प्रदूषण पर सख्ती से रोक लगाने का आदेश दिया है. कोर्ट ने यह भी कहा है कि ध्वनि प्रदूषण को लेकर शिकायतें दर्ज कराने वालों के नाम हर हाल में गोपनीय रखे जायें. इस मामले में कोर्ट ने झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को भी निर्देश जारी किया है. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल की ओर से पारित आदेश के आलोक में आतिशबाजी के लिए मापदंड निर्धारित किये हैं. झारखंड के उन शहरों में जहां वायु गुणवत्ता का स्तर अच्छा या संतोषप्रद है, वहां निर्धारित समय पर ही पटाखे चलाये जा सकेंगे. पटाखों की बिक्री को लेकर भी निर्देश जारी किये गये हैं. दिशा-निर्देश के अनुसार, राज्य में 125 डेसिबल से कम क्षमता वाले पटाखों की ही बिक्री की जा सकेगी. साइलेंट जोन में 100 मीटर की परिधि में आतिशबाजी और पटाखे चलाने पर रोक रहेगी. निर्देशों का उल्लंघन करने वालों पर वायु प्रदूषण निवारण नियंत्रण अधिनियम के तहत कार्रवाई की जायेगी.

झारखंड के गैंगस्टरों की करोड़ों की संपत्ति का खुलासा, जल्द शुरू होगी जब्ती की कार्रवाई

रांचीः झारखंड में सक्रिय संगठित आपराधिक गिरोहों पर लगाम लगाने के लिए झारखंड एटीएस कई एजेंसियों के साथ मिलकर उनकी आर्थिक ताकत तोड़ने में जुटी है. जानकारी के अनुसार एटीएस को अमन साव, सुजीत सिन्हा, डब्लू सिंह और प्रिंस खान जैसे कई कुख्यात अपराधियों की करोड़ों की संपत्ति की जानकारी मिली है, जिसकी जांच शुरू कर दी गई है.

आर्थिक रूप से चोट पहुंचाना बेहद जरूरीः झारखंड एटीएस अब कुख्यात अपराधियों को आर्थिक रूप से कमजोर करने में जुटी है. जानकारी के अनुसार एटीएस अमन साव, प्रिंस खान, श्रीवास्तव गिरोह, पांडेय गिरोह के साथ ही राज्य में सक्रिय सभी संगठित आपराधिक गिरोहों की काली कमाई पर नजर रख रही है. यह भी पता चला है कि कुख्यात अपराधियों की रांची जैसे शहरों में करोड़ों की संपत्ति है. एटीएस अधिकारियों के अनुसार ऐसी सभी संपत्तियों को जब्त करने की प्रक्रिया जल्द ही शुरू होगी. एटीएस अधिकारियों के अनुसार गैंगस्टर अमन साहू हो या कोई और, सभी की आर्थिक कुंडली खंगाली जा रही है.

किसी और के नाम पर है संपत्ति
जानकारी के अनुसार, अपराधियों द्वारा कई सफेदपोश लोगों और उनके रिश्तेदारों के नाम पर संपत्ति खरीदी गई है. एटीएस ने उनके करीबियों की सूची तैयार की है. एटीएस अपराधियों द्वारा दिए गए पैसे से संपत्ति खरीदने वाले सफेदपोश लोगों पर भी कार्रवाई करेगी.

सुप्रीम कोर्ट बोला- बाल विवाह जीवनसाथी चुनने का अधिकार छीनता हैः इसे पर्सनल लॉ से नहीं रोका जा सकता

कानून में कई खामियां, अवेयरनेस की जरूरत

नई दिल्ली : बाल विवाह को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार (18 अक्टूबर) को फैसला सुनाया। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने कहा, बाल विवाह रोकने के लिए हमें अवेयरनेस की जरूरत है, सिर्फ सजा के प्रावधान से कुछ नहीं होगा। सीजेआई ने कहा, हमने बाल विवाह की रोकथाम पर बने कानून (के उद्देश्य को देखा और समझा। इसके अंदर बिना किसी नुकसान के सजा देने का प्रावधान है, जो अप्रभावी साबित हुआ। हमें जरूरत है अवेयरनेस कैंपेनिंग की।

सुप्रीम कोर्ट ने 10 जुलाई को सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। याचिका सोसाइटी फॉर एनलाइटनमेंट एंड वॉलेंटरी एक्शन ने

2017 में लगाई थी। एनजीओ का आरोप था कि बाल विवाह निषेध अधिनियम को शब्दशः लागू नहीं किया जा रहा है।

पिछली सुनवाई में क्या-क्या हुआ था...

सुप्रीम कोर्ट ने जागरूकता अभियान और प्रशिक्षण जैसे विशिष्ट कार्यक्रमों पर सवाल उठाते हुए कहा था - ये कार्यक्रम और व्याख्यान वास्तव में जमीनी स्तर पर चीजों को नहीं बदलते हैं। हम यहां किसी की आलोचना करने के लिए नहीं हैं। यह एक सामाजिक मुद्दा है। सरकार इस पर क्या कर रही है।

अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ने बेंच को वर्तमान स्थिति के बारे में बताते हुए कहा था कि आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र और असम जैसे राज्यों में बाल विवाह के मामले ज्यादा देखे गए हैं। असम को छोड़कर पूर्वोत्तर राज्यों में ऐसी कोई घटना नहीं हुई है।

विधि अधिकारी का कहना था कि 34 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में से 29 ने बाल विवाह पर आंकड़े उपलब्ध कराए हैं। पिछले तीन साल में हालात में काफी सुधार हुआ है। उन्होंने यह भी कहा था कि बाल विवाह के मामलों में दोषसिद्धि पर कोई डेटा उपलब्ध नहीं है। हालांकि 2005-06 की तुलना में बाल विवाह के मामलों में 50% की कमी आई है।

बाल विवाह के खिलाफ असम में कई फैसले लागू, ऐसे मामलों में 81% कमी आई

जुलाई 2024 में असम सरकार की कैबिनेट ने असम मुस्लिम निकाह और तलाक पंजीकरण अधिनियम, 1935 को हटाकर अनिवार्य रजिस्ट्रेशन लॉ को लाने के लिए एक बिल को मंजूरी दी थी। 1935 के कानून के तहत स्पेशल कंडीशन में कम उम्र में निकाह करने की अनुमति दी जाती थी।

जुलाई में जारी इंडिया चाइल्ड प्रोटेक्शन रिपोर्ट ने बाल विवाह से निपटने के लिए असम सरकार के प्रयासों की सराहना की। रिपोर्ट में कहा गया कि कानूनी कार्रवाई के जरिए असम में बाल विवाह के मामलों को कम किया है। 2021-22 और 2023-24 के बीच राज्य के 20 जिलों में बाल विवाह के मामलों में 81% की कमी आई है।

2025 से जेईई मेन्स एग्जाम पैटर्न में बदलावः सेक्शन बी में ऑप्शनल क्वेश्चन खत्म

▪ अब सभी 5 सवालों को हल करना अनिवार्य

नई दिल्लीः नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने जॉइंट एंट्रेंस एग्जाम (जेईई) मेन्स 2025 के पैटर्न में बदलाव किया है। पेपर के सेक्शन बी में ऑप्शनल क्वेश्चन खत्म कर दिए हैं। अब सिर्फ पांच सवाल मिलेंगे, सभी को हल करना अनिवार्य होगा। पहले 10 सवाल मिलते थे, जिसमें से पांच क्वेश्चन हल करने होते थे। एनटीए ने गुरुवार (17 अक्टूबर) को एक ऑफिशियल वेबसाइट पर नोटिफिकेशन जारी किया।

पैटर्न में बदलाव क्यों किया गया

एनटीए ने कहा, कोविड-19 महामारी के दौरान स्टूडेंट्स पर दबाव कम करने के लिए एग्जाम में ऑप्शनल क्वेश्चन की शुरुआत की गई थी। यह 2021 में शुरू किया गया था और 2024 तक चला। अब अगले साल से इसके पैटर्न में बदलाव कर रहे हैं।

सेक्शन बी के 3 पेपर में बदलाव
जेईई Main 2025 के सेक्शन B में पेपर 1 (बीई/बीटेक), पेपर 2A (बी आर्क), और पेपर 2B (बीप्लानिंग) में हर सब्जेकट में केवल पांच कंपल्सरी क्वेश्चन होंगे। कैंडिडेट को किसी भी विकल्प के बिना सभी पांच सवालों को हल करना होगा।

जेईई मेन्स का रजिस्ट्रेशन जल्द शुरू होगा : एनटीए ने आगे कहा कि जेईई मेन्स 2025 के पहले फेज के लिए एप्लिकेशन प्रोसेस जल्द शुरू होगा। इसकी डिटेल वेबसाइट पर जारी की जाएगी। रजिस्ट्रेशन प्रोसेस शुरू होने के बाद एग्जाम पैटर्न के बारे में अधिक जानकारी दी जाएगी। इंजीनियरिंग कोर्स में एडमिशन के लिए नेशनल लेवल पर एंट्रेंस एग्जाम जेईई मेन्स में तीन पेपर होते हैं। इसमें फिजिक्स कैमिस्ट्री और मैथ्स होता है। तीन घंटे की परीक्षा में कुल 90 क्वेश्चन होते हैं। सभी के 30-30 सवाल होते हैं। पेपर A में हर सब्जेकट में 20 मल्टीपल चॉइस क्वेश्चन होते हैं, जबकि पेपर बी में 10 न्यूमेरिकल क्वेश्चन होते हैं। अब नए पैटर्न के तहत सेक्शन बी में 10 से घटकर 5 सवाल होंगे और सभी क्वेश्चन कंपलसरी होंगे।

विश्रामपुर विस क्षेत्र के दो प्रत्यासियों ने खरीदा नामांकन पत्र

संवाददाता विश्रामपुर (पलामू) : विधानसभा चुनाव का नामांकन प्रक्रिया शुक्रवार से शुरू हो गई। पहले दिन विश्रामपुर-मझिआंव विधानसभा क्षेत्र के दो प्रत्यासियों ने नामांकन पत्र खरीदा। पूर्व विस प्रत्यासी अंजू सिंह के लिए अंजू अभिमन्यु टीम के मीडिया प्रभारी राहुल दुबे ने नामांकन पत्र लिया। साथ में टीम के युवा नेता मंटू सिंह भी मौजूद रहे। दूसरा नामांकन पत्र भाकपा माले मास लाइन के उम्मीदवार डॉ अनिल मिस्त्री ने खरीदा।

बरकट्ठा विधानसभा क्षेत्र के लिए तीन प्रत्याशियों ने खरीदा अपना-अपना नामांकन का प्रपत्र

बरकट्ठा (हज़ारीबाग)।झारखंड विधानसभा चुनाव को लेकर बरकट्ठा विधानसभा क्षेत्र के लिए शुक्रवार को तीन प्रत्याशियों ने अपना-अपना नामांकन का प्रपत्र खरीदा है। बरही अनुमंडल कार्यालय में निर्वाची पदाधिकारी एलआरडीसी अजय भगत से नामांकन प्रपत्र लिया गया. जिसमें जेबीकेएसएस (जेएलकेएम) के प्रत्याशी ग्राम गंगपाचो बरकट्ठा निवासी महेन्द्र प्रसाद, निर्दलीय प्रत्याशी ग्राम बरकंनगांगों बरकट्ठा निवासी सुनील कुमार रजक तथा निर्दलीय प्रत्याशी ग्राम गंगपाचो निवासी नीतीका कुमारी ने अपना नामांकन प्रपत्र खरीदा है।आपको बता दे कि बरकट्ठा विधानसभा क्षेत्र के लिए 18 से 25 अक्टूबर तक प्रत्याशी अपना नामांकन दाखिल कर सकते हैं।

नेवरी में जलसा सीरत उन नबी स.और तालीमी मजाहिरा कांफ्रेस का किया गया आयोजन

कांके(मोहसीनआलम):नेवरी जामा मस्जिद कि जानिब से नेवरी बूटगोड़ा मैदान में शुक्रवार क़ो जलसा सीरत उन नबी स.और तालीमी मुजाहिरा कांफ्रेस का आयोजन किया गया। जिसमें गंगा जमुना तहजीब की मिसाल देखने को मिला,जलसा की सदारत जामा मसीह उल उलूम चुट्टू के मोहतमीम मौलाना अजीज नुमानी और नकाबत मौलाना व मुफ़्ती सुफियान हैदर कासमी ने की,जलसा में मेहमाने खुशी के तौर पर मुफ़्ती मौलाना अब्दुल्लाह सालिम कमर चतुर्वेदी और मोकरीर हजरत मौलाना शादउन नदवी शामिल हुए,जलसा का शुरुआत कुरआन पाक के तिलावत से हुई,जिससे हाफिज व कारी मुर्तुजा अंसारी ने प्रस्तुत किया,जलसा में मदरसा दारुल कुरआन नेवरी के बच्चों ने अपने सुरीली आवाज से केरत,नात पाक, तकरीर,मुकालमा पेश कर सामेईन क़ो खुश कर दिया,वहीं जलसा में शायर ए इस्लाम फारूक दिलकस(यूपी) ने अपने मनमोहक आवाज से नात पाक सुना कर जलसा में चार चांद लगा दिया,जलसा सीरत उन नबी स.में ख़िताबत करते हुए जलसा के मेहमाने खुशुशी अब्दुल्लाह सालिम कमर चतुर्वेदी ने बताया इस्लाम मजहब अमन चैन का पैगाम देता है, कुरान और हदीस के बताए रास्ते पर चलकर ही लोगों क़ो कामयाबी मिल सकता हैं,मोहम्मद स.ने लाचार,बेसहारा लोगों क़ो हक व अधिकार दिलाया,प्यारे नबी पर कुरान पाक नाजिल किया गया था,जो रहती दुनिया तक लोगों के लिए रहनुमाई करती रहेगी,वहीं मौलाना शादउन नदवी ने अपने तकरीर में बताया की हजरत मोहम्मद स.पूरी दुनिया के लिए रहमतुल आलमीन बना कर भेजे गए थे, इस अवसर पर मुख्य रूप से प्रखंड प्रमुख सोमनाथ मुंडा,मुखिया साधो उरांव मेसरा ओपी प्रभारी संजीव कुमार उप मुखिया मजहर अंसारी,पचू महतो रामेश्वर ठाकुर, सीता राम थे,जलसा क़ो कामयाब बनाने जामा मस्जिद के इमाम व खतिब असदुल्लाह आलम,मजाहरी,कारी मुरतुजा अंसारी,सदर एजाज अहमद,आदम अंसारी खजांची शमशाद आलम,नूर हसन अंसारी,मंजूर अंसारी,अल्ताफ हाली,मशीउर,रहमान,मुस्ताक, हकीम,खालिद, फिरोज,तफिजूल,मनान,रियाजुल सरफराज, मासूम, फिरदौस, साजिद चाँद ,इमरान, मोहम्मद जान,शाहजहाँ, गुड्डु,समीउल्ला ह,आरिफ,हफीजुलुल्लाह साकिब,मिडिया प्रभारी मास्टर जमील अहमद सहित आस पास गाँवो व मकामी हजारों लोग शामिल थे।

भद्रकाली महाविद्यालय में विश्व खाद्य दिवस का आयोजन किया गया

कोयलांचल संवाद संवाददाता

इटखोरी (चतरा) प्रखंड के एकमात्र उच्च शिक्षण संस्थान भद्रकाली महाविद्यालय में विश्व खाद्य दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन भद्रकाली महाविद्यालय की एनएसएस इकाई एक एवं दो के तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. दुलार ठाकुर ने की। कार्यक्रम का प्रारंभ दीप प्रज्वलित करके किया गया।तत्पश्चात महाविद्यालय की छात्राओं के द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। प्राचार्य महोदय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्रसंघ के खाद्य एवं कृषि संगठन द्वारा 1981 से विश्व खाद्य दिवस का आयोजन पहली बार किया गया था,जिसका उद्देश्य संपूर्ण विश्व में खाद्य पदार्थों का सरलता से प्रवाह हो सके और सभी को आसानी से भोजन प्राप्त हो सके। उन्होंने आगे कहा कि विश्व खाद्य दिवस 2024 की थीम बेहतर जीवन और बेहतर अधिकार है। कार्यक्रम को छात्र छात्राओं ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर बालेश्वर पासवान तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रो. महेंद्र ठाकुर ने किया। कार्यक्रम में प्रो. श्यामसुंदर प्रसाद,प्रो. ललित मोहन सिन्हा,प्रो. जानकी प्रसाद दांगी,प्रो.सकेंदर मिस्त्री,प्रो. मधुबाला कुमारी,प्रो. राकेश, प्रो. अखिलेश कुमार पांडेय प्रो. धीरेंद्र यादव, शुभम सहित छात्र छात्राओं की उपस्थिति रही।

रतन टाटा को श्रद्धांजली दी

जमशेदपुर । सोनारी में यूनाइटेड ह्यूमन राइट्स एवं एंटी करप्शन सोशल जस्टिस संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रांतिक कुमार दास एवं झारखंड टीम के द्वारा विश्व के महान उद्योगपति, भारत के शान रतन टाटा जी के तस्वीर पर माल्यार्पण करके एवं उनके याद में एक मिनट का मौन रखकर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित किए गए। राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रांतिक कुमार दास ने कहा आदरणीय रतन टाटा जी (राष्ट्र नायक) सिर्फ भारत देश में ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में प्रमुख उद्योगपति घराने में अपने टाटा ब्रांड के नाम रोशन करने वाले, देशभक्ति का मिशाल कायम करने वाले समाज सेवक को हमारा पूरे देश के टीम के तरफ से सेल्यूट एवं भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

प्रजनन दर में कमी लाने के लिए स्थायी एवं अस्थायी विधियों के उपयोग के लिए चलाएं जन-जागरूकता अभियान - डॉ0 पुष्पा

रांचीः राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, परिवार नियोजन कोषांग की राज्य नोडल पदाधिकारी डॉ0 पुष्पा ने कहा है कि प्रत्येक महीने की 11 तारीख को परिवार कल्याण दिवस के रूप में मनाएं। यदि इस तिथि में कोई अवकाश हो तो एक दिन पूर्व या एक दिन बाद इस कार्यक्रम को आयोजित करें। शुक्रवार को वह रांची सदर अस्पताल सभागार में परिवार नियोजन कार्यक्रम अंतर्गत उन्मुखीकरण सह समीक्षा बैठक में बोल रही थीं। इस कार्यक्रम में पाकुड़, दुमका, साहेबगंज और गोड्डा जिले के स्वास्थ्य कर्मी शामिल हुए। वहीं हजारीबाग, कोडरमा, गिरिडीह और जामताड़ा के लिए यह कार्यक्रम 21 तारीख को, सरायकेला-खरसांवा, पश्चिमी सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम एवं सिमडेगा के लिए 22 तारीख को, धनबाद, बोकारो, गुमला एवं चतरा के लिए 25 तारीख को, पलामू, गढ़वा, लातेहार एवं देवघर जिलों के लिए इसी माह की 28 तारीख को एवं रांची, रामगढ़, लोहरदगा एवं खूंटी के लिए यह कार्यक्रम 04 नवंबर 2024 को रांची के सदर अस्पताल सभागार में होना सुनिश्चित है। आज के इस कार्यक्रम में आई.ई.सी. कोषांग के राज्य नोडल पदाधिकारी डॉ0 लाल माझी, डॉक्टर प्रवीण कुमार संथालिया, परिवार नियोजन कोषांग की राज्य समन्वयक गुंजन खालखो, डीपीएम प्रवीण सिंह, नवल किशोर सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

डॉ0 पुष्पा ने कहा कि कुल प्रजनन दर (टीएफआर) कमी लाने के लिए परिवार नियोजन की स्थायी एवं अस्थायी विधियों के उपयोग के लिए आम जनों में जन-जागरूकता अभियान चलाएं। छोटे-छोटे स्तर पर स्थल का चयन कर आउटरिच एक्टीविटी का आयोजन करें, और उसका प्रतिवेदन राज्य स्तर पर भेजना सुनिश्चित करें।

डॉ0 पुष्पा ने बताया कि कमियों का आकलन कर बेहतर आउटपुट देने के उद्देश्य से प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिसमें निर्देश दिया गया है कि एफपीएल एमआईएस, भौतिक और वित्तीय उपलब्धि शत-प्रतिशत करने सहित सर्विस प्रोवाइडर और लाभुकों के इंसेंटिव पेमेंट यथाशीघ्र कराएं। जिला स्तर पर कर्मियों का प्रशिक्षण कराकर लक्ष्य को हासिल करने का भी निर्देश दिया है।

विदित हो कि परिवार कल्याण दिवस समाज के कमजोर एवं पिछड़े वर्ग, हार्ड टू रिच एरिया वाले क्षेत्रों में मनाया जाना है, जिसमें बाल विवाह, किशोर गर्भधारण, अधिक प्रजनन, कम गर्भ निरोधक प्रचलन, दो बच्चों के बीच कम अंतराल, किशोरावस्था/युवावस्था में कम गर्भ-निरोधक प्रचलन वाले क्षेत्रों में प्रत्येक माह की 11 तारीख को मनाए जाने हेतु राज्य स्तर से सभी जिलों को पत्र और मार्गदर्शिका भेजी गयी है।

विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष सह चुनाव समिति के चेयरमैन केशव महतो कमलेश की अध्यक्षता में संपन्न हुई बैठक

रांचीः विधानसभा चुनाव के मद्देनजर प्रदेश कांग्रेस चुनाव समिति की बैठक कांग्रेस मुख्यालय में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सह चुनाव समिति के चेयरमैन केशव महतो कमलेश की अध्यक्षता में संपन्न हुई।बैठक में मुख्य अतिथि के रूप मे प्रदेश कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर उपस्थित थे।

बैठक की जानकारी देते हुए प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने बताया कि बैठक में विधानसभा वार उम्मीदवारों के नाम पर चर्चा हुई तथा समिति के सदस्यों द्वारा प्रत्येक विधानसभा के लिए नामो की अनुशंसा की गई तत्पश्चात उम्मीदवारों के चयन हेतु अंतिम निर्णय के लिए सर्वसम्मति से शीर्ष नेतृत्व को अधिकृत किया गया। बैठक में शामिल सदस्यों ने विधानसभा वार सीटों के संदर्भ में गठबंधन पर समीकरणों के साथ चर्चा की साथ ही शीर्ष नेतृत्व द्वारा घोषित उम्मीदवार की जीत के लिए एकजुट होकर कार्य करने पर बल दिया गया।

उन्होंने बताया कि अभी गठबंधन दलों के बीच सीटों का बंटवारा पूरी तरह नहीं हो पाया है इसलिए सभी 81 विधानसभा सीटों पर उम्मीदवारों की कवायद समिति के सदस्यों द्वारा की गई। सीट बंटवारे के बाद कांग्रेस कोटे की सीटों पर उम्मीदवारों के संबंध में अंतिम निर्णय लिया जाएगा। हर परिस्थिति में उम्मीदवारी पर निर्णय केंद्रीय चुनाव समिति की अनुशंसा के बाद शीर्ष नेतृत्व करेगा। बैठक में प्रमुख रूप से प्रदेश कांग्रेस के सह प्रभारी सप्तगिरि शंकर उल्का, सीरीबेला प्रसाद श्री राजेश ठाकुर,प्रदीप कुमार बालमुचू, सुबोधकांत सहाय,कालीचरण मुंडा,सुखदेव भगत,प्रणव झा, बन्ना गुप्ता,दीपिका पांडे सिंह, प्रदीप यादव,रामचंद्र सिंह,भूषण बाड़ा,विक्सल कोनगाड़ी, सोनाराम सिंकू,उमाशंकर अकेला,शिल्पी नेहा तिर्की,बंधु तिर्की,अंबा प्रसाद,धीरज प्रसाद साहू,फुरकान अंसारी,चंद्रशेखर दुबे,संजय लाल पासवान,जलेश्वर महतो,जयशंकर पाठक,रविंद्र सिंह,शहजादा अनवर,मानस सिन्हा,अमूल्य नीरज खलको,रमा खलको,भीम कुमार,अशोक चौधरी,सुल्तान अहमद,आलोक दुबे,मणिशंकर,अभिजीत राज, गुंजन सिंह,विनय होरो,नेली नाथन उपस्थित थे।

12 बजे रात में भी यदि जरूरत होगी तो ब्लड उपलब्ध कराएगी जैन समाज

रांची : रांची शहर के दो प्रमुख क्षेत्रों में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य समुदाय की स्वास्थ्य सेवा को बढ़ावा देना और स्थानीय अस्पतालों का समर्थन करना है। यह आयोजन श्री साधुमार्गी जैन संघ, रांची द्वारा 19 और 20 अक्टूबर 2024 को निम्नलिखित स्थानों पर किया जाएगाः

1. स्थान 1 – दिगम्बर जैन भवन, हरमू रोड
2. स्थान 2 – कॉमन फैसिलिटी सेंटर बिल्डिंग, तुपुदाना, रांची

रक्तदान शिविर का उद्देश्य नियमित रक्तदान के महत्व को जागरूक करना और नागरिकों को इस नेक कार्य में योगदान देने के लिए प्रेरित करना है। हर एक यूनिट रक्त एक से तीन जीवन बचा सकता है, जिससे प्रत्येक दान की अहमियत बढ़ जाती है।

कार्यक्रम की विशेषताएँः

- विशेष वक्ताः श्री राकेश जैन (अध्यक्ष समता युवा संघ, रांची) , श्री अशोक सुराणा, श्री मनीष भूरा ,श्री उत्तम चौरडिया , श्री जय पींचा , श्रीराम उपस्थित लोगों को रक्तदान के महत्व और सामुदायिक स्वास्थ्य पर इसके प्रभाव के बारे में संबोधित करेंगे।
- स्वास्थ्य जांचः सभी दाताओं के लिए मुफ्त स्वास्थ्य जांच और नाश्ता प्रदान किया जाएगा।
- सामुदायिक सहभागिताः परिवारों और समुदाय के सदस्यों के लिए जागरूकता बढ़ाने के लिए गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी।

स्वीप कोषांग के नोडल पदाधिकारी ने मतदाताओं को किया जागरूक

दुमकाःविधानसभा आम निर्वाचन 2024 में जिले के मतदान प्रतिशत में वृद्धि हो,हर एक योग्य मतदाता 20 नवंबर 2024 को अपने मताधिकार का प्रयोग करें।जिला निर्वाचन पदाधिकारी आंजनेयुलु दोड्डे के निदेश पर स्वीप कोषांग द्वारा प्रतिदिन पूरे जिले में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है।इसी क्रम में स्वीप कोषांग द्वारा बस, ऑटो, ई रिक्शा सहित विभिन्न प्रतिष्ठानों में मतदान की तिथि,मतदान करने के लिए आवश्यक दस्तावेज सहित मतदाताओं को जागरूक करने के लिए कई पोस्टर का अधिष्ठापन किया गया।इस पोस्टर के माध्यम से सार्वजनिक परिवहन में सफर करने वाले,चौक चौराहों से गुजरने वाले मतदाताओं को मतदान से संबंधित कई जरूरी जानकारी प्राप्त होगी।स्वीप कोषांग के नोडल पदाधिकारी रवि जैन ने उपस्थित सभी मतदाताओं से कहा कि सफर करने वाले सभी यात्रियों को 20 नवंबर 2024 को अपने मतदान केंद्र जाकर मतदान करने के लिए कहें।उन्हें बताएं कि प्रातः 7 बजे से शाम 5 बजे तक अपने मतदान केंद्र जाकर मतदान कर सकते हैं। अपने साथ अपने घर के सभी सदस्यों, पड़ोसियों को भी मतदान करने हेतु प्रेरित करें। लोकतंत्र के महा त्योहार में सभी भाग लें इसके लिए आप सब भी आवश्यक सहयोग प्रदान करें।

प्रखंड विकास पदाधिकारी से मिल बरवे के लोगों ने गांव कि समस्या से अवगत कराया

ओरमांझी(मोहसीनआलम):राजस्व ग्राम बरवे के ग्राम प्रधान सह अध्यक्ष ग्राम प्रधान महासंघ ओरमांझी रांची झारखंड के रमेश उरांव के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल नये प्रखंड विकास पदाधिकारी ओरमांझी के कामेश्वर बेदिया से मिलकर अवगत कराया और कहां गया कि पिछले कई महीनो से बरवे पंचायत के सचिव रूपम कुमारी यहां से हटाकर करमा पंचायत में स्थानांतरण कर दिया गया है और बरवे पंचायत मे पंचायत सचिव के रूप में कोमल कुमारी को प्रतिनियुक्ति किया गया है परंतु रूपम कुमारी मनमानी ढंग से सरकारी आदेश का उल्ला करते हुए अभी तक कार्यभार पंचायत सचिव को नहीं सौपा है जिसके कारण पूरे पंचायत में विकास कार्य ग्रामीण एवं आम जानताओं का काम पूरी तरफ से टप है और बुरी तरह से प्रभावित हो रही है साथ ही यह भी कहा गया कि कार्यालय प्रखंड विकास पदाधिकारी ओरमाझी, कार्यालय आदेश ओरमांझी के प्रखंड कार्यालय आदेश ज्ञापांक 294 दिनांक 20/2/2024 को पंचायत में कार्य प्रभावित हो रही है उन उसे विकट समस्या को देखते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी ने आंशिक संशोधित करते हुए पंचायत सचिव के बीच पंचायतवार कार्य आवंटन इस प्रकार गया है पंचायत सचिव रूपम कुमारी को करमा पंचायत और कोमल आर्या को बरवे पंचायत और ओरमांझी पंचायत दोनों पंचायत सचिव अपने रोस्टर ड्यूटी के अनुसार अपने-अपने पंचायत में बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज करना चाहेंगे, पत्र में यह कहा गया कि यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू समक्षा जाए परंतु प्रखंड विकास पदाधिकारी कार्यालय के आदेश को अवहेलना करते हुए कोमल आर्या भरने पंचायत सचिव को चार्ज नहीं दिया इसलिए पुनः प्रखंड कार्यालय का ज्ञापांक 934 दिनांक5/82024 को प्रखंड विकास पदाधिकारी ने पंचायत सचिव कोमल आर्या को पर प्रभार नहीं देने के कारण स्पष्टीकरण का पत्र जारी करते हुए तत्काल प्रभार देने का आदेश दिया गया और एक दिन का वेतन भी काट दिया गया और यह भी कहा गया कि अगर पंचायत सचिव कमल आर्या को कार्यभार नहीं सौंपने पर उच्च अधिकारी को कार्रवाई करने के लिए अवगत कराया जाएगा इसके बावजूद भी सरकारी आदेश को नहीं मानकर मनमानी तरीके से पंचायत में कार्य करते रहे हैं जिसका विरोध ग्रामीण एवं पंचायत के सभी ग्राम प्रधान वार्ड सदस्य उप मुखिया ने किया है और इस संदर्भ में नए प्रखंड विकास पदाधिकारी ओरमांझी कामेश्वर बेदिया को सभी प्रतिनिधिमंडल ने अवगत कराते हुए कहा कि शीघ्र जिस पंचायत में स्थानांतरण हुआ है उसे पंचायत में अपना योगदान देकर कार्य करें या अन्यथा मनमानी ढंग से जोर जबरदस्ती बर्वे पंचायत में काम करने का कोशिश करेंगी तो उसका जोरदार रूप से विरोध किया जाएगा और आंदोलन किया जाएगा तथा इसकी सूचना उपयुक्त रांची पंचायती राज विभाग एवं निर्वाचन पदाधिकारी को अवगत कराया जाएगा लिखित तौर पर ग्राम प्रधान सह ग्राम प्रधान महासंघ के अध्यक्ष रमेश उरांव ने कहा कि रूपम कुमारी बरवे के अंतर्गत कई गांवो में बिना ग्राम सभा से प्रस्ताव पारित किया बगैर और बिना लाभुक समिति बनाए बगैर मनमानी ढंग से पक्की नाली करन फेभर ब्लॉक का रोड निर्माण का कार्य किया है और सरकारी पैसा को अवैध रूप से बंदरबाट किया गया है उसे विषय में भी जांच कर उचित कार्रवाई होनी चाहिए इसका भी कई बार ग्रामीण एवं ग्राम प्रधानों के द्वारा लिखित शिकायत प्रखंड विकास पदाधिकारी को दे चुका है जिसमें जांच में गड़बड़ी पाई गई है फिर भी कार्रवाई अभी तक नहीं किया गया। इस संदर्भ में प्रखंड विकास पदाधिकारी ने प्रतिनिधि मंडल के पदाधिकारी को आश्वासन दिया कि इस विषय पर शीघ्र कार्रवाई की जाएगी । आप लोगों को कहने का मौका नहीं दूंगा। प्रतिनिधि मंडल रमेश उरांव अध्यक्ष ग्राम प्रधान महासंघ झारखंड प्रदेश रांची उप मुखिया प्रतिनिधि सलीम अंसारी झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ओबीसी प्रकोष्ठ के महासचिव शिव प्रसाद साहू झामुमो के वरिष्ठ नेता दिनेश महतो वार्ड सदस्य सोना लाल महतो किरण देवी कांग्रेस नेता सुरेश कुमार साहू पत्रकार मोहसीम, कुलदीप तिवारी एहसान राजा इत्यादि मुख्य रूप से शामिल थे।

स्वास्थ्य उपकेंद्र में जैपनीज एन्सेफेलाइटिस जेई रोग से संबंधित शिविर का आयोजन

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम खैरियो हेठलीडेबो स्वास्थ्य उपकेंद्र में जैपनीज एन्सेफेलाइटिस जेई रोग से संबंधित शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरकट्ठा के चिकित्सा दल जिला भीबीडी कार्यालय द्वारा किया गया। शिविर में लोगों का सैंपल कलेक्शन किया गया।आसपास के इलाकों में लार्वी साइडल स्प्रे एवं घरों में एसपी पाउडर का छिड़काव किया गया।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, गढ़वा
Email Id- eengbcdgarhwa-jhr@nic.in /

–:निविदा शुद्धि पत्र:–

एतद् द्वारा भवन निर्माण विभाग, झारखण्ड में निबंधित संवेदको को सूचित किया जाता है कि प्रकाशित निविदा आमंत्रण सूचना–19/2024–25 जन सम्पर्क विभाग के **PR 338819 (Building) 24-25*D** से प्रकाशित निविदा को विधानसभा आम चुनाव 2024 के अचार संहिता लागू होने के कारण अपरिहार्य कारण से अगले आदेश तक स्थागित किया जाता है।

कार्यपालक अभियंता,
भवन प्रमण्डल, गढ़वा।

PR 339254 (Building) 24-25 (D)

जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त का कार्यालय, खूँटी
(मीडिया कोषांग)

सूचना

एतद् द्वारा सभी को सूचित किया जाता है कि भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली द्वारा दिनांक– 15.10.2024 को विधानसभा आम चुनाव की घोषणा कर दी गयी है। दिनांक–15.10.2024 से ही आदर्श आचार संहिता प्रभावी हो गयी है।

लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 में चुनाव प्रचार सामग्रियों के मुद्रण / प्रकाशन के संबंध में निम्नलिखित प्रावधान अभिलिखित है :–

धारा–127"(क) पुस्तिकाओं, पोस्टरों आदि के मुद्रणों पर निर्बन्धन

(1) कोई भी व्यक्ति कोई ऐसी निर्वाचन पुस्तिका या पोस्टर जिस के मुख्य पृष्ट पर उसके मुद्रक और प्रकाशक के नाम और पते न हों, मुद्रित या प्रकाशित न करेगा और न मुद्रित या प्रकाशित कराएगा।

(2) कोई भी व्यक्ति किसी निर्वाचन पुस्तिका या पोस्टर को :–

(क) उस दशा के सिवाय न तो मुद्रित करेगा, और न तो मुद्रित करायेगा। जिसमें वह उसके प्रकाशक की अनन्यता के बारे में अपने द्वारा हस्ताक्षरित और ऐसे दो व्यक्तियों द्वारा जो उसे स्वयं जानते हैं. अनुप्रमाणित द्विप्रतीक घोषणा मुद्रक को परिदत कर देता है; तथा

(ख) उस दशा के सिवाय न तो मुद्रित करेगा, और न तो मुद्रित कराएगा, जिसमें कि मुद्रक घोषणा की एक प्रति दस्तावेज की एक प्रति के सहित–

(i) उस दशा में जिसमें कि वह राज्य की राजधानी में मुद्रित की जाती है. मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को, तथा

(ii) किसी अन्य दशा में उस जिले के जिसमें कि वह मुद्रित की जाती है. जिला मजिस्ट्रेट को दस्तावेज के मुद्रण के पश्चात् युक्तियुक्त समय के भीतर भेज देता है।

(3). इस धारा के प्रयोजनों के लिए –

(क) दस्तावेज की अनेकानेक प्रतियां बनाने की किसी ऐसी प्रक्रिया की बाबत जो हाथ से नकल करके ऐसी प्रतियां बनाने से भिन्न है. यह समझा जायेगा कि वह मुद्रण है. और "मुद्रक" पद का अर्थ तद्नुसार लगाया जायेगा, तथा

(ख) "निर्वाचन पुस्तिका या पोस्टर" से किसी अभ्यर्थी या अभ्यर्थियों के समूह के निर्वाचन को सम्पवर्तित या प्रतिकूलतः प्रभावित करने के प्रयोजन के लिए वितरित कोई मुद्रित पुस्तिका, पर्चा या अन्य दस्तावेज जो निर्वाचन के प्रति निर्देश करने वाला कोई प्लेकार्ड या पोस्टर अभिप्रेत है, किन्तु किसी निर्वाचन सभा की तारीख, समय, स्थान और अन्य विशिष्टयों को केवल आख्यापित करने वाला या निर्वाचन अभिकर्ताओं या कार्यकर्ताओं को चर्या संबंधी अनुदेश देने वाला कोई पर्चा, प्लेकार्ड या पोस्टर इसके अंतर्गत नहीं आता।

(4) जो कोई व्यक्ति उपधारा (1) या उपधारा (2) के उपबन्धों में से किसी का उल्लंघन करेगा वह कारावास से, जिसकी अवधि 6 (छः) मास तक की हो सकेगी या जुर्माने से, जो दो हजार रुपये तक का हो सकेगा, या दोनों से. दण्डनीय होगा।

उपर्युक्त के आलोक में मुद्रक द्वारा प्रिंट सामग्री प्रिंटिंग के तीन दिनों के भीतर चार प्रतियों में प्रकाशक के घोषणा पत्र के साथ नोडल पदाधिकारी, निर्वाचन व्यय लेखा कोषांग (विधानसभा चुनाव, 2024) तथा मीडिया कोषांग, खूँटी (जिला सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय) को उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी
–सह– उपायुक्त, खूँटी

PR 339281 Election (24-25)_D

डीएवी शिक्षादीप विद्यालय हेहल पहाड़ टोली रांची को मिली सीआईएसई की मान्यता

रांचीः डीएवी शिक्षादीप हेहल पहाड़ टोली विद्यालय को *सीआईएसई* की मान्यता मिलने पर आज विद्यालय मे सीआईएसई संबद्धता समारोह आयोजित किया गया।इस अवसर पर मुख्यअतिथि शारदा ग्लोबल स्कूल कांके रांची के निदेशक अनुज रंजन एवं विशिष्ठ अतिथि छात्र क्लब बुद्धिजीवी मंच यूनिट(छात्र क्लब ग्रुप) के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा, कलावती स्कूल ऑफ नर्सिंग कमड़े के प्रशासनिक पदाधिकारी विश्वदीपक पांडे,विद्यालय के संस्थापिका नीलम देवी,संरक्षक ब्रजेश पाठक, निदेशक मंडली प्रभास गौरव,अविनाश गौरव,प्रवक्ता कुणाल कुमार एवं विद्यालय के सभी शाखा के प्राचार्य एवं शिक्षकगण आदि थे। इस मौके पर विद्यालय में सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों एवं निदेशक द्वारा दीप प्रज्वलितकर किया गया। कार्यक्रम में बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं भक्तिमय संगीत पेश किया।मुख्यअतिथि द्वारा प्राचार्य आनंद कुमार दूसरे शाखा के प्राचार्य अनिल कुमार राय, राजेश कुमार एवं अन्य शिक्षकों को पुष्प गुच्छ एवं उपहार भेंटकर सम्मानित किया गया।मुख्यअतिथि अनुज रंजन ने विद्यालय को सीआईएसई संबद्धता के लिए विद्यालय परिवार को बधाई दी एवं कहा अब विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में काफी सुविधाएं प्राप्त होगी। डीएवी शिक्षा दीप जयप्रकाश नगर के प्राचार्य आलोक कुमार ने
अंग्रेजी के पठन पाठन के माहौल पर जोड़ दिया।निदेशक शिव नंदन पाठक ने विद्यालय में अच्छे शैक्षणिक माहौल एवं कड़ी मेहनत के लिए सभी शिक्षकों को बधाई दी।मंच संचालन अविनाश गौरव एवं धन्यवाद ज्ञापन संस्थापिका नीलम देवी ने की।

सिपाही से एएसआइ बने 72 पुलिसकर्मियों को डीजीपी अनुराग गुप्ता सहित अधिकारियों ने लगाया बैज

रांचीः शुक्रवार को प्रोन्नति पानेवाले 72 पुलिस पदाधिकारियों के लिए एसीबी मुख्यालय में पिपिंग सेरेमनी का आयोजन किया गया. सिपाही से एएसआइ बने 72 पुलिसकर्मियों को डीजीपी अनुराग गुप्ता सहित डीआईजी, एसपी, डीएसपी ने बैज लगाया. डीजीपी ने प्रोन्नति पानेवाले सभी अधिकारियों को शुभकामनाएं दीं.

ईडी के नाम पर वसूली के बाद चर्चा में आये वकील को सामने लाने के लिए हाईकोर्ट में याचिका दायर

रांची : ईडी को मैनेज करने के लिए कांके सीओ जय कुमार राम, धनबाद के डीटीओ दिवाकर द्विवेदी समेत लैंड स्कैम के अन्य आरोपियों से वसूली करने से जुड़े केस में जिस अधिवक्ता के ठिकाने पर एजेंसी ने रेड की थी, उस अधिवक्ता को पेश करने के लिए हाईकोर्ट में याचिका दायर की गयी है. याचिका में कहा गया है कि ईडी के नाम पर वसूली के बाद एजेंसी ने जांच शुरू की थी और पुलिस भी इस मामले में जांच कर रही है. इस बीच अधिवक्ता सुजीत कुमार पिछले कई दिनों से लापता है और उनके बारे में कोई जानकारी नहीं मिल रही है, इसलिए उन्हें सामने लाया जाना चाहिए.

लायंस क्लब रांची लाइफ ने मेडिकल कैंप का किया आयोजन

रांचीः लायंस क्लब रांची लाइफ ने मोबाइल ऐग्रिकल्चरल स्कूल एंड सर्विसेस संस्थान के सहयोग से मेडिकल कैंप का आयोजन किया. इस कैम्प में पारस हॉस्पिटल के विख्यात जनरल फिजीशियन डॉक्टर S.C.Lal ने लगभग 89, दांत के डाक्टर Dr.आशीष भगत ने 115, तथा डॉक्टर विकास, अमन श्रीवास्तव ने लगभग 119 मरीजों का शुगर और BP जांच किया. उन्होंने कहा की यहां देखे गए मरीज हमारे क्लिनिक आते हैं तो इनका मुफ्त में इलाज और diagnosis किया जाएगा. साथ ही जो बिल्कुल गरीब और संसाधन विहीन हैं उनका इलाज मुफ्त में किया जाएगा. इस कार्यक्रम को सफल बनाने में पारस हॉस्पिटल के मार्केटिंग मैनेजर विकास मिश्रा ने सहयोग किया.

निकायों में कार्यरत लेखापाल का मानदेय हुआ दोगुना, 30 हजार रुपये प्रतिमाह मिलेगा

रांचीः राज्य के शहरी निकायों में लेखा का संधारण एनुअल बेस्ड डबल इंट्री अकाउंटिंग सिस्टम द्वारा करने के लिए कार्यरत लेखापाल का मानदेय का निर्धारण किया जायेगा. नगर विकास विभाग ने इस संबंध में सभी नगर निकायों के नगर आयुक्त, कार्यपालक पदाधिकारी व विशेष पदाधिकारी को पत्र लिखा गया है. इस सिस्टम के तहत लेखा कर्मियों को नियुक्त किए जाने का निर्देश है और इसके लिए 15000 रुपये प्रतिमाह मानदेय निर्धारित है, जिसे निकाय के स्वनिधि से किया जाता है. लेखाकर्मियों द्वारा सरकार से मानदेय वृद्धि करने का अनुरोध लगातार किया जा रहा था. नगर विकास विभाग ने पूरे मामले पर विचार करके इनके मानदेय को दोगुना करते हुए अधिकतम 30000 रुपये प्रतिमाह करने का परामर्श दिया गया है. ऐसी स्थिति में लेखापाल को अब 30000 रुपये प्रतिमाह एकमुश्त मानदेय नगर निकायों द्वारा स्वनिधि से भुगतान किया जायेगा.

एनटीईटी : आवेदन करने की डेट बढ़ी

रांची. नेशनल टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट (एनटीईटी) के लिए आवेदन करने की डेट बढ़ा दी गई है। अब अभ्यर्थी 22 अक्टूबर तक इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। वहीं आवेदन में किसी प्रकार का सुधार 24 से 25 अक्टूबर के बीच कर सकेंगे। इससे पहले आवेदन की अंतिम तिथि 14 अक्टूबर निर्धारित थी। आवेदन शुल्क जेनरल केटेगरी के लिए 4000 रुपए, ईडब्ल्यूएस, ओबीसी-(एनसीएल) केटेगरी के लिए 3500 रुपए और एससी, एसटी, पीडब्ल्यूडी, थर्ड जेंडर के लिए 3000 रुपए निर्धारित है।

जैन महिला जागृति का बाजारोत्सव 21 से

रांची। जैन महिला जागृति ने दीपावली के अवसर पर बाजारोत्सव एक मेला सपनों का पोस्टर लांच गुरूवार को दिगंबर जैन भवन अपर बाजार मंदिर में संस्था की सदस्याओं द्वारा किया गया। मंत्री स्मिता पांड्या और पीआरओ रोमा जैन ने बताया कि मेला 21 व 22 अक्टूबर को रातू रोड स्थित रतनलाल जैन स्मृति भवन में आयोजित किया गया है। इस दो दिवसीय मेले का उद्देश्य सिर्फ जैन समाज ही नहीं अन्य महिलाओं को भी कम शुल्क में एक मंच प्रदान करना है। जिससे वह उपभोक्ताओं को वाजिब मूल्य में सामान उपलब्ध कराए और दोनों ही त्यौहार का आनंद उठा सके। इस मेले में कोलकाता, रायपुर, धनबाद, जमशेदपुर, चाईबासा, हजारीबाग, रामगढ़ आदि कई जगह से महिलाएं स्टॉल लगा रही है। इसमें डिजाइनर कपड़ों से लेकर घर का सजावटी सामान, दिवाली के लिए गिफ्ट आइटम, बड़े छोटे सभी के लिए वस्त्र, चद्दरें, ज्वेलरी, चांदी के गिफ्ट आइटम, ड्राई फ्रूट्स, मसाले, गिफ्ट हैंपर, लगेज, स्कूल बैग, पापड़ ,अचार, घी, तेल मिठाई -नमकीन और घरों में बनाई गई कई तरह की खाद्य सामग्री लेकर आ रही हैं। इस मेले में प्रवेश निशुल्क रहेगा। मौके पर अध्यक्ष मोनिका ठोलिया, उपाध्यक्ष प्रतिभा बढ़जात्या, पूर्व अध्यक्ष मंजुला विनायका, कोषाध्यक्ष अनुराधा सेठी, निर्देशिका सीमा गंगवाल, रूबी पाटनी, मानसी बड़जात्या, मोनिका पाटनी, सीमा जैन व अन्य उपस्थित थे।

रिनपास के मरम्मत पर खर्च होंगे 33 करोड़ रुपए

रांची। रिनपास में स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाया जाएगा। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग ने 33 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। इस राशि से ऑडिटोरियम व गेस्ट हाउस की व्यवस्था दुरुस्त की जाएगी। पुरुष और महिला वार्ड को अपग्रेड किया जाएगा। जानकारी के अनुसार, राज्य स्कीम अंतर्गत रिनपास में विभिन्न भवनों को दुरुस्त करने के लिए 11.93 करोड़ की लागत पर प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है। इसमें ऑडिटोरियम के लिए 4.98 करोड़, लाल कोठी के लिए 91.75 लाख, लैंड स्केप के लिए 1.91 करोड़ दिए गए हैं। इसके अलावा इस्ट साइड लैंडस्केप के लिए 1.26 करोड़, धर्मशाला के लिए 69.84 लाख, गेस्ट हाउस, वन स्टॉप सेंटर और कैंटीन के लिए 81.67 लाख रुपए और कम्युनिटी हॉल के लिए 1.33 करोड़ की राशि शामिल है। वहीं, पुरुष वार्ड के जीर्णोद्धार के लिए 13.47 करोड़ की मंजूरी दी गई है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में राज्य स्कीम अंतर्गत रिनपास में विभिन्न पुरुष वार्ड भवनों का जीर्णोद्धार किया जाएगा। इसमें पुरुषों के लिए बने वार्ड 1 से 9 और 11 की व्यवस्था बेहतर बनाई जाएगी। पुरुषों के लिए बनाए गए हाफ-वे होम को भी अपग्रेड किया जाएगा। यहां वैसे मरीज रहते हैं, जो ठीक होने के बाद काम करते हैं। इसके लिए उन्हें मेहनताना भी दिया जाता है। वहीं, ब्वॉयज हॉस्टल के लिए 81.40 लाख रुपए अलग से दिए जाएंगे। पुरुष वार्ड के अलावा रिनपास में विभिन्न महिला वार्ड भवनों के लिए 6,86,72,500 रुपए की लागत पर स्वीकृति दी गई है। इस राशि से महिला वार्ड 1, 2 और 3 को रेनोवेट किया जाना है।

निःशुल्क कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण शिविर 22-23 नवंबर को

रांच। रोटरी क्लब रांची के सौजन्य से 22 और 23 नवंबर को सदर अस्पताल रांची में निःशुल्क कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस शिविर का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद व्यक्तियों को कृत्रिम अंग उपलब्ध कराकर उन्हें आत्मनिर्भर जीवन जीने में मदद करना है। शिविर सुबह 10 बजे से लेकर दोपहर 4 बजे तक चलेगा। इस शिविर के लिए रजिस्ट्रेशन निःशुल्क है, जिसे क्यूआर कोड स्कैन करके किया जा सकता है।

रांची जिले के तमाड़, रांची, हटिया, कांके और मांडर विधानसभा सीटों के लिए जारी हुई अधिसूचना, 25 अक्टूबर तक नॉमिनेशन

रांची : झारखंड विधानसभा चुनाव की रणभेरी बज चुकी है. झारखंड में दो चरणों (13 और 20 नवंबर) को चुनाव होने हैं. रांची जिले में पहले चरण में पांच विधानसभा क्षेत्रों (तमाड़, रांची, हटिया, कांके व मांडर) में विधानसभा चुनाव को लेकर शुक्रवार को अधिसूचना जारी कर दी गयी. रांची डीसी वरुण रंजन से इस संबंध में समाहरणालय में प्रेस वार्ता की. उन्होंने बताया कि 18 अक्टूबर यानी से राज्य में चुनावी प्रक्रिया शुरू हो जायेगी. पहले चरण के लिए शुक्रवार से झारखंड में 43 सीटों पर नॉमिनेशन की प्रक्रिया होगी. 25 अक्टूबर को पहले चरण के नॉमिनेशन की अंतिम तारीख होगी. 28 अक्टूबर को नॉमिनेशन की स्क्रूटनी की जायेगी. वहीं 30 अक्टूबर तक प्रत्याशी अपना नॉमिनेशन वापस ले सकते हैं. नॉमिनेशन की प्रक्रिया सुबह 11 बजे से 3 बजे तक चलेगी. जनरल प्रत्याशी को 10 हजार और एससी-एसटी को 5 हजार फीस जमा करना होगा.

निर्वाची पदाधिकारियों की जानकारी

तमाड़ विधानसभा क्षेत्र : तमाड़ निर्वाची कोषांग अनुमंडल कार्यालय बुंडू में अवस्थित होगा, जिसके निर्वाची पदाधिकारी किस्टो कुमार बेसरा होंगे. कुल 303 मतदान केंद्र में से 246 मतदान केंद्रों में सुबह सात बजे से शाम पांच बजे तक मतदान होंगे. वहीं 57 मतदान केंद्रों में सुबह सात बजे से शाम चार बजे तक मतदान कराया जायेगा.

रांची विधानसभा क्षेत्र : रांची निर्वाची कोषांग अनुमंडल कार्यालय सदर कमरा संख्या 202 ब्लॉक-बी रांची समाहरणालय में अवस्थित होगा, जिसके निर्वाची पदाधिकारी उत्कर्ष कुमार होंगे. कुल 374 मतदान केंद्र हैं, जहां सुबह सात बजे से शाम पांच बजे तक मतदान होंगे.

हटिया विधानसभा क्षेत्र : हटिया निर्वाची कोषांग अपर जिला दंडाधिकारी (विधि-व्यवस्था) कार्यालय कमरा संख्या 103 ब्लॉक-ए समाहरणालय में अवस्थित होगा, जिसके निर्वाची पदाधिकारी राजेश्वर नाथ आलोक होंगे. कुल 496 मतदान केंद्र हैं, जहां सुबह सात बजे से शाम पांच बजे तक मतदान होंगे.

कांके विधानसभा क्षेत्र : कांके निर्वाची कोषांग उप समाहर्त्ता भूमि सुधार कमरा संख्या 203 ब्लॉक-बी समाहरणालय में अवस्थित होगा, जिसके निर्वाची पदाधिकारी मुकेश कुमार होंगे. कुल 482 से 461 मतदान केंद्रों में सुबह सात बजे से शाम पांच बजे तक मतदान होंगे. वहीं 21 मतदान केंद्रों में सुबह सात बजे से शाम चार बजे तक मतदान कराया जायेगा.

मांडर विधानसभा क्षेत्र : मांडर निर्वाची कोषांग विशिष्ट अनुभाजन पदाधिकारी कार्यालय कमरा संख्या जी-12 ब्लॉक-ए समाहरणालय में अवस्थित होगा, जिसके निर्वाची पदाधिकारी मोनी कुमारी होंगी. कुल 430 में से 420 मतदान केंद्रों न्द्रों पर सुबह सात बजे से शाम पांच बजे तक मतदान होंगे. वहीं 10 मतदान केंद्रों में सुबह सात बजे से शाम चार बजे तक मतदान कराया जायेगा.

कलेक्ट्रेट के अंदर भीड़ लेकर घुसे तो होगी प्राथमिकी

नामांकन करने आने वाले प्रत्याशियों को अपने साथ आए समर्थकों को कलेक्ट्रेट के अंदर साथ ले जाने की अनुमति नहीं होगी। मुख्य प्रवेश द्वार के बाहर ही समर्थकों और उनके साथ आए ढोल-बाजा पार्टी को रोकना होगा। जबरन अंदर प्रवेश करने पर प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। हालांकि, पहले दिन नामांकन होने की संभावना कम है। लेकिन, शनिवार से कलेक्ट्रेट के बाहर जाम की स्थिति बनेगी। ऐसे में जाकिर हुसैन पार्क से कमिश्नरी चौक की ओर ट्रैफिक डायवर्ट रहेगा। इधर, डीसी ने सभी कोषांग के नोडल पदाधिकारियों के साथ बैठक करके उन्हें निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देश के अनुसार कार्य करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि फॉर्म की बिक्री से लेकर नामांकन पत्र दाखिल होने और स्क्रूटनी कार्य सावधानीपूर्वक करें।

एक प्रत्याशी चुनाव में कर सकता है 40 लाख खर्च, 30 अक्टूबर तक नाम वापस लेने ले सकते हैं प्रत्याशी

रांची : झारखंड विधानसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है. राज्य की 81 विधानसभा सीटों पर दो चरणों में मतदान होगा. पहले चरण का चुनाव 13 नवंबर और दूसरे चरण का 20 नवंबर को होगा. वहीं 23 नवंबर को चुनाव के नतीजे आयेंगे. झारखंड में पहले चरण के तहत 43 विधानसभा सीटों पर चुनाव की अधिसूचना आज जारी कर दी गयी. इसके साथ ही शुक्रवार से झारखंड की 43 विधासभा सीटों पर प्रत्याशियों के नॉमिनेशन (नामांकन) की प्रक्रिया शुरू होगी. इस बार नामांकन पत्र ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों मोड में भरे जा सकेंगे. रिटर्निंग ऑफिसर के कार्यालयों में प्रत्याशी सुबह 11 बजे से 3 बजे तक नॉमिनेशन करा सकते हैं. प्रत्येक प्रत्याशी के साथ अधिकतम चार व्यक्ति आरओ चैंबर के अंदर प्रवेश कर पायेंगे. उम्मीदवार अगर रजिस्टर्ड पार्टी का है तो उसके लिए एक मतदाता प्रस्तावक होगा. वहीं निर्दलीय व गैर मान्यता प्राप्त राजनीतिक पार्टी के प्रत्याशी के साथ दस प्रस्तावक होने चाहिए. आरओ कार्यालय से 100 मीटर की दूरी तक प्रत्याशी तीन से अधिक वाहन नहीं ला सकते हैं. उम्मीदवार के लिए प्रदेश की किसी भी विधानसभा मतदाता सूची में नाम होना जरूरी है. सुविधा ऐप के जरिये ऑनलाइन भी नामांकन पत्र भर सकते हैं उम्मीदवार चुनाव आयोग की ओर से जारी सुविधा ऐप के जरिए भी इच्छुक उम्मीदवार इस बार नामांकन पत्र ऑनलाइन भर सकेंगे. नामांकन फार्म भरते समय उम्मीदवार को अपनी तीन लेटेस्ट पासपोर्ट साइज फोटो, शैक्षणिक योग्यता के प्रमाण पत्र की फोटो कॉपी, चुनाव के लिए खुलवाये गये नये बैंक अकाउंट की कॉपी और एक एफिडेविट देना होगा, जिसे फॉर्म 26 कहा जाता है. इस शपथ पत्र में उम्मीदवार को अपनी चल-अचल संपत्ति, ऋण, देनदारी, आपराधिक रिकॉर्ड का पूरा विवरण देना है. उम्मीदवार अपने नये बैंक अकाउंट से चुनाव के सभी लेन-देन का काम करेंगे. चुनाव का हिसाब-किताब रखने के लिए एक खर्च रजिस्टर उम्मीदवार के पास और एक निर्वाचन कार्यालय में रखा जायेगा. एक प्रत्याशी 40 लाख रुपये इस चुनाव में खर्च कर सकता है. नामांकन के लिए सामान्य (जनरल) उम्मीदवार को दस हजार रुपये और अनुसूचित वर्ग के उम्मीदवार को पांच हजार फीस जमा करवानी होगी. पहले चरण में जिन सीटों पर आज से चुनावी प्रक्रिया शुरू हो गयी है, उनमें कोडरमा, बरकट्ठा, बरही, बड़कागांव, हजारीबाग, सिमरिया, चतरा, बहरागोड़ा, घाटशिला, पोटका, जुगसलाई, जमशेदपुर पूर्वी, जमशेदपुर पश्चिमी, ईचागढ़, सरायकेला, चाईबासा, मझगांव, जगन्नाथपुर, मनोहरपुर, चक्रधरपुर, खरसावां, तमाड़, तोरपा, खूंटी, रांची, हटिया, कांके, मांडर, सिसई, गुमला, बिशुनपुर, सिमडेगा, कोलेबिरा, लोहरदगा, मनिका, लातेहार, पांकी, डालटनगंज, विश्रामपुर, छतरपुर, हुसैनाबाद, गढ़वा और भवनाथपुर विधानसभा सीट शामिल है. 25 अक्टूबर को पहले चरण के नॉमिनेशन करने की अंतिम तारीख होगी. 28 अक्टूबर को नॉमिनेशन की स्क्रूटनि की जायेगी. वहीं 30 अक्टूबर को प्रत्याशियों के नॉमिनेशन वापस लेने का अंतिम दिन होगा. 13 नवंबर को पहले चरण का मतदान होगा.

बदले जा सकते हैं झारखंड के तीन-चार बड़े सीनियर ब्यूरोक्रैट्स, पुलिस महकमे के भी अधिकारी शामिल की संभावना

रांचीः आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर झारखंड में राजनीतिक पार्टियां से लेकर चुनाव आयोग तक रेस है. चुनाव आचार संहिता लगते ही चुनाव आयोग ने रांची के डीसी मंजूनाथ भजंत्री को रिप्लेस कर वरुण रंजन को रांची जिला का उपायुक्त बनाया. बोकारो एसपी पूज्य प्रकाश की जगह मनोज स्वर्गियारी को एसपी बनाया गया. वहीं कुछ तबादले डीएसपी के स्तर पर हुए. दिल्ली प्रतिनियुक्ति पर पदस्थापित सीनियर आईएएस अलका तिवारी की झारखंड वापसी भी इसी सिलसिले का हिस्सा माना जा रहा है. ऐसे ही कई और उदाहरण देखने को मिल रहे हैं. अब पुख्ता सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक राज्य के कुछ आला अधिकारियों के भी चेहरे बदल सकते हैं. इनमें पुलिस महकमे के भी अधिकारी मौजूद हैं.

शीर्ष पदों के चेहरे बदलने

इन फैसलों में झारखंड के आला अधिकारियों को बदले जाने की पूरी संभावना है. राज्य के सबसे बड़े पद मुख्य सचिव एल खयांग्ते 31 अक्टूबर को रिटायर हो रहे हैं. उनके रिटायरमेंट के तुरंत बाद राज्य को नया सीएस मिलेगा. अटकले लगायी जा रही हैं कि दिल्ली से वापस झारखंड आए अपर मुख्य सचिव अलका तिवारी मुख्य सचिव के पद को संभाल सकती हैं. वहीं पुलिस महकमे के भी सबसे बड़े पद पर तबादले की तलवार लटक रही है. पुलिस-प्रशासन को संभालने वाले बड़े आईएएस अधिकारी को भी चुनाव तक के लिए बदला जा सकता है. पुख्ता सूत्रों ने यह भी जानकारी दी है कि राज्य के एक बड़े जिले के एसएसपी को भी चुनाव आयोग हटा सकता है. यह सारे बदलाव एक-दो दिनों में देखे जा सकते हैं.

छह जिलों में बढ़ते मदरसों की होगी जांच, गृह सचिव ने शिक्षा विभाग से मांगी रिपोर्ट

रांचीः गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग झारखंड की प्रधान सचिव वंदना दादेल ने राज्य के पूर्वी सीमा में मदरसों की संख्या में बढ़ोतरी होने की जांच का निर्देश स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग को दिया है. विशेष रूप से झारखंड के संथालपरगना जिला के छह जिलों पाकुड़, गोड्डा, साहेबगंज, दुमका, जामताड़ा एवं देवघर जिला में मदरसों की संख्या के संबंध में गृह विभाग को अविलंब प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश शिक्षा विभाग को दिया है. दरअसल इस संबंध में डी. दानिश बनाम झारखंड सरकार के बीच हाइकोर्ट में वाद चल रहा है. कोर्ट में याचिका की सुनवाई में पारित आदेश के बाद गृह विभाग मदरसों की सूची तैयार करा रहा है. उक्त याचिका में पूर्वी सीमा में मदरसों की बढ़ोतरी का उल्लेख किया गया है. झारखंड में विधानसभा चुनाव से पहले संथाल परगना क्षेत्र में जनसांख्यिकीय परिवर्तन का मुद्दा सुर्खियों में है. विपक्षी भारतीय जनता पार्टी ने इसे बांग्लादेश से अवैध आव्रजन के कारण बताया है; सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा ने अवैध आव्रजन रोकने की जिम्मेदारी केंद्र पर डाल दी है, जो भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन द्वारा शासित है. इस बीच, एनसीएसटी सदस्य और रांची की पूर्व मेयर आशा लकड़ा ने क्षेत्र के चार जिलों साहिबगंज, पाकुड़, गोड्डा और जामताड़ा में हो रही जनसांख्यिकीय परिवर्तनों की जांच की और 15 सितंबर को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को इस पर एक रिपोर्ट सौंपी. एनसीएसटी की रिपोर्ट में आयोग ने संकेत दिया है कि स्थानीय आदिवासियों द्वारा उठाए गए लगभग सभी मुद्दे अवैध आव्रजन का परिणाम है. सरकारी योजनाओं की पहुंच में कमी और स्थानीय भूमि विवाद से लेकर मानव तस्करी, लापता लड़कियों और साइबर अपराध तक बढ़ा है . झारखंड हाईकोर्ट ने संथाल परगना में बांग्लादेशी घुसपैठ और जनसांख्यिकी में बदलाव को लेकर दायर जनहित याचिका दायर है. इसकी सुनवाई भी हुई है. झारखंड हाईकोर्ट ने संथाल में बांग्लादेशी घुसपैठ के कारण आदिवासियों की घटती आबादी और जनसांख्यिकी में बदलाव को लेकर डेनियल दानिश द्वारा दायर जनहित याचिका पर सुनवाई पूरी की. केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और राज्य सरकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश सुजीत नारायण प्रसाद और न्यायमूर्ति अरुण कुमार राय की खंडपीठ के समक्ष अपना पक्ष रखा.

रांची में आज से साफ होगा मौसम

रांची | बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव का असर पूरे झारखंड पर दिख रहा है। शुक्रवार को भी रांची में हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हुई। राजधानी में दोपहर में हटिया-तुपुदाना क्षेत्र में अच्छी बारिश हुई, लेकिन बाकी हिस्से में सिर्फ बूंदा-बांदी हुई। मौसम विज्ञान केन्द्र रांची के मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि 19 अक्टूबर से मौसम साफ हो जाएगा। 22 अक्टूबर तक बारिश की संभावना नहीं है। हालांकि, तापमान में कुछ गिरावट आ सकती है।

इंडिया गठबंधन में सीट शेयरिंग व प्रत्याशी चयन की प्रक्रिया तेज, आज रांची आएंगे राहुल

रांचीः इंडिया गठबंधन में सीट शेयरिंगऔर प्रत्याशियों का नाम तय करने को लेकर बैठकों का दौर शुरू हो गया है. कांग्रेस चुनाव समिति की बैठक आज रांची में हो रही है. इसमें प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र से तीन-तीन प्रत्याशियों की सूची तैयार की जाएगी. यहां से सूची दिल्ली भेजी जाएगी. यहां से उम्मीदवारों के नाम पर मुहर लगेगी. कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी गुलाम अहमद मीर पर्यवेक्षक तारिक अनवर सहित कई वरिष्ठ नेता रांची पहुंच गए है. कांग्रेस में हलचल तेज है. झारखंड मुक्ति मोर्चा में भी बैठकों का दौर जारी है. कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी कल रांची आ रहे है. राहुल गांधी कल पासवा की ओर से संविधान सम्मेलन में भाग लेंगे. सम्मेलन में देश के कई हिस्सों से आए लोग शामिल होंगे. राहुल गांधी विभिन्न संगठनों व सिविल सोसाइटी के लोगों से संवाद भी करेंगे. राहुल गांधी के कार्यक्रम को लेकर कांग्रेसी जुटे हुए है. संभावना है कि शाम में राहुल गांधी झारखंड विधानसभा चुनाव में सीट शेयरिंग के मुद्दे पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन राजद नेता तेजस्वी यादव व झारखंड कांग्रेस के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ बैठक करेंगे. इस बैठक में माले के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य और माले विधायक बिनोद सिंह भी शामिल हो सकते है.

रांची महानगर काली पूजा समिति की बैठक 20 अक्टूबर को

रांचीः रांची महानगर काली पूजा समिति ने काली पूजा के भव्य आयोजन को लेकर तैयारी शुरू कर दी है. 20 अक्टूबर को बिहार क्लब में बैठक बुलाई गई है.इसमें 2024 के लिए महानगर काली पूजा की नई कमेटी का गठन किया जाएगा.अपराह्न दो बजे से बैठक शुरू होगी.महानगर काली पूजा समिति के मुख्य संरक्षक आलोक कुमार दूबे,अध्यक्ष विनय सिंह के अगवाई में वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव,प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, रांची विश्वविद्यालय के कुलपति अजीत कुमार सिन्हा, समाजसेवी लाल किशोर नाथ शाहदेव, डॉ राजेश गुप्ता समेत अन्य शामिल होगें. मौके पर अजीत सिंह टिंकू,धीरज वर्मा ,बबलू वर्मा, सपन साहू, रोहन सिंह ,अर्जुन सिंह, मोहित रजक, यश वर्मा, प्रिंस सिंह समेत अन्य मौजूद है.

बारिश से फसलों को नुकसान, आवक घटी, सब्जियों की कीमतें आसमान पर; फूलगोभी 70 रुपए, टमाटर 100 रुपए के पार, धनिया 400 रुपए/किलो के पार

रांची । सब्जियों की कीमत रांची राजधानी में फिर आसमान छूने लगी है। टमाटर और बरबट्टी 100 रुपए/किग्रा के पार है, तो मध्यम आकार की फूलगोभी भी 50-70 रुपए/पीस बिक रही है। प्याज 60-65 रुपए किलो है। पुराना आलू 35 तो नया आलू 60 रुपए किलो तक बिक रहा है। करेला का भाव 80 से 100 रुपए प्रति किलो हो गया है। खुदरा बाजार में लहसुन और हरा धनिया 400 रुपए प्रति किग्रा मिल रहे हैं। हरी मिर्च भी 120 रुपए किलो है। नेनुआ, झींगा, बरबट्टी समेत अन्य हरी सब्जियों की कीमत भी काफी बढ़ गई है। कारोबारी बताते हैं कि धनबाद में सब्जियां सबसे अधिक पश्चिम बंगाल से आती हैं। सितंबर के अंत में वहां हुई बारिश से सब्जियों की फसल को काफी नुकसान पहुंचा था। ऐसे में आपूर्ति घट गई और भाव चढ़ गए। हालांकि, अक्टूबर में नई जगहों से आवक थोड़ी बढ़ने पर कीमतों में हल्की नरमी आई थी। लेकिन, पिछले 4-5 दिनों में फिर सब्जियां महंगी हो गई हैं। व्यवसायियों का कहना है कि इस महीने के अंतिम सप्ताह से स्थानीय खेतों की सब्जियां बाजार में आने लगेंगी। ऐसे में 25 अक्टूबर के बाद से कीमतें कम होने की उम्मीद है। धनबाद में 60-70% सब्जियों की आवक पश्चिम बंगाल के विभिन्न जिलों से होती है। बिहार के भागलपुर, झारखंड के हजारीबाग, रांची और स्थानीय खेतों से बाकी 20-30% सब्जियों की आपूर्ति होती है। थोक कारोबारी अनिल साव कहते हैं कि सितंबर के अंत में भारी बरसात से बंगाल व झारखंड में सब्जियों की काफी फसल खराब हो गई थी। इसी से आवक 50% घट गई। पश्चिम बंगाल से रोज 35-40 गाड़ियों के बजाय पिछले कई दिनों से सिर्फ 20-22 गाड़ियों से ही सब्जियां आ रही हैं। नई फसल आने पर भाव में नरमी आएगी।

स्थानीय खेतों की सब्जियां जल्द आएंगी

अक्टूबर : भिंडी, नेनुआ, लौकी, खीरा और अन्य हरी सब्जियां

नवंबर : फूलगोभी, बींस, हरा धनिया और अन्य हरी सब्जियां

दिसंबर : फूलगोभी, पत्तागोभी, आलू, पालक, टमाटर

जनवरी : फूलगोभी, पत्तागोभी, आलू, टमाटर, मिर्च, मटर, पालक

फरवरी : मटर, हरी मिर्च, टमाटर, बैंगन, लौकी, कटहल, करेला

कारोबारी ने कहा....

स्थानीय खेतों से सब्जियां आने पर 25 अक्टूबर से घटेंगे भाव

5 दिन से लापता बुजुर्ग का नहर में मिला शव

नालंदा. नालन्दा के हरनौत थाना क्षेत्र के दैली मोड़ के समीप एक बुजुर्ग व्यक्ति का शव मिला है। शुक्रवार को स्थानीय लोगों ने रोड किनारे स्थित नहर में एक शव देखा, जिसके बाद हरनौत थाना पुलिस को सूचित किया गया। पुलिस जांच में सामने आया कि मृतक की पहचान दैली गांव निवासी स्व. रामेश्वर सिंह के (85) वर्षीय पुत्र रामस्वरूप सिंह के रूप में की गई है। मृतक के परिजन ने बताया कि वह 13 अक्टूबर को बिना किसी को सूचित किए घर से निकल गए थे, जिसके बाद से उनका कोई पता नहीं चल पाया था। हरनौत थाने के थानाध्यक्ष मोहम्मद अबू तालिब अंसारी ने बताया, "प्राथमिक जांच से प्रतीत होता है कि शौच के दौरान पानी भरे नहर में गिरने से उनकी मौत हुई है। शव काफी सड़ गल गया है।

दरभंगा में गैस सिलेंडर ब्लास्ट, दादी-पोता घायल

दरभंगा. दरभंगा के केवटी प्रखंड के रैयाम थाना क्षेत्र के समैला गांव में गुरुवार रात करीब 8 बजे खाना बनाने के दौरान गैस सिलेंडर ब्लास्ट हो गया। अनाज, कपड़ा और आवश्यक सामान राख हो गए। घटना में एक महिला सहित दो लोग झुलस गए। झुलसने से जख्मी स्व. राम विलास सहनी की 50 वर्षीय पत्नी गुलबिया देवी और उनका 15 वर्षीय पोता नीतीश सहनी बुरी तरह जख्मी हो गया। दोनों को इलाज के लिए केवटी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया गया है।धमाके की आवाज 2 किलोमिटर तक गई। स्थानीय लोगों ने फायर ब्रिगेड और पुलिस को सूचना दी। फायर ब्रिगेड की टीम और रैयाम पुलिस घटना स्थल पर पहुंची। गुलबिया देवी के पांव, हाथ सहित शरीर के अन्य हिस्सों में चोट लगी है। जबकि उनका पोता भी बुरी तरह घायल है, हालांकि दोनों खतरे से बाहर हैं।

सेना के जवान का निधन, राजकीय सम्मान से अंतिम संस्कार:अरुणाचल प्रदेश में थे तैनात

बक्सर. बक्सर में सेना के 3 ग्रेनेडियर में सेवारत सैनिक अशोक कुमार यादव का गुरुवार की सुबह 7 बजे हृदय गति रुकने से निधन हो गया। वह 40 दिन के अवकाश पर अपने घर बक्सर आए हुए थें। 2008 में सेना में शामिल हुए जवान वर्तमान में अरुणाचल प्रदेश में तैनात थे। अपने सेवा के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों में अपनी ड्यूटी निभा चुके थे। उनके पिता लक्ष्मी यादव भी सेवा में थे और 2002 में कारगिल युद्ध में शहीद हुए थे। दिवंगत सैनिक अशोक कुमार यादव का अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव केशोपुर के गंगा घाट पर किया गया। जहां उनके 6 वर्षीय पुत्र आयुष कुमार ने उन्हें मुखाग्नि दी। मौके पर स्थानीय अधिकारियों की मौजूदगी में दिवंगत सैनिक के साथियों ने गार्ड ऑफ ऑनर देकर राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया।

कोर्ट पहुंचे कैदी को बदमाश ने मारी गोली:गोपालगंज में कान को छूते हुए दूसरे युवक को लगी गोली, आरोपी अरेस्ट

गोपालगंज. गोपालगंज के व्यवहार न्यायालय परिसर में पेशी के लिए पहुंचे कैदी पर बदमाश ने गोली चला दी। इस दौरान कोर्ट परिसर में अफरा-तफरी का माहौल हो गया। पेशी के लिए कोर्ट पहुंचे कुख्यात विशाल सिंह कुशवाहा पर बदमाश ने गोली चलाई। गोली उसके कान को छूते हुए दूसरे युवक के पेट में लग गई। इस घटना में एक युवक बुरी तरह से जख्मी हो गया है। जख्मी अवस्था में उसे तत्काल इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद स्थिति को नाजुक देखते हुए बेहतर इलाज के लिए गोरखपुर रेफर कर दिया। फिलहाल, पुलिस ने गोली चलाने वाले बदमाश को अरेस्ट कर लिया है। घटनास्थल से खोखा-पिस्टल बरामद हुआ है। जख्मी युवक की पहचान मांझागढ़ निवासी स्व बदमाश मियां के बेटा गुलाब हुसैन के रूप में की गई है। घटना के बारे में बताया जाता है कि कुख्यात बदमाश विशाल सिंह की आज कोर्ट में पेशी थी। वह कोर्ट में पेशी के लिए जैसे ही कैदी वाहन से उतरा और कोर्ट में घुसा। उसी वक्त पहले से घात लगाए बदमाश ने फायरिंग कर दी। गोली विशाल सिंह के कान को छूते हुए उसके पास खड़े गुलाम हुसैन को लग गई।

डायल 112 की पुलिस पर फायरिंग करने वाला गिरफ्तार

नालंदा. नालंदा की राजगीर पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई की है। टॉप-10 अपराधी बिमलेश कुमार यादव को गिरफ्तार किया है। बिमलेश पर पुलिस की डायल 112 गाड़ी पर सवार जानलेवा फायरिंग करने और जमीन विवाद को लेकर हत्या का प्रयास करने का आरोप है। राजगीर DSP सुनील कुमार सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि राजगीर के जत्तीभगवानपुर निवासी कृष्णा यादव का पुत्र बिमलेश कुमार, जो क्षेत्र में दहशत का पर्याय बन चुका था। स्थानीय लोगों में उसका खौफ व्याप्त था। वह आसपास के निवासियों को लगातार धमकाता रहता था। 17 अक्टूबर को राजगीर थाना प्रभारी के नेतृत्व में गठित एक विशेष टीम ने घटना की गंभीरता को देखते हुए छापेमारी की। आरोपी को उसके गांव से गिरफ्तार कर लिया। बिमलेश के खिलाफ पहले से भी कई संगीन मामले दर्ज हैं। इनमें हथियार अधिनियम और बिहार नशाबंदी कानून के तहत मामले शामिल हैं।

बेगूसराय में किसानों ने निकाली जन जागरण यात्रा

बेगूसराय. बेगूसराय के कावर परिक्षेत्र में विशेष भूमि सर्वेक्षण हो रहा है। इस दौरान वन विभाग के अपने नाम से खतियान बनवाने की सूचना से किसानों का आक्रोश बढ़ता ही जा रहा है। इस बड़ी परेशानी से आंदोलनरत हुए किसानों ने आज जन जागरण यात्रा निकाली है। कावर के किसानों ने आंदोलन के लिए गठित कावर किसान महापंचायत के प्रतिनिधियों और सैकड़ों किसानों द्वारा कांवर परिक्षेत्र के पोषित गांव और रैयतों के बीच अपनी जमीन बचाने के लिए आंदोलनरत होने को लेकर जान जागरण किया जा रहा है। किसानों की यह जन जागरण यात्रा मंझौल के जगदंबी पुस्तकालय से शुरू हुई। अर्जुन टोल, खांजहांपुर, नारायण पीपर, परोड़ा, एकंबा, कनौसी, मणिकपुर, रजौड़, सकड़ा, हरसाइन होते हुए जगदंबी पुस्तकालय परिसर में समाप्त है। इसमें शामिल सैकड़ों किसानों के जत्थे ने कावर परिक्षेत्र के तमाम गांवों में रुक कर किसानों से बात की। इसके साथ ही एकजुट होकर किसानों से संघर्ष करने का आह्वान किया। बताया गया कि पहले गलत तरीके से हमारी जमीन का अधिसूचना जारी किया गया।

शराब छुड़ाने के लिए तंत्र मंत्र का सहारा:पोते ने दादी की तलवार से काटकर की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

मोतिहारी. मोतिहारी के कल्याणपुर थाना क्षेत्र के बरहरवा महानन्द गांव में तंत्र-मंत्र को लेकर हुए विवाद में एक युवक ने अपनी ही दादी की बेरहमी से हत्या कर दी। आरोपी की पहचान पहलाद साह के बेटे झून्ना साह(19) के रूप में हुई है। घटना को लेकर बताया जा रहा है कि पहले उसने धारदार तलवार से अपनी दादी भागमती देवी(55) की तलवार से काटकर हत्या की फिर शव के पास बैठकर तलवार की धार लगाता रहा। इसके अलावा, उसने अपने दादा सुखदेव साह(60) को भी पीट-पीट कर घायल कर दिया। घटना की सुचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और हत्या में प्रयुक्त तलवार को भी बरामद कर लिया है। घटना गुरुवार रात करीब तीन बजे की है। भाभी नीलम देवी ने बताया कि घटना रात करीब तीन बजे की है जब आरोपी झून्ना घर का गेट पीट रहा था और उसने सबसे कहा कि वह उन्हें मारने आया है। भाभी नीलम देवी के अनुसार, युवक ने पहले अपने दादा पर हमला किया, लेकिन दादा भागकर अपनी जान बचाने में सफल रहे। इसके बाद युवक ने दादी के पास रखी तलवार उठाई और उनकी हत्या कर दी।

इनवर्टर-बैट्री का लालच देकर 15 हजार रुपए ठगे

आरा(भोजपुर). आधे दाम पर सामान देने का ऑफर देकर ठगी करने वाले साइबर ठग गिरोह का भोजपुर पुलिस ने पर्दाफाश किया है। साथ ही गैंग में शामिल एक सदस्य को गिरफ्तार किया है। इसकी जानकारी एसपी राज ने दी। उन्होंने बताया कि पकड़ा गया आरोपित अवनिश कुमार सीतामढ़ी जिले के रून्नी सैदपुर थाना के मैनपुर रतनौली गांव का निवासी है। कांड में प्रयुक्त 2 मोबाइल फोन जब्त किया गया है। कांड में संलिप्त अन्य सदस्यों की तलाश जारी है। उन्होंने बताया कि शीतल टोला निवासी राजीव रंजन प्रसाद को आधी कीमत पर बैट्री और इंवर्टर दिलाने का झांसा दिया गया था। इसके बाद पे-फोन पर 15 हजार रुपए ट्रांसफर करा लिए गए थे। बाद में पीड़ित को न तो बैट्री और ने इंवर्टर मिला, पैसे भी गंवा दिए। इसे लेकर 16 अक्टूबर को साइबर थाना में प्राथमिकी कराई गई थी।

जहरीली शराब के पीछे राजद का हाथः डिप्टी सीएम ने पूछा- क्या ऐसे लोगों को टिकट देंगे तेजस्वी, 51 मौत पर मांझी बोले- होता रहता है

पटना. सीवान-सारण में जहरीली शराब से अबतक 51 लोगों की जान जा चुकी है। इस घटना के बाद सियासी बयानबाजी भी तेज होती जा रही है। डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने कहा है कि जितने भी शराब माफिया हैं, उनका कनेक्शन कहीं ना कहीं राष्ट्रीय जनता दल से है। शराब का कारोबार करने वाले राजद से उम्मीदवार बनते हैं और बाहर से ढोल बजाते हैं। इस घटना के पीछे आरजेडी का हाथ है। वहीं तेजस्वी यादव शराब कांड पर लगातार नीतीश सरकार को घेर रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष ने अपने एक्स पर 12 सवाल पूछा है और कहा है कि सीएम होशमंद हैं तो इन सवालों का जवाब दें। जबकि केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने इस घटना पर कहा है कि बिहार की 13-14 करोड़ की आबादी है। कुछ ना कुछ होता रहता है।

घटना के पीछे आरजेडी का हाथ

विजय सिन्हा ने शुक्रवार को कहा कि तेजस्वी यादव दोहरा चरित्र और भाषा बंद करें। सभी की सहमति से बिहार में शराबबंदी की गई थी, लेकिन यह जहां घटना घटी है उस जिले में पहले भी घटना घट चुकी है। इस बार बहुत दिनों के बाद फिर से जहरीली शराब से मौत हुई है। संज्ञान लिया गया है, जांच की जा रही है। डिप्टी सीएम से जब सवाल किया गया कि आप विपक्ष में थे तब आप शराबबंदी को फ्लॉप बता रहे थे ? इसपर उन्होंने कहा कि शराबबंदी सभी की सहमति से हुई थी, लेकिन उस समय आरजेडी का कनेक्शन जुड़ा हुआ था। आज भी हम कह रहे हैं कि इस घटना के पीछे राजद का हाथ है।

तेजस्वी ने सीएम से पूछे सवाल

पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव जहरीली शराब से हुई मौत को हत्या करार दे रहे हैं। वो लगातार नीतीश सरकार पर हमलावर हैं। शुक्रवार की सुबह एक्स पर उन्होंने 12 सवालों की लिस्ट डाली है और कहा है कि सीएम अगर होशमंद हैं तो मेरे सवालों का जवाब दें। उन्होंने पूछा है कि आखिर ऐसे मामलों में बड़े अफसरों पर एक्शन क्यों नहीं होता, हर बार छोटी मछली को ही निशाना क्यों बनाया जाता है। तेजस्वी यादव ने कहा कि शराबबंदी नीतीश कुमार के संस्थागत भ्रष्टाचार का एक छोटा सा नमूना है। अगर शराबबंदी हुई है तो इसे पूर्ण रूप से लागू करना सरकार का दायित्व है, लेकिन मुख्यमंत्री की वैचारिक व नीतिगत अस्पष्टता, कमजोर इच्छाशक्ति एवं जनप्रतिनिधियों की बजाय चुनिंदा अधिकारियों पर निर्भरता के कारण आज बिहार में शराबबंदी सुपरफ्लॉप है। सत्ताधारी नेताओं-पुलिस और शराब माफिया के नापाक गठजोड़ के कारण बिहार में 30 हजार करोड़ से अधिक अवैध शराब का काला बाजार फला-फूला है। तेजस्वी ने सीएम की तस्वीर डालकर एक और पोस्ट की और लिखा कि 'जहरीली शराब से 100 से अधिक हत्या होने के बाद भी पटना के बीचों-बीच ठहाके लगाकर हंसते मुख्यमंत्री और कैबिनेट मंत्री! संवेदना तक व्यक्त नहीं करने वाले तीसरे नंबर की पार्टी के मुख्यमंत्री का इतनी मौतों पर हंसना, बिहारियों एवं लोकतंत्र को चिढ़ाना है। इतनी बड़ी घटना होने के बावजूद सीएम का ना मीडिया से संवाद, ना जनता से संवाद, ना पीड़ितों से संवाद !'

कुछ ना कुछ होता रहता है

केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने इस घटना पर कहा कि बिहार सरकार बहुत तत्परता से काम कर रही है। घटना के खिलाफ अपराधियों को पकड़ा जाता है और उनपर कार्रवाई की जाती है। आए दिन इस तरह की घटना होती है। बिहार की आबादी 13-14 करोड़ है, कहीं ना कहीं कुछ होता रहता है।

शराबबंदी माफिया से मिले हुए

वहीं बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कहा कि जो लोग शराब खोलकर राजस्व बढ़ाने की बात करते है उन्हें सोचना चाहिए। लोग कोठे पर जाकर भी पैसे कमा लेते हैं। क्या समाज को बिगाडकर और सबकुछ खराब कर बिहार की विकास कर सकते हैं। कभी ये नहीं सोचते कि बिहार के माहौल को ठीक कर बिहार में निवेश और विकास की बात करें। ऐसी बात बोलने वालों का नैतिक पतन हो गया है। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने नाराजगी जताते हुए कहा कि जो लोग शराब खोलने की मांग कर रहे हैं, उनकी शराब माफिया से मिलीभगत है।

फिल्म कॉन्क्लेव में जुटे एक्टर-एक्ट्रेस, डॉयरेक्टर-प्रोड्यूसर: एनएसडी-एफटीटीआई पासआउट स्टूडेंट्स को मिलेगी छात्रवृत्ति

पटना. पटना में फिल्म कॉन्क्लेव का आयोजन किया जा रहा। पटना के ताज होटल में होने वाला फिल्म कॉन्क्लेव बिहार में नई फिल्म नीति बनने के बाद पहला कॉन्क्लेव है। इस कॉन्क्लेव में एक्टर-एक्ट्रेस के साथ डॉयरेक्टर-प्रोड्यूसर भी भाग ले रहे हैं। सभी को बिहार की फिल्म नीति के बारे में जानकारी दी जा रही है। कला संस्कृति मंत्री विजय सिन्हा कॉन्क्लेव की शुरूआत की। इस मौके पर सांसद और अभिनेता मनोज तिवारी ने चिट्ठी आयी है गीत गाया। तो वहीं सुपरस्टार रवि किशन ने कहा कि इतने नेता लोग का बात सुने, लेकिन इतना अच्छा कभी नहीं लगा। मैं डिप्टी सीएम विजय सिन्हा से बहुत प्रभावित हूं।

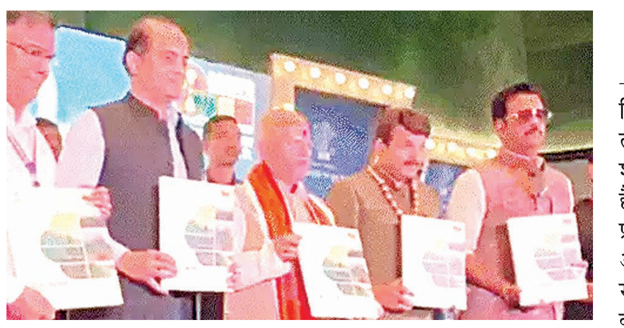

बिहार को सजाने में आपकी बड़ी भूमिका हो

होटल ताज में आयोजित कार्यक्रम में विजय सिन्हा ने कहा कि हम उस बिहार के माटी से निकले हुए लाल हैं, जिसने देश को अखंड भारत का सौभाग्य दिया। यहीं बिहार हैं जो लोकतंत्र की भूमि है। हम उस इतिहास के पन्नो में जाना नहीं चाहते, लेकिन मैं 21 सदी को ये याद दिलाना चाहता हूं और हर क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहता हूं। जन्में बिहार के सभी कलाकारों को इसलिए बुलाया हैं क्योंकि अवसर और मौसम दोनों आपके अनुकूल है। बिहार में डबल इंजन की सरकार है। आप सभी आये हैं और हम चाहेंगे कि बिहार को सजाने में आपकी बड़ी भूमिका हो। बिहार की इस धरती के बारे में और क्या-क्या कहे। यही वो धरती है, जिससे भारत की इतिहास शुरू होती है। डिप्टी सीएम ने कहा कि ये लोग मेरे परिवार के लोग हैं और इनके साथ हम आज संवाद करेंगे, ताकि बिहार की संस्कृति और इतिहास को हम उत्साह के साथ आगे बढ़ाये। कलाकारों को विजय सिन्हा ने कहा कि आप हमारा साथ दें। बिहार सरकार आपको सम्मान देगी। आपलोग जादूगर हैं। आप लोग छोटे से जगह को भी बड़ा बनाकर भीड़ जुटा सकते हैं। फ़िल्म नीति में जो अच्छी बातें हैं उसमें बेहतर हम क्या कर सकते हैं इस पर हम काम कर रहे हैं। हम फ़िल्मों के लिए चार करोड़ रुपए के अनुदान की राशि उपलब्ध करायेंगे। राज्य की कहानी पर कथा पर बनने वाली फ़िल्मों को विशेष राशि उपलब्ध करायेंगे। बिहार सरकार बिहार के कलाकारों के साथ है। आप कदम बढ़ाये हर कदम पर सरकार आपके साथ है। हर धर्म जाति के लोगों को आगे बढ़ाया जाएगा।

बिहार सरकार देगी 4 करोड़ रुपए की सब्सिडी

बिहार के फिल्म प्रोत्साहन नीति के तहत अगर कोई बिहार में फिल्म की शूटिंग करता है और फिल्म बनाता है तो उसे 4 करोड़ रुपए की राशि प्रोत्साहन के तौर पर दी जाएगी। वहीं अगर कोई निर्माता बिहार में बिहार के स्थानीय कलाकारों को लेकर फिल्म का निर्माण करता है तो उसे अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। बिहार सरकार की कोशिश है कि फिल्म निर्माण के साथ बिहार में ज्यादा से ज्यादा रोजगार के अवसर पैदा हो।

नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा की तर्ज पर संस्थान बनाने की तैयारी

बिहार में फिल्म निर्माण को बढ़ावा देने के लिए कला संस्कृति विभाग और राज्य सरकार ने कई बड़े फैसले लिए हैं। नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा की तर्ज पर बिहार में भी एक संस्थान खोलने की तैयारी की गई है, जहां इस संस्थान में बिहार के कलाकारों को बेहतर ट्रेनिंग और कला सिखाया जा सके।

अफेयर में हुई 75-65 साल के दंपती की हत्या: पटना में 35 साल के प्रेमी के साथ मिलकर पति को मारा फिर प्रेमी ने महिला को

पटना. पटना के पाटलिपुत्र थाने के पास एनके श्रीवास्तव (75) और उनकी पत्नी सुजाता देवी (61) की हत्या का खुलासा हो गया है। एसएसपी पटना राजीव मिश्रा ने बताया है कि 'अवैध संबंध में दोनों की हत्या हुई थी। महिला का प्रेमी (34) नालंदा से उससे मिलने आया था। पति ने दोनों को साथ में आपत्तिजनक हालत में देख लिया था। इसके बाद पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी। प्रेमी डर गया था, इसलिए उसने सुजाता देवी की भी हत्या कर दी। इसके बाद वो वहां से भाग निकला। पुलिस सीसीटीवी के जरिए आरोपी तक पहुंची।

किराने की दुकान चलाता था प्रेमी

पटना एसएसपी ने बताया कि 'आरोपी अमित उर्फ टिंकू हिलसा नालंदा का रहने वाला है। वर्तमान में राजीव नगर में घर बनाकर रह रहा था। घटना वाले दिन महिला ने सुबह टिंकू को पास कॉल किया था। इसके बाद वो सुबह 10:30 बजे के करीब महिला से मिलने उनके घर पर पहुंचा।'

प्रेमी ने मुंह पर तकिया रखा, पत्नी ने सीने में चाकू मारा

एसएसपी ने बताया कि 'पूछताछ में आरोपी ने अवैध संबंध की बात कबूल की है। पति ने दोनों को रंगे हाथ पकड़ लिया था, इस वजह से राज छिपाने के लिए दोनों ने पहले मिलकर पति की हत्या की। अमित ने पति के मुंह पर तकिया रखा और पत्नी ने सीने में चाकू मार दिया। जिसके बाद पति की मौत हो गई। जब महिला चाकू साफ करने के लिए किचन में गई तो उसी दौरान पीछे से मुंह हाथ से दबाकर चाकू से उसका गला काट दिया। इसके बाद महिला जब फर्श पर गिर गई तो वहां रखे मूसल से भी अमित ने सिर पर वार किया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।' एसएसपी ने बताया कि 'हत्या करने के बाद अमित को जो कुछ भी दिखा उसने उसे रख लिया। हत्या करने के बाद महिला के हाथ से दो कंगन और अंगूठी निकाल ली। अलमीरा से चांदी की कुछ कटोरियां और मोबाइल लेकर वो वहां से निकल गया। उसे गिरवी रखकर ज्वेलरी दुकानदार से आरोपी ने 1 लाख रुपए लिए थे।

परिवहन विभाग ने चलाया वाहन जांच अभियान: अररिया में 400 लोगों से राजस्व की वसूली

अररिया. अररिया जिला परिवहन पदाधिकारी ने सड़क सुरक्षा व जिले में बिना हेलमेट वाहन चालकों के हो रही मृत्यु दर में कमी लाने को लेकर अभियान चलाया है। जिले के नरपतगंज कुसियारगांव गांव पार्क संहिता अन्य जगहों पर बिना हेलमेट, सीट बेल्ट और ओवरलोडिंग वाहनों के खिलाफ सघन चेकिंग अभियान चलाया। जिले में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ स्थानीय पुलिस व परिवहन विभाग लगातार अभियान चला रहा है। 400 लोगों से राजस्व की वसूली हुई है। बता दें कि पिछले कुछ समय से जिले में लगातार अभियान चलाया जा रहा है। वाहन चेकिंग अभियान चलाया जाता है तो दोपहिया वाहन पर हेलमेट व ट्रिपल लोडिंग पर विशेष फोकस किया जाता है। बिना हेलमेट के वाहन चलाने वाले पर जुर्माना लगाया जाता है। ट्रिपल लोडिंग वालों को भी पुलिस हिरासत में ले लेती है। जिले में कार ड्राइविंग करते समय कई लोग सीट बेल्ट नहीं बांधते है। यहां के लोग कार चलाने के लिए बेल्ट बांधना पड़ता है यह नहीं जानते। अधिकांश कार ड्राइविंग करने वाले लोग वगैर बेल्ट बांधे ही गाड़ी ड्राइव करते हैं। ऐसे में दुर्घटनाओं की संभावना काफी प्रबल रहती है। शहर में नगर परिषद ने कई जगहों पर पार्किंग जोन बना रखा है। लेकिन, वाहन चालक यत्र-तत्र गाड़ी खड़ी करने से बाज नहीं आते। इससे जहां दुर्घटना की संभावनाएं प्रबल होती है। जाम की समस्या भी उत्पन्न होती है। जिला परिवहन पदाधिकारी ने बताया कि अधिकांश लोग बिना हेलमेट व सीट बेल्ट के वाहन चला रहे हैं।

गिरिराज बोले-पहले 3000 मस्जिद थी अब 20 लाख: त्रिशूल रखकर हिन्दू स्वाभिमान यात्रा को किया संबोधित, पप्पू यादव ने कहा-माहौल बिगड़ा तो लाश से गुजरना होगा

भागलपुर. केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने शुक्रवार को हिंदू स्वाभिमान यात्रा की शुरुआत की। इससे पहले उन्होंने भागलपुर के बूढ़ानाथ मंदिर में पूजा की।इस दौरान मंदिर के बाहर बड़ी संख्या में उनके समर्थक भगवा रंग में रंगे दिखाई दिए। सभी बूढ़ानाथ मंदिर से कलश भरकर जिला स्कूल के लिए पैदल रवाना हुए। वहां से यात्रा खलीफाबाग चौक के लिए निकल गई। हिन्दू स्वाभिमान यात्रा को संबोधित करते हुए गिरिराज सिंह ने कहा कि 'आप लोग देख लें कि हिन्दू किस देश में हैं। पाकिस्तान में ही नहीं रहे. हमारे भाई बंट गए. बांग्लादेश भी गए, वहां भी नहीं बचे। यह क्या हो गया? मैं आपसे प्रार्थना करने आया हूं। हमारे मंदिर टूट गए। हमारी बेटियां लुट गईं, अब हम 70 प्रतिशत पर आ गए हैं। पहले जहां 3000 मस्जिद थी अब 20 लाख हो गई हैं। यह यात्रा धर्म की रक्षा के लिए है। धर्म की रक्षा करेंगे तो धर्म भी हमारी रक्षा करता है।' इधर, गिरिराज सिंह की यात्रा पर पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि 'अगर कोसी और सीमांचल का अमन एवं सौहार्द बिगाड़ने की

कोशिश की गई, तो गिरिराज को उनकी लाश से होकर गुजरना होगा।'

गिरिराज ने पूछा- दुर्गा पूजा के लिए किसी की परमिशन लेनी पड़ेगी

गिरिराज सिंह ने कहा कि 'क्या दुर्गा पूजा के आयोजन के लिए परमिशन लेनी पड़ेगी, रूट जानना पड़ेगा, क्या इसी के लिए देश का बंटवारा हुआ था या फिर यह सोची समझी साजिश है। जब बांग्लादेश में मंदिरों को तोड़ दिया जाता है तब किसी का नींद नहीं खुलती है। जब कोई यात्रा वोट बटोरने के लिए निकलता हो तो तब तो कोई नहीं बोलता है कि आखिर क्यों निकाल रहे हैं। वहीं कोई मुसलमान को इकट्ठा करने के लिए यात्रा निकालता है तो किसी को पेट में दर्द नहीं होता है। यात्रा में 5,000 से ज्यादा महिलाएं शामिल हैं। पहले चरण में यह यात्रा भागलपुर से शुरू होकर कटिहार, पूर्णिया, अररिया और 22 अक्टूबर को किशनगंज पहुंचकर खत्म होगी। कमेटी की तरफ से 10,000 लोगों के लिए जिला स्कूल में व्यवस्था की गई थी। कुर्सी-टेबल के अलावा टेंट लगाए गए। पानी की व्यवस्था की गई है। नगर भ्रमण करने के बाद नवगछिया के रास्ते अन्य जिलों में यात्रा जाएगी। सुरक्षा व्यवस्था की जिला प्रशासन ने व्यवस्था कर रखी है। जगह-जगह बैरिकेडिंग के साथ पुलिस जवान की तैनाती कर दी गई है। यात्रा की लगातार मॉनिटरिंग सिटी एसपी, समेत डीएसपी विधि व्यवस्था, डीएसपी और कई अधिकारी कर रहे हैं। इस यात्रा में न सिर्फ आम लोगों की भीड़ है बल्कि, कई भाजपा नेता भी शामिल हैं।

पानी भरे गड्ढे से मिला युवती का शव:जमुई में हत्या कर फेंकने की आशंका

जमुई. जमुई के मोहनपुर थाना क्षेत्र के बांझी कुसुम स्थित बहियार के पास पानी भर गड्ढे से पुलिस ने एक 30 वर्षीय अज्ञात युवती का शव बरामद किया है। जिसे पोस्मार्टम के लिए पहले सदर अस्पताल लाया गया। लेकिन शव की हालत क्षत विक्षत होने के कारण उसे फोरेंसिक जांच के लिए भागलपुर भेज दिया गया है। पुलिस को आशंका है कि युवती की हत्या कर शव को छिपाने के लिए पानी भरे गड्ढे में फेंक दिया गया। हालांकि पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।बताया जाता है कि मोहनपुर थाने की पुलिस को स्थानीय लोगों ने सूचना दी कि थाना क्षेत्र के बांझी कुसुम बहियार के पानी भरे एक गड्ढे में एक युवती का शव पड़ा है। सूचना के बाद अवर निरीक्षक कविता कुमारी अपने दलबल के साथ घटना स्थल पर पहुंची, तो देखा की बांझी कुसुम बहियार स्थित पानी भरे गड्ढे में एक महिला का शव पड़ा है। जिसका चेहरा और शरीर पानी के कारण पूरी तरह से फूल चुका था। करीब से देखा तो पता चला कि मृतक के हाथ के कलाई पर गोदना गोदा हुआ है। साथ ही हाथ में शंखा-पोला पहने हुए है। लाल और ब्लू रंग का कपड़ा पहने हुए है।

सड़क किनारे मिला युवक का शव, हत्या की आशंका

मधेपुरा. मधेपुरा के ग्वालपाड़ा थाना क्षेत्र में श्याम दरगाह से 200 मीटर पश्चिम शुक्रवार को एक युवक का शव मिला है। सड़क किनारे युवक का शव मिलने से इलाके में दहशत का माहौल है। घटना की सूचना पर पहुंची ग्वालपाड़ा थाने की पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मधेपुरा सदर अस्पताल भेज दिया। मृतक की पहचान मुरलीगंज थाना क्षेत्र के बेलो चामगढ़ निवासी सुबोध मंडल के बेटे अमरनाथ मंडल (35) के रूप में हुई है। मृतक के परिजन हत्या की आशंका जता रहे हैं। सिर और चेहरे पर चोट के निशान है। मृतक की बहन कंचन देवी ने बताया कि गुरुवार की दोपहर करीब दो बजे अमरनाथ मुझे ससुराल छोड़ने के लिए सिमराही जा रहा था। मधेपुरा में भाई के मोबाइल पर एक फोन आया। जिसके बाद उसने मुझे बस पर बैठा दिया और कहा कि तुम इसी से चली जाओ। मुझे पहाड़पुर से फोन आया है, वहीं जा रहे हैं। वह पहाड़पुर चला गया। मैं भी अपने ससुराल चली गई। शाम में पापा से अमरनाथ की बात हुई तो बताया कि पहाड़पुर में अपने दोस्त संतोष के घर पर हैं, सुबह में आएंगे। उसके दोस्त का फोन अभी बंद है।

समस्तीपुर में मुख्यमंत्री सेतु योजना के तहत बनेंगे 40 पुलः हर विधानसभा से 4-4 पुल का प्रस्ताव, बीस सूत्री की बैठक में श्रवण कुमार ने लिया फैसला

समस्तीपुर. समस्तीपुर जिला बीस सूत्री की बैठक शुक्रवार को जिला प्रभारी मंत्री श्रवण कुमार की अध्यक्षता में हुई। इस बैठक में समस्तीपुर के दसों विधानसभा क्षेत्र में मुख्यमंत्री सेतु योजना के तहत चार-चार कुल 40 पुल बनाने का प्रस्ताव लिया गया। जिला प्रभारी मंत्री ने कहा कि सदस्यों ने पुल बनाने का प्रस्ताव दिया है। इस पर जल्द ही मंजूरी दिलाकर और राशि उपलब्ध करा कर निर्माण काम को शुरू किया जाएगा। ताकि लोगों को आने-जाने में सुविधा हो। इसके साथ ही सदस्यों द्वारा मुख्यमंत्री सड़क संपर्क योजना

के तहत भी प्रस्ताव लिए गए हैं इस प्रस्ताव में वैसे गांव को शामिल किया गया है जो पूर्व से सड़क विहीन है। प्रस्ताव पर जल्द ही अनुमोदन कराकर सड़क का निर्माण कराया जाएगा। जिससे जिले के सुदूर इलाके में लोगों को यातायात सुलभ हो सके।

हाजीपुर महनार पथ पर सदस्यों ने किया हंगामा

बीस सूत्री की बैठक के दौरान सदस्य उपेंद्र कुशवाहा ने महनार बछवारा पथ पर सड़क निर्माण के दौरान रोड़ के बगल में स्थित शनिदेव मंदिर को हटा दिया, जबकि इसी पथ पर सड़क के बीचोंबीच मजार को अब तक नहीं हटाया गया है। सदस्य ने दोनों धर्म के लोगों के लिए सामान्य तरीका अपनाने का आह्वान किया। इस पर प्रभारी मंत्री ने कहा कि पूरे मामले की जांच कर कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

जाम की समस्या पर सदस्यों ने उठाए सवाल

बीस सूत्री की बैठक में सदस्यों ने समस्तीपुर में रोज लगने वाले जाम की समस्या को उठाया। इस पर मंत्री ने जिला प्रशासन से उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। इसके साथ ही स्थानीय विधायक अख्तरुल इस्लाम शाहीन ने समस्तीपुर शहर के बीचों-बीच से गुजरने वाली बूढ़ी गंडक नदी पर बने पुराने लचका पुल की जगह दूसरा पुल बनाने का भी मुद्दा उठाया गया। जिस पर मंत्री ने सरकार के पास बात को रखने की बात कही गई। इस बैठक में इससे पूर्व डीएम रोशन कुशवाहा ने आगत अतिथियों का स्वागत किया। बैठक के दौरान समस्तीपुर के राजद विधायक अख्तरुल इस्लाम शाहीन, विभूतिपुर के विधायक अजय कुमार, वारिसनगर के विधायक मुन्ना, मोरवा के विधायक, रोसरा विधायक वीरेंद्र कुमार, मोहिउद्दीन नगर के विधायक राजेश कुमार आदि उपस्थित थे।

यूपी सरकार ने की एक दीया प्रभु श्रीराम के नाम योजना तैयार

लखनऊ,(ईएमएस)। यूपी के अयोध्या में बने राम मंदिर के लोकार्पण के बाद होने वाले पहले दीपोत्सव पर नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने की तैयारी चल रही है। वहीं, अयोध्या से दूर बैठे रामलला के भक्तों को भी इस दीपोत्सव में शामिल होने का मौका मिलेगा। अयोध्या विकास प्राधिकरण ने एक दीया प्रभु श्रीराम के नाम योजना तैयार की है, जिसके जरिए घर बैठे श्रद्धालु भी दीपोत्सव में दीया जला सकेंगे। लोग दीये की बुकिंग करने के लिए ऑनलाइन दान कर सकेंगे, उसके बाद प्रसाद उनके घर भेजा जाएगा। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद 30 अक्टूबर को होने वाले आठवें दीपोत्सव को भव्य बनाने में यूपी सरकार कोई कसर नहीं छोड़ रही है। यूपी सरकार ने दूर बैठे रामलला के भक्तों को इस आयोजन से जोड़ने की योजना तैयार की है। योजना के लिए एक लिंक भी शेयर किया गया है। इस लिंक के जरिए दीपोत्सव के लिए दीये की बुकिंग की जा सकती है। ऑनलाइन दीपदान की ये योजना पिछले साल शुरू की गई थी लेकिन अनुमान है कि इस बार बहुत बड़ी तादाद में लोग इसके जरिए अयोध्या दीपोत्सव से जुड़ेंगे। प्रसाद को तैयार करने की जिम्मेदारी यूपी राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन को दी है। इससे आजीविका मिशन से जुड़े लोगों को रोजगार मिलेगा, जिसमें बड़ी संख्या महिलाओं की है। अयोध्या विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष ने बताया कि इस कार्यक्रम के द्वारा देश-विदेश में बैठे श्रद्धालु ऑनलाइन अपनी स्वेच्छानुसार राशि दान स्वरुप दे सकते हैं।

गोवा में धान की खेती को बढ़ावा देने किसानों को रियायतें दे रही राज्य सरकार

पणजी (ईएमएस)। गोवा में किसानों के लिए धान की खेती को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार ने कई उपाय लागू किए हैं। राज्य के एक कृषि अधिकारी ने बताया कि अब 23,000 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में धान की खेती की जाती है। 10,000-12,000 किसान सक्रिय रूप से इसकी खेती में लगे हुए हैं। हालांकि उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन, बढ़ती श्रम लागत तथा कुछ अन्य कारक राज्य के धान उत्पादकों के लिए बड़ी चुनौती पेश कर रहे हैं। अधिकारी ने बताया कि अधिक किसानों को धान की खेती के लिए प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार ने इस फसल के लिए सब्सिडी तथा सुनिश्चित न्यूनतम मूल्य की पेशकश करते हुए विभिन्न योजनाएं शुरू की हैं। गोवा एकमात्र ऐसा राज्य है जो सामुदायिक खेती से जुड़ी पहल के तहत प्रति हेक्टेयर 2.5 लाख रुपये का वित्तीय लाभ देता है। उन्होंने कहा कि बीज खरीदने के लिए 50 प्रतिशत सब्सिडी दी जाती है, जबकि खरपतवार हटाने के लिए 15,000 रुपये प्रति हेक्टेयर मंजूर किए गए हैं।

उमर मंत्रिमंडल में विभागों का हुआ बंटवारा, उपराज्यपाल ने उमर मंत्रिमंडल के मंत्रियों को सौंपे विभाग

श्रीनगर,(ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल ने सीएम उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल में शामिल नए मंत्रियों को विभागों का आवंटन कर दिया है। उपराज्यपाल ने सीएम उमर के परामर्श पर विभागों के आवंटन के आदेश जारी कर दिए हैं। आदेश के मुताबिक उपमुख्यमंत्री सुरिंदर कुमार चौधरी लोक निर्माण (आरएंडबी), उद्योग एवं वाणिज्य, खनन, श्रम एवं रोजगार तथा कौशल विकास का प्रभार संभालेंगे। वहीं महिला मंत्री सकीना मसूद (इटू) को स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा और समाज कल्याण जैसे अहम विभागों का प्रभार सौंपा है। वह पूर्ववर्ती राज्य के सीएम के रूप में अब्दुल्ला के पहले कार्यकाल के दौरान समाज कल्याण मंत्री थीं। जावेद अहमद राणा को जल शक्ति, वन, पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण और जनजातीय मामलों के विभाग आवंटित किए गए हैं। जावेद अहमद डार कृषि उत्पादन, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज, सहकारिता और चुनाव मंत्री होंगे। सतीश शर्मा को खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले, परिवहन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, सूचना प्रौद्योगिकी, युवा सेवाएं एवं खेल और प्रशासनिक सुधार, निरीक्षण, प्रशिक्षण एवं शिकायत विभाग (एआरआई) एवं प्रशिक्षण का प्रभार दिय है। आदेश में कहा गया है कि किसी भी मंत्री को आवंटित नहीं किए गए अन्य विभाग सीएम के पास ही रहेंगे।

उच्चतम न्यायालय ने 'ओटीटी', अन्य प्लेटफॉर्म के लिए ऑटोनोमस रेगुलेटरी बॉडी स्थापित करने संबंधी याचिका खारिज की

उच्चतम न्यायालय ने 'ओवर-द-टॉप' एवं अन्य मंचों पर सामग्री की निगरानी तथा वीडियो के नियमन के लिए एक स्वायत्त निकाय स्थापित करने का निर्देश देने के अनुरोध से संबंधित जनहित याचिका शुक्रवार को खारिज कर दी। ओवर-द-टॉप सीधे इंटरनेट के माध्यम से दर्शकों को प्रदान की जाने वाली मीडिया सेवा है। प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला एवं न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि इस तरह के मुद्दे कार्यपालिका के नीति निर्माण क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं और इसके लिए विभिन्न हितधारकों के साथ व्यापक परामर्श की आवश्यकता होती है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, जनहित याचिकाओं की यही समस्या है। सभी जनहित याचिकाएं अब नीतिगत (मामलों) पर दायर की जाती हैं और हम वास्तविक जनहित याचिकाओं को छोड़ देते हैं।'' जनहित याचिका दायर करने वाले वकील शशांक शेखर झा ने याचिका वापस लेने और अपनी शिकायतों को लेकर संबंधित केंद्रीय मंत्रालय से संपर्क करने की अनुमति देने का अनुरोध किया।
इस पर प्रधान न्यायाधीश ने कहा, नहीं, याचिका खारिज की जाती है।'' जनहित याचिका में इस तरह के नियामक तंत्र की आवश्यकता पर जोर देते हुए 'नेटफ्लिक्स' पर प्रसारित 'आईसी 814: द कंधार हाईजैक' सीरीज का भी उल्लेख किया गया है। हालांकि, ओटीटी प्लेटफॉर्म का दावा है कि यह सीरीज वास्तविक जीवन की घटनाओं पर आधारित है। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि इसके लिए एक वैधानिक फिल्म प्रमाणन निकाय – केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) मौजूद है, जिसे सिनेमैटोग्राफ अधिनियम के तहत फिल्मों के सार्वजनिक प्रदर्शन को विनियमित करने का काम सौंपा गया है। शीर्ष अदालत ने कहा कि सिनेमैटोग्राफ कानून सार्वजनिक स्थानों पर दिखाई जाने वाली व्यावसायिक फिल्मों के लिए एक सख्त प्रमाणन प्रक्रिया की रूपरेखा तैयार करता है। जनहित याचिका के अनुसार, ओटीटी' सामग्री की निगरानी / विनियमन के लिए ऐसा कोई निकाय उपलब्ध नहीं है और वे केवल स्व-नियमन से बंधे हैं जिन्हें ठीक से संकलित नहीं किया गया है और विवादास्पद सामग्री बिना किसी जांच तथा संतुलन के, बड़े पैमाने पर लोगों को दिखाई जाती है।'' जनहित याचिका में कहा गया है कि 40 से अधिक 'ओटीटी' और 'वीडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म' नागरिकों को भुगतान, विज्ञापन-समावेशी और मुफ्त सामग्री'' प्रदान कर रहे हैं और अनुच्छेद 19 में दिए गए अभिव्यक्ति के अधिकार का दुरुपयोग कर रहे हैं।

सद्गुरु के फाउंडेशन के खिलाफ बंधक बनाने का केस बंद: सुप्रीम कोर्ट बोला- लड़कियां बालिग, मर्जी से आश्रम में रह रहीं

नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने दो लड़कियों को बंधक बनाने के मामले में सद्गुरु जग्गी वासुदेव के ईशा फाउंडेशन के खिलाफ केस बंद कर दिया है। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने शुक्रवार को कहा कि मद्रास हाईकोर्ट का ऐसी याचिका पर जांच के आदेश देना सही नहीं था। आश्रम में पुलिस का छापा भी गलत था। कोर्ट ने कहा कि लड़कियों के पिता की याचिका गलत है, क्योंकि दोनों लड़कियां बालिग हैं, जब वे आश्रम में गईं तो उनकी उम्र 27 और 24 साल थी। वो अपनी मर्जी से आश्रम में रह रही हैं। कोर्ट ने यह भी कहा कि इस फैसले का असर सिर्फ इसी केस तक सीमित रहेगा।

ईशा फाउंडेशन के खिलाफ रिटायर्ड प्रोफेसर एस कामराज ने मद्रास हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। उनका आरोप था कि आश्रम में उनकी बेटियों लता और गीता को बंधक बनाकर रखा गया है। हाईकोर्ट ने 30 सितंबर को मामले के खिलाफ जांच करने और ईशा फाउंडेशन से जुड़े सभी क्रिमिनल केसों की डिटेल पेश करने का आदेश दिया था। अगले दिन 1 अक्टूबर को करीब 150 पुलिसकर्मी फाउंडेशन के हेडक्वार्टर पहुंचे थे। सद्गुरु ने हाईकोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने 3 अक्टूबर को मद्रास हाईकोर्ट के फाउंडेशन के खिलाफ पुलिस जांच के आदेश पर रोक लगाई थी।

कोर्ट रूम लाइव

पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु पुलिस से पुलिस जांच की स्टेटस रिपोर्ट पेश करने के लिए कहा था। आज तमिलनाडु पुलिस ने रिपोर्ट पेश की। सुप्रीम कोर्ट में ईशा फाउंडेशन की तरफ से मुकुल रोहतगी ने दलीलें पेश की। वहीं, तमिलनाडु सरकार का पक्ष सीनियर वकील सिद्धार्थ लूथरा ने रखीं। केंद्र सरकार की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलीलें दीं।
मुकुल रोहतगीः तमिलनाडु पुलिस की स्टेटस रिपोर्ट में लिखा है कि दोनों महिलाओं ने खुद की इच्छा से वहां रहने का फैसला किया है। दोनों महिलाओं ने भी कोर्ट को यही बताया है। ऐसे में केस को बंद कर देना चाहिए।
सिद्धार्थ लूथराः केस बंद करने के फैसले से पुलिस के जांच करने के अधिकार पर कोई फर्क नहीं पड़ना चाहिए।
मुकुल रोहतगीः जैसा सिद्धार्थ लथूरा कह रहे हैं, अगर कोर्ट ने वैसा कमेंट किया तो ईषा फाउंडेशन जैसी संस्था को निशाना बनाने वाले लोग इस कमेंट का दुरुपयोग करेंगे।
एसजी तुषार मेहताः रोहतगी की दलील का समर्थन करता हूं। एफआईआर में जो दर्शाया गया है, वह वास्तविकता से अलग है। सिद्धार्थ लथूरा जैसा कह रहे हैं, अगर कोर्ट वैसी कोई टिप्पणी करेगा, तो क्लिकबेट चलाने वाले मीडिया हाउस में गलत हेडलाइन छपेगी।
सिद्धार्थ लूथराः पुलिस छापे में पता चला है कि फाउंडेशन में कई नियमों का पालन नहीं किया गया। इंटरनल कमप्लेंट कमेटी का भी गठन नहीं किया गया है। एक्स-रे मशीन का लाइसेंस भी खत्म हो चुका है।
सीजेआई चंद्रचूड़ः यह स्पष्ट हो कि इस केस के बंद होने से फाउंडेशन के किसी अन्य मामले पर कोई असर नहीं हो।
कामराजः हमने याचिका तब लगाई थी, जब बेटियों ने कहा था कि वो आमरण अनशन करने जा रही हैं।
सीजेआई चंद्रचूड़ः माता-पिता को ऐसी याचिकाएं फाइल करने की बजाय अपने एडल्ट बच्चों का दिल जीतना चाहिए। गुस्सा कितना ही ज्यादा क्यों न हो, बेटियां एडल्ट हैं। हम उन पर अपने फैसले नहीं थोप सकते।
कामराजः आश्रम में रहने वालों की कंडिशन को लेकर जांच होनी चाहिए।
सीजेआई चंद्रचूड़ः अब मुझे संदेह हैं। कहीं आप किसी पॉलिटिकल पार्टी की तरफ से तो नहीं बोल रहे हैं।
एसजी तुषार मेहताः पिता का प्यार तो सिर्फ दिखावा है।
कामराजः हम बूढ़े हैं। मैं 70 साल का हूं। मेरी पत्नी 65 साल की है। हम रोज अखबार में मॉलेस्टेशन की खबरें देखते हैं। हमें अपनी बच्चियों के बारे में बुरे सपने आते हैं।
सीजेआई चंद्रचूड़ः आप वहां जाकर उनसे मिलिए, हम पुलिस नहीं भेजेंगे, पुलिस भेजने का सवाल ही नहीं उठता।
कामराज की बड़ी बेटी गीता ने इंग्लैंड की एक यूनिवर्सिटी से एम टेक किया है। उसे 2004 में उसी यूनिवर्सिटी में करीब 1 लाख रुपए के वेतन पर नौकरी मिली थी। उसने 2008 में अपने तलाक के बाद ईशा फाउंडेशन में योग क्लासेज में भाग लेना शुरू किया था। इसके बाद गीता की छोटी बहन लता भी उसके साथ ईशा फाउंडेशन में रहने लगी। दोनों बहनों ने अपना नाम बदल लिया और अब माता-पिता से मिलने से भी इनकार कर रही हैं।

जम्मू-कश्मीर को स्टेटहुड के प्रस्ताव को उमर कैबिनेट की मंजूरी: मुख्यमंत्री उमर पीएम मोदी से 2 दिन में मुलाकात कर ड्राफ्ट सौंपेंगे

श्रीनगरः जम्मू-कश्मीर के राज्य के दर्जे की बहाली के लिए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की कैबिनेट ने प्रस्ताव पास कर दिया है। गुरुवार को हुई कैबिनेट मीटिंग में यह फैसला लिया गया। सूत्रों के मुताबिक, उमर 2 दिन में दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे और उन्हें प्रस्ताव का ड्राफ्ट सौंपेंगे। उमर ने विधानसभा चुनाव के दौरान भी कहा था कि कैबिनेट की पहली मीटिंग में ही जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने के प्रस्ताव को मंजूर किया जाएगा। 16 अक्टूबर को सीएम पद की शपथ लेने के बाद अगले दिन ही उन्होंने प्रस्ताव पास किया। कैबिनेट की मीटिंग में डिप्टी सीएम सुरेंद्र चौधरी, मंत्री सकीना मसूद इटू, जावेद अहमद राणा, जाविद अहमद डार और सतीश शर्मा भी मौजूद थे।

दरअसल, केंद्र सरकार ने 5 अगस्त, 2019 को जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के साथ ही प्रदेश का पूर्ण राज्य का दर्जा खत्म करते हुए उसे दो यूनियन टेरिटरी (जम्मू-कश्मीर और लद्दाख) में बांट दिया था।

कैबिनेट से मंजूरी के बाद की कानूनी प्रक्रिया... 3 पॉइंट

- प्रस्ताव को उमर कैबिनेट से मंजूरी मिलने के बाद इसे उपराज्यपाल के माध्यम से केंद्र सरकार को भेजा जाएगा। आगे का निर्णय केंद्र सरकार को करना है। पूर्ण राज्य के दर्जे के लिए केंद्र सरकार ही जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम में बदलाव की प्रक्रिया कर सकती है।
- जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 के तहत जम्मू-कश्मीर राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में पुर्नगठित किया गया था। इसलिए पूर्ण राज्य के दर्जे के लिए संसद में एक कानून पारित कर पुनर्गठन अधिनियम में बदलाव करना होगा। यह बदलाव संविधान की धारा 3 और 4 के तहत होंगे।
- राज्य का दर्जा देने के लिए लोकसभा और राज्यसभा में नए कानूनी बदलावों का अनुमोदन जरूरी होगा, यानी संसद से इस प्रस्ताव को मंजूरी मिलना जरूरी है। मंजूरी के बाद इसे राष्ट्रपति के पास भेजा जाएगा। उनकी मंजूरी के बाद जिस दिन राष्ट्रपति इस कानूनी बदलाव की अधिसूचना जारी करेंगे, उसी तारीख से जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा मिल जाएगा।

पूर्ण राज्य का दर्जा के बाद जम्मू-कश्मीर में क्या-क्या बदलेगा?

- राज्य की विधानसभा को पब्लिक ऑर्डर यानी सार्वजनिक व्यवस्था और समवर्ती सूची के मामलों में कानून बनाने के अधिकार मिलेंगे।
- सरकार कोई वित्तीय बिल पेश करती है तो इसके लिए उसे उपराज्यपाल की मंजूरी लेने की जरूरत नहीं होगी।
- एंटी करप्शन ब्यूरो और अखिल भारतीय सेवाओं पर राज्य सरकार का पूरा नियंत्रण हो जाएगा। यानी राज्य में अधिकारियों की ट्रांसफर और पोस्टिंग राज्य की सरकार के हिसाब से होगी, उस पर उपराज्यपाल का नियंत्रण नहीं रहेगा।
- आर्टिकल 286, 287, 288 और 304 में बदलाव से व्यापार, टैक्स और वाणिज्य के मामलों में राज्य सरकार को सभी अधिकार हासिल हो जाएंगे।
- केंद्र शासित प्रदेश में विधायकों की संख्या के 10% मंत्री बनाए जा सकते हैं, राज्य का दर्जा बहाल होने से मंत्रियों की संख्या का यह बंधन भी खत्म हो जाएगा और विधायकों की संख्या के 15% तक विधायक मंत्री बनाए जा सकेंगे।
- इसके अलावा जेल के कैदियों की रिहाई और नेशनल कॉन्फ्रेंस के बाकी चुनावी वादे पूरे करने वाली योजनाओं को पूरा करने में राज्य सरकार को केंद्र से ज्यादा अधिकार हासिल होंगे।

जब कांग्रेस खतरे में आती है तो संविधान खतरे में होने का शोर मचाती है: पीएम मोदी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। कांग्रेस जनता को गुमराह करती है। उनकी सोच बांटो और राज करो की रही है। जब कांग्रेस खतरे में आती है तो वो संविधान खतरे में होने का शोर मचाती है। यह बात चंडीगढ़ में एनडीए के मुख्यमंत्रियों की बैठक में पीएम नरेंद्र मोदी ने कही। परिवारवाद के मुद्दे पर भी पीएम ने कांग्रेस को घेरा। उन्होंने कहा कि वहां एक घराना पार्टी तंत्र चलाना है।
पीएम मोदी ने मुख्यमंत्रियों से कहा कि हमने संविधान निर्माताओं की सोच को आगे रखा। संविधान की रक्षा का संकल्प जनता तक पहुंचाएंगे। भारत का संविधान सुरक्षित है। संविधान के खतरे में होने की बात कहने वाले खुद खतरे में रहते हैं। कांग्रेस पर हमला बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा कि इनकी आदत फूट डालो और राज करो की है। पीएम मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि आपातकाल लगाकर और राजीव गांधी शाहबानो मामले में संविधान को कुचलने का काम किया। पीएम मोदी ने धारा 370 समेत कई मुद्दों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पब्लिक सब देख रही है। कांग्रेस के बहकावे में, उनके फूट डालो-राज करो वाली नीति पर ध्यान देने की जरूरत नहीं है। हरियाणा चुनाव को लेकर मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने इस चुनाव में गुमराह करने की कोशिश की लेकिन बीजेपी का लोगों ने समर्थन किया।
हरियाणा में बीजेपी की लगातार तीसरी बार शानदार जीत से पार्टी पूरे जोश में है। अब उनकी निगाहें महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव पर है। यही वजह है कि बीजेपी ने आगामी चुनावों के मद्देनजर कांग्रेस को घेरने के लिए खास रणनीति तैयार की है। बीजेपी नेतृत्व ने तय किया है कि वो आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ मनाएगी, कैसे कांग्रेस ने संविधान की धज्जियां उड़ाई उसे लोगों के बीच लेकर जाएंगे।
बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बताया कि चंडीगढ़ में एनडीए के मुख्यमंत्रियों और उप-मुख्यमंत्रियों की बैठक हुई। इस बैठक में पीएम मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि शासन के माध्यम से लोगों की समस्याओं का समाधान होना चाहिए।

कर्नाटक उपचुनाव: कांग्रेस और बीजेपी-जद(एस) गठबंधन में सियासी हलचल बढ़ी

बेंगलुरु,(ईएमएस)। कर्नाटक में तीन विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव होना है। इसको लेकर सत्तारूढ़ कांग्रेस और विपक्षी बीजेपी-जद(एस) गठबंधन में सियासी हलचल तेज हो गई है। कर्नाटक के संदुर, चन्नापटना और शिगगांव विधानसत्रा क्षेत्रों में उपचुनाव होंगे। ये सीट ई तुकाराम, केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी और पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई के लोकसभा चुनाव जीतने और उसके बाद इस्तीफे देने के बाद खाली हुई थीं। किसी भी दल ने इन तीनों विधानसभा सीटों के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की है। हालांकि चन्नापटना में जद (एस) के उम्मीदवार को मैदान में उतारे जाने की संभावना है। अटकलें लगाई जा रही हैं कि जद (एस) के दूसरे नंबर के नेता और चन्नापटना से विधायक रहे कुमारस्वामी अपने बेटे निखिल कुमारस्वामी को इस सीट से चुनाव लड़वा सकते हैं।
बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने भी कहा कि चन्नापटना में एनडीए का उम्मीदवार चुनाव लड़ेगा। कुमारस्वामी ने कहा कि उन्होंने तीन निर्वाचन क्षेत्रों में उपचुनाव के लिए अपनी पार्टी नेताओं की बैठक बुलाई है। उन्होंने कहा कि हम चर्चा करेंगे कि तीनों सीटों पर हमारी (जद-एस) की भूमिका क्या होनी चाहिए। संदुर और शिगगांव में हमारी भूमिका भले ही कम हो लेकिन हर वोट मायने रखता है। चन्नापटना को लेकर कुमारस्वामी ने कहा कि उन्होंने बीजेपी नेताओं से इस पर चर्चा करने को कहा है।

कुमारस्वामी ने कहा कि दिल्ली में बीजेपी नेताओं ने फैसला मुझपर छोड़ते हुए कहा कि यह मेरा निर्वाचन क्षेत्र है और इसलिए, मुझे ही फैसला लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं जल्दबाजी में कोई फैसला नहीं लूंगा। मुझे तथ्यात्मक स्थिति और भविष्य के राजनीतिक घटनाक्रम हो देखना होगा। बोम्मई ने शिगगांव चुनाव पर चर्चा के लिए बेंगलुरु में बीजेपी संसदीय बोर्ड के सदस्य बीएस येदियुरप्पा से उनके आवास पर मुलाकात की। बाद में उन्होंने पत्रकारों से कहा कि येदियुरप्पा ने शिगगांव उपचुनाव पर चर्चा की।

चन्नापटना को लेकर बोम्मई ने कहा कि फैसला कुमारस्वामी और बीजेपी आलाकमान लेगा। बीजेपी सूत्रों ने बताया कि बीजेपी ने गंगावती के विधायक और खनन कारोबारी जी जनार्दन रेड्डी को चुनाव प्रभारी नियुक्त किया है। बीजेपी के एक पदाधिकारी ने कहा कि हमने कोई औपचारिक घोषणा नहीं की है, लेकिन उम्मीदवारों के नाम तय होने के बाद हम घोषणा करेंगे। बीजेपी और उसका सहयोगी जद (एस) 22 अक्टूबर को अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर सकते हैं और 23 या 24 अक्टूबर को चुनाव प्रभारी का फैसला किया जाएगा। कांग्रेस ने भी अभी तक अपने उम्मीदवार तय नहीं किए हैं। सूत्रों के मुताबिक, कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी एक-दो दिन में बैठक कर उम्मीदवारों पर चर्चा करेगी।

हैलोवीन पार्टी का विरोध, बीजेपी नेता के भी लगे पोस्टर, एफआईआर की मांग

इंदौर,(ईएमएस)। महात्मा गांधी मेमोरियल मेडिकल कॉलेज कैंपस स्थित किंग एडवर्ड मेडिकल स्कूल में हुई हैलोवीन पार्टी का विरोध थमता नहीं दिख रहा है। मेडिकल कॉलेज के शिक्षक और पूर्व छात्रों के दो संगठनों ने आयोजकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। बता दें रविवार को जैन सोशल ग्रुप ने हैलोवीन पार्टी मनाई थी। इसके लिए दीवारों पर लाल और काले रंगों से तरह-तरह के नारे लिखे गए और डरावनी चीजें दीवारों पर लटकाई गईं थीं। डॉक्टरों के संगठनों ने इंदौर के सरकारी महात्मा गांधी मेमोरियल मेडिकल कॉलेज कैंपस की करीब 150 साल पुरानी इमारत में आयोजित एक अनाधिकृत हैलोवीन पार्टी पर आपत्ति जताई है। शिकायत में दावा किया गया है कि स्थानीय संगठन जैन सोशल ग्रुप ने 13 अक्टूबर को किंग एडवर्ड मेडिकल स्कूल की इमारत में हैलोवीन पार्टी का आयोजन किया था। इसमें आरोप लगाया गया है कि 1878 में बनी इस ऐतिहासिक इमारत की दीवारों पर अश्लील तस्वीरें बनाई गई थीं और आपत्तिजनक नारे लिखे गए थे। बता दें कि कई देशों में हैलोवीन पार्टीज 31 अक्टूबर को पश्चिमी ईसाई पर्व ऑल हैलोज़ डे की पूर्व संध्या पर मनाया जाता है। यह उत्सव अक्सर डरावनी और अलौकिक थीम के इर्द-गिर्द केंद्रित होता है।

उत्तराखंड में पोस्ट ऑफिस से सैकड़ों लोगों के खाते से पैसे हो गए गायब

बागेश्वर,(ईएमएस)। उत्तराखंड के बागेश्वर जिले के सिमगढ़ी उप-डाकघर में करोड़ों की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। यहां 1500 से ज्यादा खाताधारकों की जीवनभर की जमा पूंजी गायब हो गई। यह घटना तब सामने आई जब खाताधारकों ने अपनी पासबुक ऑनलाइन चेक कराई। इस दौरान पता चला कि खातों से गायब है।
जानकारी के मुताबिक यह मामला तब सामने आया, जब पोस्टमास्टर फरार हो गया। खाताधारकों ने कमेड़ीदेवी पोस्ट ऑफिस पहुंचकर अपनी जमाराशि के बारे में जानकारी ली। बागेश्वर के सिमगढ़ी, मझेड़ा और आसपास के गांवों के सैकड़ों लोग अपनी पासबुक लेकर डाकघर पहुंचे थे। पोस्ट ऑफिस में जब लोगों ने अपनी पासबुक देखी तो उसमें तो लाखों रुपए की जमा राशि थी, लेकिन जब ऑनलाइन चेक किया तो खातों में मामूली राशि ही दिखाई दे रही थी। इस दौरान 70 वर्षीय शारदा देवी ने चार साल में दो लाख रुपए जमा किए थे, लेकिन अब उनके खाते में मात्र दो हजार रुपए ही बचे। इसी तरह राकेश राठौर ने 12 लाख की फिक्स्ड डिपॉजिट की थी, उनके खाते में शून्य राशि दिखाई दे रही है। इस धोखाधड़ी की जानकारी मिलने पर ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। सूचना पुलिस को दी गई।
लोगों ने इस मामले को लेकर सीबीआई जांच की मांग की है। खाताधारकों का आरोप है कि उन्हें धोखे में रखा गया और उनकी मेहनत की कमाई को हड़प लिया। मामले को गंभीरता से लिया जा रहा है। सभी संबंधित अधिकारियों से पूछताछ की जा रही है। बागेश्वर के सिमगढ़ी उपडाकघर में हुई इस धोखाधड़ी को लेकर लोग परेशान हैं। अब पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पोस्टमास्टर की तलाश की जा रही है। खाताधारकों ने मांग की है कि उन्हें जल्द से जल्द न्याय मिले और उनके पैसे लौटाया जाए।

रतन टाटा की वसीयत को लेकर बड़ा खुलासा! इन लोगों पर होगी टाटा की अंतिम इच्छाएं पूरी करने की जिम्मेदारी

टाटा ग्रुप के पूर्व चेयरमैन रतन टाटा का हाल ही में मुंबई में 86 वर्ष की उम्र में निधन हो गया, और वह अपने पीछे लगभग 7,900 करोड़ रुपये की संपत्ति छोड़ गए हैं। उनके निधन के बाद से ही ये सवाल उठ रहा है कि उनकी उनकी संपत्ति का वारिस कौन होगा? हालांकि, उनके निधन के बाद उनके सौतेले भाई नोएल टाटा को टाटा ट्रस्ट्स का नया चेयरमैन बनाया गया है, जो टाटा संस में 66% हिस्सेदारी रखते हैं। क्योंकी रतन टाटा ने शादी नहीं की, इसलिए उनकी संपत्ति के उत्तराधिकारी को लेकर सवाल उठ रहे हैं, जिसका जल्द खुलासा होने की उम्मीद है।
रिपोर्ट के मुताबिक, रतन टाटा ने अपनी वसीयत को एग्जीक्यूट करने के रूप में वकील दरियस खंबाटा और अपने लंबे समय से सहयोगी मेहली मिस्त्री को नामित किया था। इसके अलावा, उनकी सौतेली बहनें, शिरीन और दीआना जेजीभॉय को भी उनकी अंतिम इच्छाओं को पूरा करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2024 के मुताबिक, रतन टाटा के पास टाटा संस में 0.83% हिस्सेदारी थी, और उनकी कुल संपत्ति 7,900 करोड़ रुपये थी। रतन टाटा ने अपनी संपत्ति का एक बड़ा हिस्सा दान और समाज के कल्याण के लिए समर्पित करने की इच्छा जताई थी। उनकी संपत्ति का एक बड़ा हिस्सा—लगभग 75 प्रतिशत—टाटा संस के शेयरों से जुड़ा था। इसके अलावा, उन्होंने ओला, पेटीएम, फस्ट क्राई, ब्लू स्टोन और अर्बन कंपनी जैसी करीब दो दर्जन कंपनियों में निवेश किया था। समय के साथ, टाटाने इनमें से कुछ निवेशों से बाहर निकले। उनके पास मुंबई के कोलाबा में एक घर और अलीबाग में एक हॉलिडे होम भी था।

जानें रतन टाटा की वसीयत के एग्जीक्यूटर के बारे में

रतन टाटा के करीबी दोस्त मेहली मिस्त्री, सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट के बोर्ड पर बतौर ट्रस्टी सेवाएं दे रहे हैं। ये ट्रस्ट्स मिलकर टाटा संस का लगभग 52% हिस्सा रखते हैं, जबकि टाटा ट्रस्ट कुल मिलाकर कंपनी के 66% हिस्से के मालिक हैं। टाटा सन्स की ग्रुप की लिस्टेड कंपनियों में होल्डिंग्स की मार्केट वैल्यू करीब 16.71 ट्रिलियन आंकी गई है।

रतन टाटा की सौतेली बहनें, शीरीन और दीना जीजीभॉय, सूनू टाटा की दूसरी शादी से सर जमशेटजी जीजीभॉय की बेटियां हैं। दोनों बहनें समाजसेवा और परोपकार में काफी एक्टिव रही हैं। खासकर दीना ने 1990 के दशक और 2000 के शुरुआती सालों में रतन टाटा ट्रस्ट के बोर्ड में ट्रस्टी के रूप में काम किया था। रतन टाटा का अपनी इन छोटी बहनों से बहुत क्लोज बॉन्ड था।

रतन टाटा की वसीयत तैयार करने में डेरियस खंबाटा का अहम योगदान माना जा रहा है। खंबाटा, जो पिछले साल दोबारा टाटा ट्रस्ट्स के मुख्य ट्रस्टी बने थे, ने 2016 में प्रोफेशनल कमिटमेंट्स के कारण इस्तीफा दे दिया था और सात साल बाद अपनी जगह पर लौटे। एक बिजनेस डेली के मुताबिक, खंबाटा के साथ सायरस मिस्त्री और जेजीभॉय पर रतन टाटा की अंतिम इच्छाओं को कानूनी रूप से पूरा करने की जिम्मेदारी है।

एसेट मैनेजमेंट में विल एग्जीक्यूटर की भूमिका

विल के एग्जीक्यूटर का एसेट मैनेजमेंट में मुख्य रोल यह होता है कि वे किसी भी अनअलोकेटेड एसेट्स को मैनेज कर सकते हैं, जब तक कि विल में कोई खास निर्देश न दिए गए हों। अगर कोई निर्देश नहीं होते, तो एसेट्स मृतक के पर्सनल लॉ के अनुसार डिवाइड किए जाते हैं। रतन टाटा की पर्सनल इन्वेस्टमेंट कंपनी, आरएनटी एसोसिएट्स प्राइवेट लिमिटेड, के इन्वेस्टमेंट्स की वैल्यू FY23 में 186 करोड़ रुपये थी।

सम्पादकीय

कोयलांचल संवाद 6

रांची, शनिवार, 19 अक्टूबर, 2024

www.koylanchalsamvad.com

हाथी के दांत की तरह दिखावे की होगी जम्मू कश्मीर की सरकार?

जम्मू कश्मीर में शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव संपन्न हुए हैं। इस बार मतदाताओं ने खुलकर मतदान किया है। जम्मू कश्मीर में उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व में निर्वाचित ने शपथ ले ली है। सरकार और उपराज्यपाल के अधिकार को लेकर सरकार बनने के साथ ही नई-नई चर्चाएं शुरू हो गई है। जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा खत्म हो गया है। जम्मू-कश्मीर अब केंद्र शासित प्रदेश है। केंद्र सरकार ने उपराज्यपाल के जो अधिकार बनाए दिए हैं। उसमें केंद्र शासित प्रदेश के उपराज्यपालों के हाथ में जो अधिकार होते हैं। निर्वाचित सरकार के पास पूर्व राज्य के अधिकार नहीं होते हैं। केन्द्र शासित प्रदेशों की निर्वाचित सरकारों को हर बात के लिए उपराज्यपाल की अनुमति लेनी होती है। जिस तरह की स्थिति दिल्ली में बनी हुई है। उसी तरीके की वर्तमान स्थिति जम्मू-कश्मीर की नव निर्वाचित राज्य सरकार की होगी। केंद्र सरकार ने जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल को पांच विधायकों के मनोनयन का अधिकार दिया है। जिन राज्यों में गैर भाजपा शासित राज्य सरकार होती हैं। वहां के उपराज्यपाल निर्वाचित सरकार को वह काम नहीं करने देते हैं, जो वहां की सरकार चाहती है। जिन राज्यों में गैर भाजपाई सरकारें होती हैं। वहां के राज्यपाल निर्वाचित सरकारों के कामकाज में अडंगा लगाते है। विधानसभा से जो बिल पास होते हैं। उनकी स्वीकृति नहीं देते है। राज्य सरकारों के कामकाज पर राज्यपाल अड़ंगा लगाते है। जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 को लेकर केंद्र और राज्य के बीच में विवाद की स्थिति बनी हुई है। 35ए की वजह से अन्य राज्यों के नागरिक जम्मू-कश्मीर मैं अचल संपत्ति नहीं खरीद सकते थे। धारा 370 को लेकर केंद्र एवं राज्य सरकार के बीच में जिस तरह से विवाद देखने को मिल रहे हैं। जब तक जम्मू कश्मीर विधानसभा को पूर्ण राज्य का दर्जा नहीं मिलेगा। तब तक यह विवाद जन्म लेते रहेंगे। पूर्ण राज्य का दर्जा देने के लिए केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में सहमति से है। जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा कब मिलेगा, यह कहना अभी मुश्किल है। जब तक जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा नहीं मिलेगा। तब तक जम्मू-कश्मीर में वास्तविक रूप से उपराज्यपाल का ही शासन होगा। निर्वाचित सरकार के मुख्यमंत्री ट्रांसफर पोस्टिंग भी नहीं कर पाएंगे। हर काम के लिए उन्हें उपराज्यपाल पर निर्भर रहना पड़ेगा। मुख्यमंत्री को किस तरह से उपराज्यपाल सहयोग करते हैं या उप राज्यपाल अपने हिसाब से काम करते हैं। उपराज्यपाल सरकार को भरोसे में लेकर काम करते हैं। इसका पता बाद में चलेगा। जम्मू-कश्मीर में सरकार किस तरह से सरकार चलेगी, या ठीक उसी तरीके से रोजाना विवाद होंगे, जैसे दिल्ली में हो रहे हैं। जम्मू-कश्मीर सीमावर्ती राज्य है। पाकिस्तान, चीन, बांग्लादेश की सीमाएं लगी हुई है। सीमावर्ती राज्य होने के कारण सुरक्षा बलों की भी पर्याप्त संख्या में तैनाती हैं। केन्द्रीय गृह मंत्रालय का भी हस्तक्षेप भी लगातार बना रहता है। ऐसी स्थिति में नई सरकार के भविष्य को लेकर तरह-तरह की आशंकाएं व्यक्त की जा रही हैं। राज्य में काफी लंबे समय के बाद निर्वाचित सरकार आई है। उसके बाद आशा की जा सकती है, कि उपराज्यपाल और राज्य सरकार मिलजुल कर काम करेगी। सीमावर्ती राज्य होने के कारण केंद्र सरकार भी संवेदनशीलता के साथ राज्य सरकार को विश्वास में लेते हुए निर्णय करेगी। केंद्र सरकार और राज्य सरकार के रिश्ते बेहतर होंगे। उप राज्यपाल बॉस की तरह नहीं एक संवैधानिक प्रमुख के रूप में काम करके राज्य सरकार के साथ अपने रिश्तों को मजबूत बनाएंगे। जिस तरह के विवाद रोजाना दिल्ली सरकार और वहाँ के उपराज्यपाल के बीच देखने को मिल रहे हैं। वह स्थिति जम्मू-कश्मीर में नहीं बनेगी। केन्द्र सरकार और राज्य सरकार वर्तमान स्थिति को देखते हुए समन्वय बनाकरकाम करेंगे। यह आशा की जा सकती है।

गठबंधन की मर्यादा में हीं शक्ति है

जब से देश में छोटे - छोटे अनेक क्षेत्रीय राजनीतिक दल उभर आये तब से राष्ट्रीय राजनीतिक दलों का स्वयं का वजूद कमजोर हो गया। स्वयं के बल पर सत्ता में आना या सत्ता का विरोध करना आसान नहीं रहा। इस तारह के हालात में गठबंधन मजबूरी भी हो गई एवं जरूरत भी। जिस किसी भी राजनीतिक दल ने स्वयं भू में आकर गठबंधन की मर्यादा को तोड़ा , नुकसान में हीं रहा। इतिहास साक्षी है, कि जब से देश में गठबंधन की राजनीति शुरू हुई तब से गठबंधन की मर्यादा मे छिपी शक्ति को नकार कर स्वयं के बल पर जिसने भी चुनावी समर में खड़ा होने की चेष्टा की, उसे सफलता कम ही हाथ लगी। इसका ताजा उदाहरण अभी हाल हीं हरियाणा में दो विधान सभा चुनाव में देखने को मिला जहां हरियाणा में चुनाव से पूर्व कांग्रेस एवं आप में गठबंधन होना था पर सवयं भू के चलते दोनों दलों के बीच गठबंधन न हो पाने के कारण कांग्रेस के पास आती सत्ता छिटक गई। जहां चुनाव पूर्व सत्ता पक्ष भाजपा की वापसी नजर नहीं आ रही थी, कांग्रेस आप में गठबंधन नहीं होने से भाजपा को सत्ता में आने का फिर से मौका मिल गया। कोई माने या नहीं माने कांग्रेस के वोटों में आप ने सेंघ लगा दी जिससे सत्ता के पास आती कांग्रेस सत्ता से दूर हो गई। जम्मू कश्मीर में गठबंधन की मर्यादा का सही ढ़ंग से पालन होने से सत्ता वहां के क्षेत्रीय दल के हाथ लगी।

देश में फिर दो विधान सभा चुनाव महाराष्ट्र एवं झारखंड में होने जा रहे है जहां क्षेत्रीय दलों का अपना प्रभुत्व है। वहां कोई भी दल एक दूसरे से कम नहीं। इस अहम भाव को छोडकर जो भी गठबंधन की मर्यादा का पालन ईमानदारी से करेगा, फायदे में रहेगा, जो मर्यादा को अहम में आकर तोड़ेगा, सहयोगी से छल करेगा, घाटे में रहेगा। आज समय बदल चुका हैं। देश की राजनीति गठबंधन पर निर्भर हो गई है जब कि कभी देश में एक ही राष्ट्रीय दल कांग्रेस का वजूद सर्वोपरि रहता। जिससे देश के हर कोने में कांग्रेस सत्ता में होती। फिर एक समय ऐसा आया देश के सभी अधिकांश राजनीतिक दल मिलकर कांग्रेस के खिलाफ चुनाव लड़े सफलता भी मिली पर गठबंधन की मर्यादा तोड़ने से कांग्रेस को फिर से राजनीतिक लाभ मिला। मंडल आयोग के उपरान्त देश में कई क्षेत्रीय राजनीतिक दल उभर आये जिनका आज भी अपने अपने राज्य में वजूद कायम है जिसे नकारा नहीं जा जा सकता। आज कांग्रेस की जगह भाजपा सत्ता में है पर उसे भी गठबंधन की जरूरत है। राज्य के विधान सभा चुनाव हो या देश के लोकसभाचुनाव आज उभरे क्षेत्रीय दलों की स्थानीय ताकत को नकारा नहीं जा सकता। देश में केन्द्र की सत्ता के खिलाफ गठबंधन की प्रक्रिया शुरू तो हुई पर पर साफ मन न होने, अपने को किसी से कम न समझने, क्षेत्रीय दलों की ताकत को सहीं ढ़ंग से नहीं जान पाने, या नकारने के चलते राजनीतिक लाभ नहीं मिल सका, जितना मिलना चाहिए। गठबंधन यदि करना है तो इसकी मर्यादा का भी पालन करना होगा। गठबंधन से जुड़े दलों की ताकत का भी घ्यान देना होगा तभी गठबंधन की राजनीति सफल होगी। गठबंधन की मर्यादा में छिपी ताकत को पहचान कर छल कल बल रहित जो गठबंधन की मर्यादा का सही ढ़ंग से पालन करेगा, राजनीतिक लाभ उसे ही मिलेगा।

जम्मू-कश्मीर में महका लोकतंत्रः सरकार से बड़ी उम्मीदें

> केंद्र शासित प्रदेश में एक दशक बाद हुए विधानसभा चुनाव में मतदाताओं का खासा उत्साह लोकतंत्र की बुनियाद को मजबूती दे रहा है। कहीं न कहीं जनता ने स्पष्ट संदेश भी दिया कि वे हिंसा, अस्थिरता, आतंकवाद व अलगाववाद से छुटकारा चाहते हैं। जाहिरा तौर पर नई सरकार के सामने व्यापक जनाकांक्षाओं को पूर्ण करने की चुनौती होगी। इसलिये जम्मू-कश्मीर में नई सरकार को व्यापक जनाकांक्षाओं को पूर्ण करते हुए बदली हुई शासन व्यवस्था के साथ भी साम्य स्थापित करना है। इस बात का अहसास उमर अब्दुल्ला को भी है कि शासन चलाने में अब पहले जैसी स्वतंत्रता नहीं होगी।

ललित गर्ग

आखिरकार जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र की धूप खिल ही गयी, पांच साल बाद केन्द्र शासित जम्मू-कश्मीर को निर्वाचित सरकार मिल गयी और नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली है। 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त किये जाने के बाद केन्द्र शासित प्रदेश में यह पहली चुनी हुई सरकार है, जो नई उम्मीदों के नये दौर का आगाज है। उमर अब्दुल्ला पहले भी एक बार मुख्यमंत्री रह चुके हैं, लेकिन उनकी यह पारी हर तरह से खास है। नई सरकार के मुखिया के तौर पर उमर अब्दुल्ला के सामने आम लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरने की कठिन चुनौती भी है। जनता ने विकास और शांति की आकांक्षा के साथ दिल खोलकर मतदान किया और अपनी उम्मीदों की सरकार चुनी है। घाटी में दशकों तक अब्दुल्ला परिवार के शासन के अनुभव के मद्देनजर घाटी के लोगों ने नेशनल कॉन्फ्रेंस पर भरोसा जताया। तमाम ऊहापोह, सुरक्षा चुनौतियों तथा विदेशी दखल की तमाम आशंकाओं को निर्मूल करते हुए जम्मू-कश्मीर के जनमानस ने स्पष्ट सरकार बनाने का जनादेश दिया है। इस भूमिका तक पहुंचाने में भारतीय जनता पार्टी एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयास महत्वपूर्ण रहे हैं। कश्मीर में विकास, पर्यटन में भारी वृद्धि, शांति एवं सौहार्द का वातावरण बनना ऐसे ही प्रयासों की सार्थक निष्पत्ति है। नई सरकार को विकास की चल रही योजनाओं को आगे बढ़ाते हुए आतंकमुक्त कश्मीर के संकल्प को मंजिल तक पहुंचाना होगा।

जम्मू एवं कश्मीर में लोकतांत्रिक सरकार का गठन अनेक दृष्टियों से न केवल राजनीतिक दशा-दिशा स्पष्ट करेगा बल्कि राज्य के उद्योग, पर्यटन, रोजगार, व्यापार, रक्षा, शांति आदि नीतियों तथा राज्य की पूरी जीवन शैली व भाईचारे की संस्कृति को प्रभावित करेगा। बहरहाल, ऐसे में नवनिर्वाचित सरकार और केंद्र का दायित्व है कि घाटी के लोगों ने जिस मजबूत लोकतंत्र की आकांक्षा जतायी है, उसे पूरा करने में भरपूर सहयोग करें। एक समय राज्य में मतदाता डर कर मतदान करने हेतु नहीं निकलते थे। मतदान का प्रतिशत बेहद कम रहता था। इस बार मतदाता निर्भीकता के साथ मतदान करने निकले। जनता ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने के संकल्प को सकारात्मक समर्थन दिया है। यद्यपि लोकसभा चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस को कामयाबी नहीं मिल पायी थी, लेकिन जनता ने उन्हें राज्य में सरकार चलाने का स्पष्ट जनादेश दिया है। वहीं दूसरी ओर, इस भारी मतदान व स्पष्ट बहुमत का एक निष्कर्ष यह भी है कि लोग घाटी में शांति और सुकून, अमन एवं विकास, सौहार्द एवं सद्भावना चाहते हैं। जम्मू-कश्मीर सरकार और केंद्र सरकार को मिलकर प्रयास करना होगा कि इस क्षेत्र में शांति कायम होने के साथ विकास की नई बयार चले। जिसमें आम नागरिक खुद को सुरक्षित अनुभव करते हुए राष्ट्रीय विकास की धारा के साथ-साथ कदमताल कर सके। निश्चित ही उमर के सामने चुनौतियां बड़ी हैं, आम लोगों को भी उनकी कठिनाइयों का अंदाजा है, वहीं खुद उमर ने भी व्यावहारिक नजरिया अपनाने का संकेत दिया है। चुनाव के दौरान अनुच्छेद 370 की वापसी की मांग पर कड़ा रुख अपनाने वाले उमर ने चुनाव नतीजे आने के बाद इस मसले पर अपना रुख नरम कर लिया। उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात ऐसे नहीं हैं, जिनमें इस मुद्दे पर जोर देने का किसी को कुछ फायदा होगा। उम्मीद बढ़ाने वाली बात यह भी है कि चुनावी कड़वाहट को पीछे छोड़ते हुए सभी पक्षों ने सहयोग का रुख अपनाने का संकेत दिया है। न केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने नई सरकार के साथ मिलकर काम करने का संकेत दिया है बल्कि खुद उमर ने भी उपराज्यपाल से टकराव की बजाय आपसी समझ एवं सकारात्मकता से शासन करने की मंशा जतायी है, जो जहां जम्मू-कश्मीर की जनता के हित में है वही उमर की राजनीतिक सूझबूझ, परिपक्वता एवं विवेक का परिचायक है। चाहे उपमुख्यमंत्री पद जम्मू संभाग से चुने गए विधायक सुरिंदर चौधरी को स्थान देने की बात हो या कांग्रेस के लिए कैबिनेट में स्थान खाली रखने की, उमर अब्दुल्ला यह संकेत दे रहे हैं कि वह सबको साथ लेकर चलना चाहते हैं। कांग्रेस ने फिलहाल सरकार को बाहर से समर्थन देने की बात कही है, लेकिन इसका कारण राज्य का दर्जा न मिलने को बताया है। उमर को हर कदम सावधानी से उठाने होंगे ताकि कोई भी स्थिति मंत्री पदों की संख्या का या इंडिया गठबंधन के घटक दलों में मतभेद एवं टकराव का न बन जाए। उमर के एक-एक फैसले पर कैबिनेट और उपराज्यपाल के अधिकार क्षेत्र का मसला सामने आ सकता है। ऐसे में देखना होगा कि इन सबके बीच जम्मू-कश्मीर की नई सरकार उमर के नेतृत्व में कितने सधे कदमों से आगे बढ़ती है। क्योंकि सरकार को अपना दायित्व इस बात को ध्यान में रखकर निभाना होगा कि केंद्रशासित प्रदेश में उपराज्यपाल के पास व्यापक अधिकार हैं।

केंद्र शासित प्रदेश में एक दशक बाद हुए विधानसभा चुनाव में मतदाताओं का खासा उत्साह लोकतंत्र की बुनियाद को मजबूती दे रहा है। कहीं न कहीं जनता ने स्पष्ट संदेश भी दिया कि वे हिंसा, अस्थिरता, आतंकवाद व अलगाववाद से छुटकारा चाहते हैं। जाहिरा तौर पर नई सरकार के सामने व्यापक जनाकांक्षाओं को पूर्ण करने की चुनौती होगी। इसलिये जम्मू-कश्मीर में नई सरकार को व्यापक जनाकांक्षाओं को पूर्ण करते हुए बदली हुई शासन व्यवस्था के साथ भी साम्य स्थापित करना है। इस बात का अहसास उमर अब्दुल्ला को भी है कि शासन चलाने में अब पहले जैसी स्वतंत्रता नहीं होगी। विश्वास किया जाना चाहिए कि कम से कम सीमावर्ती घाटी की संवेदनशीलता को देखते हुए इस केंद्रशासित प्रदेश में वैसा टकराव देखने को नहीं मिलेगा, जैसा कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार और एलजी के बीच देखने को मिलता रहा है।

डाकुओं और डॉन में जमीन -आसमान का फर्क

> डाकुओं के समर्पण के लिए विनोबा भावे और जयप्रकाश नारायण से लेकर अर्जुन सिंह तक ने अथक प्रयास किये थे लेकिन डॉन को समाज की मुख्यधारा में लाने का काम किसी नेता ने किये हो तो मुझे मालूम नहीं। डॉन आज भी सुपारी ले और दे रहा है। हत्याएं करा रहा है। चौथ वसूली कर रहा है। डाकू ये सब छोड़ चुके हैं। वे या तो खेती कर रहे हैं या राजनीति या समाजसेवा। दुर्भाग्य कहूँ या सौभाग्य कि मुझे आजतक किसी डॉन से मिलने का सौभाग्य नहीं मिला,हालाँकि हमारे पूर्वज कहें या अग्रज स्वर्गीय वेद प्रताप वैदिक सीमा पर जाकर पाकिस्तान के डॉन हाफिज सईद से मिल आये थे।

राकेश अचल

मैं एक जमाने में दुर्दांत डकैतों के लिए बदनाम चंबल इलाके से आता हूँ। मैंने अपने पत्रकारिता के कार्यकाल में डाकुओं की जितनी कहानियां बनाई और बेचीं उतनी शायद मुंबई के डॉन की कहानियां भी नहीं बिकी होंगीं।

चंबल के डाकू दो दशक पहले हमेशा -हमेशा के लिए समाप्त हो गये। लेकिन मुंबई के डॉन आज भी ज़िंदा हैं। मुंबई के डॉन और चंबल के डाकुओं में बहुत फर्क है। डाकू कभी किसी की हत्या के लिए सुपारी नहीं लेते थे, लेकिन डॉन सुपारी लेते भी हैं और देते भी हैं। डाकू हों या डॉन मीडिया के लिए हमेशा हाट केक की तरह बिकने वाले कथानक रहे है।

आजकल मुंबई में ही नहीं पूरे देश में डाकुओं से ज्यादा डॉन की चर्चा हैं। डॉन लारेंस विश्नोई द्वारा हाल ही में दिल्ली और मुंबई में सुपारी देकर कराई गयी हत्याओं के बाद सुर्ख़ियों में हैं। भ्रष्ट नेताओं से ज्यादा खूंखार डॉन सुर्ख़ियों में है। विश्नोईयों के बारे में धारणा है कि वे न केवल पर्यावरण प्रेमी होते हैं बल्कि काले हिरणों के सबसे बड़े संरक्षक भी होते हैं ,लेकिन इस विश्नोई समाज से यदि लारेंस डॉन बनकर निकला है तो हैरानी होती है। पता नहीं लारेंस का राजस्थान के विश्नोई समाज से कोई वास्ता है भी या नहीं।

मैंने अपने पत्रकारिता के जीवन में देश के इस सदी के सबसे कुख्यात और रॉबिनहुड रहे डकैत देखे है। उनसे मिला हूँ। माधौ सिंह ,मोहर सिंह ,तहसीलदार सिंह, पान सिंह,निर्भय गूजर से लेकर फूलन देवी तक को मैं खूब जानता था,लेकिन कोई इतना नृशंस नहीं था, जितना कि आजकल के डॉन हैं। डाकुओं ने हत्याएं कीं, अपहरण किये, गांव के गांव जलाये लेकिन उनकी करतूतों के पीछे की कहानियां कुछ और हुआ करतीं थीं। उनके मन में हिंसा के साथ दया-माया भी थी। वे रॉबिन हुड की तरह गरीबों की मदद भी करते थे और आततायियों को सबक भी सिखाते थे। डाकुओं ने कभी प्रदेश में बैठकर अपने गिरोह नहीं चलाये लेकिन मोदीकाल के डाकू अमेरिका में बैठकर अपने गिरोह चला रहे है। बीहड़ों के बजाय वातानुकूलित जेलों में रहकर गिरोह चला रहे है।

बात नए -नए डॉन लारेंस विश्नोई की हो रही थी। लारेंस विश्नोई हाल ही में एनसीपी [अजित गुट] के नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद सुर्ख़ियों में है। उसके निशाने पर एक लोकप्रिय अभिनेता सलमान खान के अलावा अनेक खान हैं। ये महज संयोग है या कोई नियोजित अभियान की लारेंस और सत्तारूढ़ दल के लक्ष्य एक जैसे ही है। कभी -कभी लगता है कि लारेंस ने या तो संघ और भाजपा का एजेंडा चुरा लिया है या वो इन संगठनों और दलों का अंधभक्त बन गया है। दोनों के निशाने पर अल्पसंख्यक ज्यादा हैं ,दुसरे लोग भी हैं लेकिन अल्पसंख्यक सबसे ऊपर है। कहने को तो बाबा सिद्दीकी जैसे लोग संजय दत्त के भी खैरख्वाह थे।

दरअसल मैं अपने नयी पीढ़ी के पाठकों को डॉन और डाकुओं में फर्क बताने की कोशिश कर रहा था। डाकू विषम परिस्थितियों में बीहड़ का रास्ता पकड़ते थे और डॉन सुनियोजित तरीके से मुंबई का रुख करते हैं। डॉन और डाकू पहले छोटी वारदात करते हैं ,बाद में किसी स्थापित गिरोह में शामिल होते हैं लेकिन बाद में अनुभव हासिल होते ही डॉन अपने स्वतंत्र गिरोह बना लेते हैं। जाति डॉन की भी होती है और डाकू की भी। हाजी मस्तान से लारेंस तक और मान सिंह से लेकर जगजीवन परिहार तक कहानियां एक जैसी हैं।दोनों कि जीवन पर फ़िल्में भी खूब बनतीं और चलतीं हैं। लेकिन डाकू दिलेर होते हैं और डॉन कायर। डाकू पुलिस से सीधे मुठभेड़ करते हुए मारे जाते हैं ,लेकिन डॉन कभी पुलिस से सीधे मोर्चा नहीं लेते। डाकुओं के गुर्गे नहीं होते लेकिन डॉन के होते हैं। डॉन विलासता का जीवन जीते हैं ,बड़े शहरों और बड़े देशों में रहते हैं किन्तु डाकू बीहड़ों में विषम परिस्थितयों में रहते हैं और उनके जीवन में विलासता भी बड़े ही निम्न स्तर को होती थी। डॉन और डाकूओं में महिलाओं का प्रतिशत बहुत कम रहा है। गुजरात की लेडी डॉन की तरह एक जमाने में चंबल की महिला डाकू पुतली बाई एक किवदंती बन गयी थी। फूलन तो डाकू जीवन से मुक्त होकर संसद तक पहुंची। एक डाकू सरगना मलखान सिंह भी फूलन का अनुशरण करते हुए विधानसभा में पहुँचने के लिए बार-बार चुनाव लड़ा लेकिन कामयाब नहीं हुआ। डॉन भी किवदंती बने हैं ,लेकिन शायद ही कोई डॉन हो जो संसद तक पहुंचा हो,हालाँकि हाजी मस्तान ने डॉन बनने के बाद गाँधी टोपी पहनकर नेतागीरी की थी लारेंस को भविष्य में कोई हिंदूवादी पार्टी लोकसभा या विधानसभा चुनाव में टिकिट दे दे तो मैं जानता नहीं। हाँ डाकुओं कि मंदिर हैं लेकिन डॉन कि नहीं।

लोकतंत्र के लिए डाकू और डॉन समान रुप से उपयोगी रहे है। मैं ऐसे तमाम नेताओं को जानता हूँ जो एक जमाने में चुनावों के वक्त चंबल में डाकुओं के प्रभाव का ,आतंक का इस्तेमाल खुलेआम करते थे। चंबल की ये कहानी मैं महाराष्ट्र ,गुजरात और देश के हर हिस्से में दुहराते हुए देख रहा हू। अब हर राज्य में कोई न कोई डॉन किसी न किसी नेता को चुनाव जितने के लिए अपने प्रभाव और आतंक का इस्तेमाल करता है। डॉन और डाकू आतंक के कारण ही समाज में ज़िंदा हैं। अब डॉन और डाकुओं ने अपनी वर्दी बदल ली है। वे खादी से लेकर हुडी तक पहनने लगे हैं।

डाकुओं के समर्पण के लिए विनोबा भावे और जयप्रकाश नारायण से लेकर अर्जुन सिंह तक ने अथक प्रयास किये थे लेकिन डॉन को समाज की मुख्यधारा में लाने का काम किसी नेता ने किये हो तो मुझे मालूम नहीं। डॉन आज भी सुपारी ले और दे रहा है। हत्याएं करा रहा है। चौथ वसूली कर रहा है। डाकू ये सब छोड़ चुके हैं। वे या तो खेती कर रहे हैं या राजनीति या समाजसेवा। दुर्भाग्य कहूँ या सौभाग्य कि मुझे आजतक किसी डॉन से मिलने का सौभाग्य नहीं मिला,हालाँकि हमारे पूर्वज कहें या अग्रज स्वर्गीय वेद प्रताप वैदिक सीमा पर जाकर पाकिस्तान के डॉन हाफिज सईद से मिल आये थे। उनका और हाफिज जी का इंटरव्यू ठीक उसी तरह से सुर्खियां बना था जैसा की एक जमाने में फूलन और निर्भय के इंटरव्यू।

राष्ट्र निर्माण में हिंदी भाषा का अहम् योगदान

संजय गोस्वामी

देश के हर व्यक्ति में राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पण की भावना होनी चाहिए क्योंकि राष्ट्र से बड़ा कुछ नहीं है। नागरिक जितने जिम्मेदार होंगे, उस राष्ट्र की महिमा उतनी ही अधिक होगी। राष्ट्र के प्रत्येक नागरिक का योगदान राष्ट्र की प्रगति में सहायक होता है, इसलिए हम जिस भी स्थिति और परिस्थितियों में हों, हमें राष्ट्र प्रेम की ज्योति जलाए रखनी होगी। इस सकारात्मक सोच से ही हमारे देश की व्यवस्था और मौजूदा व्यवस्था में सुधार हो सकता है। हम हर दिन जापान जैसे छोटे से देश को याद करते हैं कि कैसे एक छोटे से देश ने पूरी दुनिया में अपना एक नया मुकाम स्थापित किया है, चाहे वह तकनीक का मामला हो, अनुशासन का, स्वच्छता का या बुलेट ट्रेन का। अपने वर्चस्व की लड़ाई में जापान ने अपने बच्चों और बुजुर्गों का जो साथ दिया है, वह देखने लायक है। भारत भी बहुत सराहनीय तरीके से विकास कर रहा है और उसने चंद्रयान-3 जैसे मिशन से पूरी दुनिया को आश्चर्यचकित कर दिया है। जब हमारा देश विकसित होगा, तो हम भी विकसित कहलाएंगे और जब हमारे देश का सम्मान होगा, तो हम भी सम्माननीय कहलाएंगे। हमारे सीमा सुरक्षा बल को देश की सुरक्षा की पहली पंक्ति कहा जाता है। मैं यहां स्पष्ट करना चाहता हूं कि हम सभी नागरिक अपने देश की सुरक्षा की पहली पंक्ति हैं और देश की सुरक्षा के लिए सजग हैं तथा समय आने पर मर मिटने के लिए भी तैयार हैं। युवाओं से अपेक्षा है कि वे राष्ट्र निर्माण में अपनी क्षमता सिद्ध करें तथा सकारात्मक सोच के साथ कार्य करते हुए अपना तथा पूरे राष्ट्र का भला करें। हमारे संविधान में मौलिक कर्तव्यों में उल्लेख किया गया है कि हमें वैज्ञानिक सोच रखनी चाहिए। हमें प्रत्येक जीव के प्रति दया का भाव रखना चाहिए तथा पर्यावरण, वृक्ष, जलस्रोतों तथा जीव-जंतुओं की भी रक्षा करनी चाहिए। हम प्रदूषण, भ्रष्टाचार तथा अन्य कुरीतियों को समाप्त करके भी राष्ट्र सेवा का परिचय दे सकते हैं। अंत में मैं यही कहना चाहूंगा कि राष्ट्र सेवा किसी भी प्रकार से की जा सकती है। अपनी भाषा तथा संस्कृति की रक्षा करना भी राष्ट्र सेवा है तथा समाज के उत्थान के लिए कार्य करना भी राष्ट्र सेवा है।सितम्बर 1949 को संविधान सभा द्वारा हिन्दी को सर्वसम्मति से, ध्यान दें कि सर्वसम्मति में किसी पर कुछ थोपने या लादने जैसी कोई बात नहीं होती, संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया गया तथा इसको अमल में लाते हुए भारत के संविधान के अनुच्छेद 343 के ,खण्ड 1 में यह प्रावधान किया गया कि 'संघ की राजभाषा हिन्दी और लिपि देवनागरी होगी।' व ' संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग होने वाले अंकों का रूप भारतीय अंकों का अन्तरराष्ट्रीय रूप होगा।'

मौन का तन मन की सुन्दरता के लिये महत्व

प्रत्येक मनुष्य सुन्दर एवं स्वस्थ्य रहना चाहता है। सुन्दरता एवं स्वस्थ्य का राज मौन मैं छिपा हुआ है। सामान्यतः चुप रहना मौन है, प्राचीन पुराण बचन के साथ ईष्या, डाह, छल, कपट और हिन्सा को कम करना मोन होता है। मनोवैज्ञानिक 'फ्रायड' का कहना है कि जीवन अन्तर्द्वद्वी श्रृंखलाओं से मिल कर बना है। अन्तर्द्वद्व दो या दो से अधिक विरोधी इच्छाओं का एक साथ उत्पन्न होना है। ये असीम इच्छायें पूर्ण न होने पर तनाव नामक बीमारी देती है। जिससे आज के अधिकांस व्यक्ती ग्रासित है।

अन्तर्द्वद्व में फंसे व्यक्ति की स्थिति कई विपरीत दिशाओं से आने वाली नदियों के पानी के साथ मिलने से भॅवर बनती है कि जैसी हो जाती है। भॅवर में फसे व्यक्ति को न बैठे शांति मिलती है न लेटे, न भूख लगती है, न प्यास, न ही ध्यान अध्ययन में मन लगता है। याददास्त क्षमता कम हो जाती है। हार्ट अटेक, आत्म हत्या भी इसी कारण करते हैं।

हर मनुष्य अन्नत शक्तिमान है। यह शक्ति मन एवं पाचों इन्द्रियों के कार्यो में खर्च होती है। मन एवं इन्द्रियों को बस में करने का कार्य 'मौन' करता है। मौन रहने से मनुष्य के अन्दर की छुपी हुई शक्ति उदय हो जाती है। आज के कल युग में इनद्रिय विषय-भोगों की सामग्री में वहुत वृद्धि हूई है जिसे अपनाने पर इक्छा शक्ति में अधिक बृद्धि हो रही है। जो टेन्सन को जन्म देती है। अतः आज टेन्सन बड़ी बीमारी हो गई है। जो भी व्यक्ति अधिक बोलते है उनके मुख में रहने वाला पाचक रस सूख जाता है। मानसिक सन्तुलन खो जाता है, हृदय गति तेज हो जाती है। मान इन सब परेशानियों से बचने की राम वाण औषधी है। दिन में एक घण्टा मौन रहने पर दो घण्टे की कार्य क्षमता में बृद्धि होती है। रक्त प्रवाह सामान्य स्वस्थ्य होता है, तन, मन, सुन्दर बनता है। अतः संयमित वोल मान को जीवन में अपनाना चाहिये।

गेंदे का प्रवर्धन कैसे करें, जानिए उपयोगी व्यावसायिक तकनीक

गेंदे का प्रवर्धन जानेगे, लेकिन उससे पहले गेंदा भारत में बहुत प्रचलित फूल है। हर मौके पर इस्तेमाल होने के कारण इसने सजावटी फूलों में अपना विशिष्ट स्थान बना लिया है। भारत में फूल व्यवसाय में गेंदे का स्थान महत्त्वपूर्ण हो गया है, क्योंकि इसका धार्मिक और सामाजिक अवसरों पर बहुत उपयोग होता है।

गेंदे की सबसे बड़ी विशेषता यह है, कि यह लगभग पूरे वर्ष फूल देता रहता है। जिन महीनों में कोई अन्य फूल नहीं मिलते है। उन दिनों भी गेंदे का फूल सहज उपलब्ध रहता है। अतः गेंदे की लोकप्रियता का कारण इसकी सहज उपलब्धता भी है। गेंदे के फूल कई दिनों तक ताजा भी बने रहते हैं। गेंदा भारत में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी लोकप्रिय तथा सभी स्थानों पर पाया जाने वाला फूल है। यह सर्वप्रथम हमारे देश में अग्रजों द्वारा लाया गया, जबकि इसका उत्पति स्थान मेक्सिको और दक्षिणी अमेरिका हैं। गेंदे की विशेषता यह है, कि यह हर प्रकार की जलवायु के प्रति सहनशील, लम्बे समय तक फूलने वाला, अधिक उपज देने वाला तथा अनेक रंगों में पाया जाता है।

गेंदे का प्रवर्धन या पौध प्रसारण

- आमतौर पर गेंदे को बीज द्वारा उगाया जाता है, परन्तु इसे कलमों द्वारा भी प्रवर्धित किया जा सकता है। भारत में इसकी बुआई जलवायु की भिन्नता के अनुसार अलग-अलग होती है। दक्षिण भारत में इसे मई के महीने में बोया जाता है, जिनसे अगस्त से अक्टूबर तक फूल मिलते रहते हैं। यदि इसके बाद फूल लिए जाएं तो वे आकार में छोटे रह जाते हैं।
- असम, बिहार, पश्चिमी बंगाल, और उड़ीसा में बीज फरवरी से जून एवं सितम्बर से अक्टूबर में बोये जाते हैं, जिनसे सर्दी, बसंत व वर्षा ऋतु में फूल मिलते हैं। हरियाणा, पंजाब, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में बीज जनवरी से मार्च तक एवं जुलाई से सितम्बर में भी बोया जाता है।
- उत्तरी एवं दक्षिणी पहाड़ियों में मार्च से अप्रैल में बुआई की जाती है। इसके अलावा सितम्बर में भी बीज बोये जाते हैं। बम्बई और मद्रास में सितम्बर के महीने में बीज बोये जाते हैं।

पौधशाला की तैयारी

- गेंदे के बीज को पहले पौधशाला में बोया जाता है, क्योंकि बीज छोटे आकार के होते हैं। पौधशाला में पर्याप्त मात्रा में गोबर की खाद डालकर भली भांति खुदाई कर ली जाती है। क्यारियों में रेत भी डाली जाती है, फिर 15 सेंतुमितर ऊँची उठी क्यारियाँ बनाई जाती हैं। बीज को पौधशाला में समान रूप से बिखेर कर फिर उन्हें रेत एवं पत्ती की खाद के मिश्रण से ढ़क दिया जाता है।

- बीज एक सप्ताह के बाद अकुंरित हो जाते हैं, और पौध 3 से 4 सप्ताह बाद रोपाई के लिए तैयार हो जाता है। पौधशाला की नियमित रूप से सिंचाई, नलाई इत्यादि समय पर करनी चाहिए, ताकि पौधों का समुचित विकास हो सके। उपरोक्त विधियों से आप गेंदा का प्रवर्धन या पौध प्रसारण द्वारा उपयोगी एवं आधुनिक व्यावसायिक खेती कर सकते है।

अलूचा या आलूबुखारा का प्रवर्धन कैसे करें, जानिए आधुनिक तकनीक

अलूचा या आलूबुखारा का प्रवर्धन की प्रक्रिया जानेगे, लेकिन उससे पहले विश्व के शीतोष्ण भागों में यूरोपियन अलूचा या आलूबुखारा (पुनस डोमेस्टिका) और समशीतोष्ण भागों में जापानी अलूचा या आलूबुखारा (पुनस सैलिसिना) की कृषि काफी प्रचलित है। भारत उत्तरी मैदानी भागों में केवल जापानी अलूचा की बागवानी की जा सकती है।

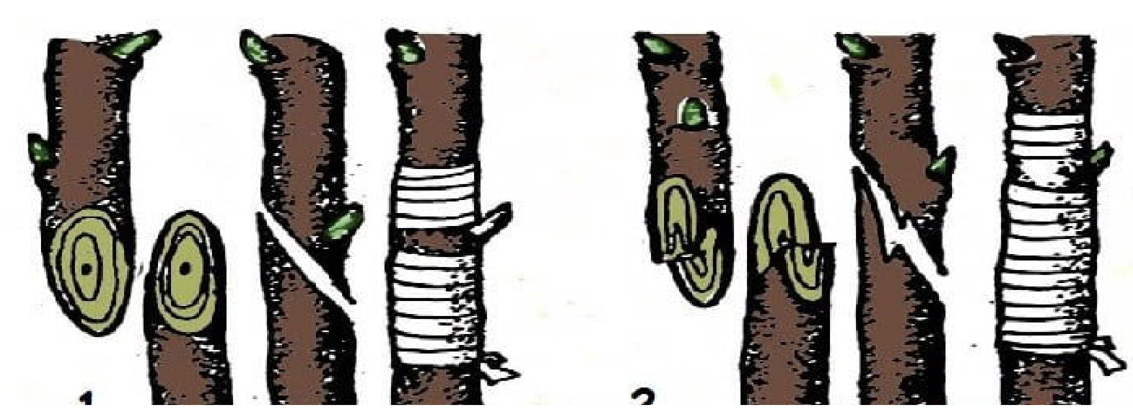

आलूबुखारा के पके हुए फल बाजार में मई के मध्य से आने लगते हैं, तथा काफी अच्छे दामों पर बिकते हैं। फलों को ताजा खाने में, पेय पदार्थ बनाने में और अन्य फल पदार्थ बनाने में प्रयोग किया जाता है। अलूचा के अनेक औषधीय गुण भी हैं।

अलूचा का प्रवर्धन

- अलूचा का व्यावसायिक प्रवर्धन कलैफ्ट या टंग ग्राफ्टिंग और सर्वाधिक प्रचलित विधि कलम द्वारा किया जाता है। समशीतोष्ण क्षेत्रों में भूमि के अनुसार आडू के बीजू पौधे और काबुल ग्रीन गेज अलूचा के कलमी पौधे मूलवृंत हेतु प्रयोग किये जाते हैं।
- अलूचा या आलूबुखारा का प्रवर्धन के लिए कलमें वार्षिक काट-छांट के समय ली जाती हैं, कलमों की लम्बाई लगभग 20 सेंटीमीटर और मोटाई पैन्सिल के बराबर या उससे कुछ अधिक होनी चाहिए। आलूबुखारा का प्रवर्धन नवम्बर से दिसम्बर में वार्षिक काट-छांट (पुनिंग) के समय अच्छी किस्म के पेड़ों से एक वर्षीय टहनियों द्वारा तैयार की गयी हार्डवुड कलमों को 2000 पीपीएम आईबीए से उपचारित करके सीधे नर्सरी में लगाएं और इस प्रकार तैयार पौधे एक वर्ष तक नर्सरी में रखने के बाद खेत में लगाए जा सकते है।
- अलूचा का प्रवर्धन हेतु चिकनी और गीली मिट्टी के लिये काबुल ग्रीनगेज किस्म की कलमों से तैयार पौधों को मूलवृन्त के रूप में

उपयोग करना चाहिए। आलूबुखारा का प्रवर्धन नवम्बर से दिसम्बर में वार्षिक काट-छांट के समय अलूचा की काबुल ग्रीन गेज किस्म की एक वर्षीय टहनियां जो लगभग पैन्सिल या उससे अधिक मोटाई वाली हों, उनसे 18 से 25 सेंटीमीटर लम्बी हारडबुड कलमें बनाई जाती हैं।
- नर्सरी में कलमों द्वारा तैयार दो वर्षीय आलूबुखारा के पौधों से भी नवम्बर से दिसम्बर में इसी प्रकार कलमे बनाई जा सकती हैं। क्योंकि इन जवेनाईल कटिंगों में जड़े बनाने की क्षमता अधिक होती है, प्रत्येक कलम पर लगभग 4 से 5 आंखे होती हैं, उचित पहचान के लिए कलम के आधार की और सीधा कट एवं अन्य सिरे की ओर टेढ़ा कट लगाते हैं।
- आलूबुखारा का प्रवर्धन हेतु आधार की ओर का लगभग 5 सेंटीमीटर भाग इण्डोल ब्यूटिरिक एसिड 2000 मिलीग्राम प्रति लीटर के घोल में लगभग पन्द्रह सैकंड तक भिगोया जाता है। इन कलमों को सीधे नर्सरी में लगा कर सिचांई करें। आलूबुखारा का प्रवर्धन हेतु पेड़ से या नर्सरी के दो वर्षीय पौधों से कलमें लेने के बाद उसी दिन उन्हें नर्सरी में लगाना आवश्यक है नही तो वे सूख जाएंगी।
- सिंचाई का पानी अगर भारी या नमकीन हो तो कलमों से जड़े नहीं निकल सकती।फरवरी में कलमों में फुटाव शुरू हो जाता है, इन कलमों से बने पौधों पर अगले वर्ष नवम्बर से दिसम्बर में अच्छी किस्म की चार आंखों वाली सायन टहनियां लेकर कलैफ्ट या टंग ग्राफ्टिंग कर सकते हैं।
- आलूबुखारा का प्रवर्धन के बाद ग्राफ्टिंग से तैयार पौधे एक वर्ष बाद उचित दूरी रख कर दिसम्बर से जनवरी में खेत में लगाये जाते हैं। काला अमृतसरी आलूबुखारा का प्रवर्धन के पौधे कलमों द्वारा तैयार करके बिना पौधशाला किए खेत में लगा सकते हैं। उपरोक्त अलूचा या आलूबुखारा का प्रवर्धन की विधियों कलैफ्ट या टंग ग्राफ्टिंग और सर्वाधिक प्रचलित विधि कलम द्वारा किसान या बागवान बन्धु अपने विश्वसनीय पौधे तैयार कर सकते है।

आड़ू का प्रवर्धन, उपयोगी और आधुनिक तकनीक

आड़ू का प्रवर्धन, आड़ू शीतोष्ण व समशीतोष्ण प्रदेशों का एक प्रसिद्ध फल है। आड़ू का फल खनिज तत्व लोहे का अच्छा स्रोत है, इसमें विटामिन ए एवं अन्य विटामिन और खनिज लवण भी अच्छी मात्रा में पाये जाते हैं। इसके फलों को ताजा खाने, पेय बनाने और अन्य फल पदार्थों के रूप में प्रयोग किया जाता है।

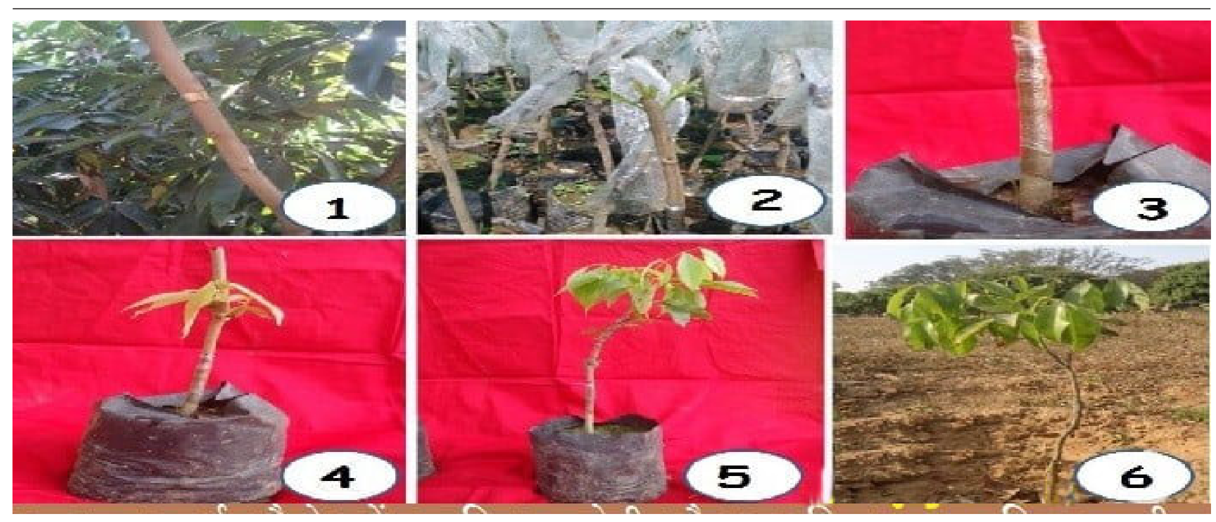

डिब्बाबंदी द्वारा फल दूर के बाजारों में भेजे जा सकते हैं। इसके बीजों से निकली गिरी से तेल निकाल कर साबुन, क्रीम और अन्य औधौगिक इकाईयों में उपयोग किया जा सकता है।

आड़ू का प्रवर्धन

आड़ू का प्रवर्धन के लिए चिकनी एवं गीली मिट्टी के लिए काबुल ग्रीनगेज अलूचा का मूलवृन्त प्रयोग किया जाना चाहिए। आड़ू का व्यावसायिक प्रवर्धन काबुल ग्रीन गेज अलूचा के कलमी पौधों पर आड़ू की क्लैफ्ट या टंग ग्राफ्टिंग करके किया जाता है, जैसे-

क्लैफ्ट या टंग ग्राफ्टिंग

- आड़ू का प्रवर्धन हेतु ग्राफ्टिंग नवम्बर से दिसम्बर में की जाती है। मूलवृन्त पौधे तैयार करने के लिए काबुल ग्रीन गेज अलूचा की कलमों को 2000 पीपीएम आईबीए से उपचारित करके नवम्बर से दिसम्बर में नर्सरी में लगाते हैं। कलम से तैयार अलूचा के एक वर्षीय पौधों पर नवम्बर से दिसम्बर में आडू की सिफारिश की हुई किस्म की सायन टहनी ले जिस पर चार आंखे प्रति सायन टहनी हों उसी की कलैफ्ट या टंग ग्राफ्टिंग करनी चाहिये
- आड़ू का प्रवर्धन हेतु आड़ू के पेड़ों से नवम्बर से दिसम्बर में कलमें लेकर भी पौधे तैयार किए

जा सकते हैं। वार्षिक काट-छांट के समय एक वर्ष पुरानी टहनियों से कलम बनाते समय उसके तल पर लकड़ी का टुकड़ा साथ रखना चाहिए। इन कलमों को 50 प्रतिशत अलकोहल में 2000 पीपीएम 2.5 ग्राम प्रति लीटर आईबीए के घोल में कलम के आधार की ओर वाला 5 सेंटीमीटर सिरा भिगो कर मिस्ट चैम्बर में फुटाव के बाद नर्सरी की क्यारियों में लगाएं। इन कलमों में 80 प्रतिशत तक जड़े निकल आती हैं, बिना आईबीए लगाई हुई कलमें केवल 35 प्रतिशत तक जड़े देती हैं।
- आड़ू का प्रवर्धन के लिए रेतीली या दोमट मिट्टी में आड़ू के बीजू पौधों को मुलवृन्त के रूप में उपयोग किया जाना चाहिए। देशी आडू के फल ग्रीष्मकाल में परिपक्व होते हैं। अच्छी तरह पके फलों से बीज निकालकर उन्हें साफ पानी से धो लें, गुठलियों को तोड़ कर बीज निकालें और बीजों को ठण्डे स्थान पर भन्डारित करें।
- इन बीजों को 5 डिग्री सैल्सियस तापमान पर लगभग चार महीने तक स्ट्रैटीफिकेशन करना अति आवश्यक है। जब स्ट्रैटीफिकेशन पूर्ण नहीं हो तो बुआई से पहले बीजों को लगभग 24 घण्टों तक 150 पीपीएम जिब्रेलिक एसिड के घोल में भिगोए रख कर उपचारित करें। उपचार के बाद बोने से बीजों की अंकुरण क्षमता बढ़ जाती है, उपचारित करते ही इन बीजों की फरवरी के शुरू में तैयार क्यारियों में बुआई की जाती है।
- जब आडू के बीजू पौधे लगभग एक वर्ष के हो जाएं, तब आड़ू का प्रवर्धन के लिए नवम्बर से दिसम्बर में उन पर अच्छी किस्म की टहनी चार आंखों प्रति सायन टहनी से क्लैफ्ट या टंग ग्राफ्टिंग करें। इसके पश्चात जुलाई में जड़ों के इर्द-गिर्द मिट्टी के साथ और जनवरी में जड़ों के इर्द-गिर्द बिना मिट्टी के ये ग्राफ्टिड पौधे खेत में लगाए जा सकते हैं।

उपरोक्त क्लैफ्ट या टंग ग्राफ्टिंग प्रक्रिया के तहत किसान और बागवान भाई आड़ू का प्रवर्धन उपयोगी और आधुनिक व्यावसायिक तकनीक से कर सकते है, और प्राप्त पौधों से अपने बाग की स्थापना भी सफलतापुर्वक कर सकते है।

इजराइल ने हमास चीफ सिनवार को माराः यही 7 अक्टूबर के हमले का मास्टरमाइंड था; नेतन्याहू बोले- अब हिसाब बराबर, लेकिन जंग जारी रखेंगे

तेल अवीव. इजराइल पर 7 अक्टूबर 2023 को किए गए हमले का मास्टरमाइंड हमास चीफ याह्या सिनवार मारा गया है। इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू और विदेश मंत्री इजराइल काट्ज ने गुरुवार रात को सिनवार की मौत की पुष्टि की। नेतन्याहू ने वीडियो मैसेज में कहा- "हमने हिसाब चुकता कर दिया, लेकिन जंग अभी जारी है।" दरअसल इजराइल डिफेंस फोर्सेस (आईडीएफ) ने 16 अक्टूबर को रूटीन ऑपरेशन में दक्षिणी गाजा की एक इमारत पर हमला किया था। इसमें हमास के 3 सदस्यों के मारे जाने की खबर आई। बाद में पता चला कि इनमें से एक याह्या सिनवार है। सोशल मीडिया पर इसके फोटो वायरल हुए। इसमें उसके चेहरे, दांत और घड़ी से दावा किया गया कि मारा गया शख्स याह्या सिनवार है। सिनवार की मौत की जांच के लिए डीएनए टेस्ट किया गया।

जंग शुरू होने के एक साल 16 दिन में सिनवार का खात्मा

7 अक्टूबर को हमास ने इजराइल पर 3 हजार से ज्यादा रॉकेट दागे थे। इसके अलावा कई सौ लड़ाके इजराइल में घुसे थे, जिन्होंने कई इजराइलियों को मारा और 200 से ज्यादा को बंधक बना लिया था। इसी दिन से इजराइल ने सिनवार की तलाश शुरू कर दी थी। सिनवार को मारने के लिए इजराइल ने कई कोशिशें की थीं। इनमें कामयाबी नहीं मिल सकी थी। 23 सितंबर को भी सिनवार की मौत का दावा किया गया था। बाद में वह गलत साबित हुआ। आखिरकार सिनवार जंग शुरू होने के एक साल 9 दिन के भीतर 16 अक्टूबर को मारा गया।

इजराइल ने सिनवार के मारे जाने से पहले का ड्रोन फुटेज जारी किया

इजराइली सेना ने सिनवार से जुड़ा एक ड्रोन फुटेज जारी किया है। इसमें सिनवार के आखिरी पल दिखाए गए हैं। वह बर्बाद हो चुके अपार्टमेंट में धूल से भरे एक सोफा पर बैठा है। उसका सिर और चेहरा स्कार्फ से ढका हुआ है। ड्रोन के नजदीक आने पर वह अपनी छड़ी फेंक उसे भगाने की कोशिश करता दिखाई दे रहा है। इजराइल डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) के प्रवक्ता डैनियल हगारी ने कहा कि सिनवार राफा के ताल अल-सुल्तान इलाके में छिपा था। जब ये फुटेज ली जा रही थी, तब हमें पता नहीं था कि वह सिनवार है। उसके हाथ में गोली लगी थी और वह घायल था। हमें लगा था कि वो कोई आम हमास लड़ाका है। इसके बाद आईडीएफ ने इमारत पर बमबारी की, जिससे उसकी मौत हो गई। बाद में शवों की जांच के दौरान पता चला कि वह सिनवार है। हगारी ने कहा कि उसके पास से बुलेटप्रूफ जैकेट, ग्रेनेड और 40,000 इजराइली करेंसी मिली। सीएनएन के मुताबिक, सिनवार आखिरी समय में जिस इलाके में रह रहा था, वह इजराइली हमले से लंबे समय तक अछूता रहा। 28 अगस्त को यहां पहली बार आईडीएफ ने हमला किया था।

अब सिनवार के भाई की तलाश में जुटी इजराइली सेना

हगारी ने कहा कि सिनवार कुछ समय से इस इलाके में सुरंगों में घूम रहा था। वह शायद उत्तर की तरफ भागने की कोशिश कर रहा था। इजराइली सेना कई महीने से सिनवार पर नजर रख रही थी। हगारी ने कहा कि कुछ समय पहले सिनवार का डीएनए सुरंग के कुछ सौ मीटर की दूरी पर मिला था। ठीक यही पर हमास ने अगस्त में 6 बंधकों की हत्या की थी। हगारी ने कहा कि अब आईडीएफ याह्या सिनवार के भाई मुहम्मद सिनवार समेत दूसरे हमास सैन्य कमांडरों की तलाश में जुटी है।

ईरान बोला- सिनवार की मौत से इजराइल की मुश्किलें और बढ़ेगी

यूनाइटेड नेशन में ईरान के मिशन ने कहा कि सिनवार की मौत से इजराइल के विरोध की भावना और मजबूत होगी। सिनवार फिलिस्तीन की आजादी के लिए लड़ रहे युवाओं के लिए आदर्श बनेंगे। जब तक फिलिस्तीन पर इजराइल का कब्जा जारी रहेगा तब तक विरोध होता रहेगा।

इजरायल से नफरत की वजह

सिनवार का जन्म 29 अक्टूबर 1962 को गाजा के खान यूनिस शरणार्थी शिविर में हुआ था। 1948 के अरब-इजरायल युद्ध के दौरान उसका परिवार अश्कलोन से विस्थापित हो गया था। यही वजह है कि उसके मन में इजरायल के प्रति नफरत थी। शरणार्थी शिविर में बिताए गए शुरुआती जीवन से उसने इजरायली कब्जे का विरोध करना शुरू कर दिया। जल्द ही वह हमास में शामिल हो गया। सिनवार ने गाजा के इस्लामिक विश्वविद्यालय से अरबी अध्ययन में डिग्री हासिल की।

सिनवार ने 1980 के दशक के अंत में हमास की एक इकाई माजद की स्थापना की, जिसका उद्देश्य इजरायल का समर्थन करने वाले फिलिस्तीनियों की पहचान करना और उन्हें खत्म करना था। आतंकवादी गतिविधियों के कारण 1988 में दो इज़रायली सैनिकों के अपहरण और हत्या की साजिश रचने के आरोप में उसे गिरफ्तार किया गया। सिनवार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई, लेकिन 2011 में इजरायली सैनिक गिलाद शालिट के बदले सौदे में उसे रिहा कर दिया गया था।

7 अक्टूबर के हमले का मास्टरमाइंड था सिनवार

पिछले साल 7 अक्टूबर को दक्षिण इजरायल पर हुए आतंकी हमले में जहां 1200 से अधिक लोगों की जान चली गई, उसका मास्टरमाइंड याह्या सिनवार था। उस दौरान सिनवार गाजा में प्रमुख के तौर पर नियुक्त था। उसने ईरान और हिजबुल्लाह के शीर्ष नेताओं से कई बार की मुलाकातें की। इजरायली मीडिया के अनुसार, उसने 2022 जनवरी में ही इजरायल पर हमले की योजना बना ली थी, लेकिन ईरान और हिजबुल्लाह से समय पर मदद न मिल पाने के कारण उसे योजना टालनी पड़ी। सिनवार ने ईरान और हिजबुल्लाह से हथियार और पैसों की मदद मांगी थी। उसने भरोसा दिलाया था कि उनका दिया पैसा वह बर्बाद नहीं होने देगा और इजरायल को तगड़ा सबक सिखाकर रहेगा। पिछले सात अक्टूबर को हुए हमले में गाजा की ओर से इजरायल पर 20 मिनट के भीतर 5000 से अधिक मिसाइलें दागी गई। इसके बाद हमास के आतंकी इजरायली सीमा में घुस आए और जमकर कत्लेआम किया। एक संगीत समारोह में 350 लोगों का कत्ल कर दिया। इसके अलावा 250 लोगों को अगवा कर दिया।

एससीओ बैठक में रुस-पाकिस्तान के रिश्ते हुए मजबूत, कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने बनी सहमति

इस्लामाबाद,(ईएमएस)। पाकिस्तान और रूस के बीच रिश्ते और मजबूत होते दिख रहे हैं। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की इस्लामाबाद में हुई बैठक में पाकिस्तान और रूस के बीच व्यापार, उद्योग, ऊर्जा, रक्षा, कनेक्टिविटी, साइंस, तकनीक और शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी है। इस बैठक के बीच में ही पाकिस्तान-रूस सेना ने सैन्य अभ्यास भी किया। यही नहीं पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने चीन के बीआरआई के साथ-साथ रूस के इंटरनैशनल नॉर्थ साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर के विस्तार का भी खुलकर समर्थन किया। आईएनएसटीसी कॉरिडोर व्लादिमीर पुतिन का एक ड्रीम प्रॉजेक्ट है जो मुंबई को रूस की राजधानी मास्को और अन्य शहरों से सीधे जोड़ता है। पाकिस्तान के रूस के साथ दोस्ती बढ़ाने के पीछे उसकी छिपी हुई मंशा है और इसमें उसे चीन का भी समर्थन मिल रहा है। एससीओ बैठक में हिस्सा लेने के लिए रूस के पीएम मिखाइल मिशुस्टिन 300 सदस्यों का भारी भरकम दल लेकर इस्लामाबाद पहुंचे थे। पाकिस्तान और रूस ने पिछले 2 दशक से मजबूत हो रहे रिश्तों को और बेहतर बनाने सहयोग पर जोर दिया। रूस और पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र जैसे बहुपक्षीय मंचों पर एक-दूसरे का सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। शहबाज शरीफ ने कहा कि पाकिस्तान रूस के साथ राजनीतिक, आर्थिक और रक्षा संबंधों को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। रूस के पीएम ने कहा कि दोनों देशों के बीच रिश्तों को नई ऊंचाई पर ले जाया जाएगा। रूसी नेता ने कहा कि उनका देश पाकिस्तान के साथ व्यापार बढ़ाना चाहता है। दोनों देशों के बीच व्यापार में इस साल 13 फीसदी की तेजी आई है। रूस ने कहा कि उसने पाकिस्तान को ऊर्जा की सप्लाई बढ़ा दी है। रूसी कंपनियां पाकिस्तान में गैस उद्योग का विकास कर रही हैं। उन्होंने कहा कि रूस का मानना है कि पाकिस्तान की भौगोलिक स्थिति बेहद फायदेमंद है। विश्लेषकों का कहना है कि पाकिस्तान रूस एक तीर से कई शिकार करने की कोशिश कर रहा है। पाकिस्तान चाहता है कि उसे ब्रिक्स की सदस्यता मिल जाए। रूस के कजान में ब्रिक्स की शिखर बैठक होने जा रही है और इसमें 10 नए सदस्यों को शामिल करने पर फैसला होगा। पाकिस्तान समेत 34 देशों ने ब्रिक्स में सदस्यता के लिए आवेदन किया है। पाकिस्तान चाहता है कि रूस अपना दबाव डालकर भारत का विरोध खत्म कराए ताकि ब्रिक्स की सदस्यता का रास्ता साफ हो जाए।

अमेरिकी अदालत में पेश किया गया दावा, आरोप : रॉ अधिकारी ने रची थी पन्नू की हत्या की साजिश

वाशिंगटन(ईएमएस)।अमेरिका के न्याय विभाग ने भारतीय रॉ अधिकारी पर सिख अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश का आरोप लगाया है। गुरुवार को न्यूयॉर्क में एक अमेरिकी अदालत के समक्ष यह दावा किया गया। बता दें कि भारत सरकार ने अमेरिका की धरती पर अमेरिकी नागरिक की हत्या की साजिश में शामिल होने से इनकार किया है। अमेरिका के आरोपों पर नई दिल्ली ने इसकी जांच के लिए समिति का भी गठन किया है। सिख अलगाववादी पन्नू की हत्या की कथित नाकाम साजिश के सिलसिले में गठित भारतीय जांच समिति की अमेरिका में अधिकारियों के साथ बैठक हुई। इसके बाद भारत ने गुरुवार को कहा कि उसने यूएस की ओर से दी गई जानकारी को बहुत गंभीरता से लिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पुष्टि की कि आरोपी व्यक्ति अब भारत सरकार का कर्मचारी नहीं है। अमेरिका ने पहले कहा था कि भारत सरकार ने पन्नू की हत्या की साजिश के आरोपों से निपटने में गंभीरता दिखाई है।

अमेरिकी अधिकारियों ने आरोपी की पहचान 39 वर्षीय विकास यादव के रूप में की है। वह कैबिनेट सचिवालय में काम करता था, जिसमें भारत की विदेशी खुफिया सर्विस रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) शामिल है। माना जा रहा है कि यादव अब सरकारी कर्मचारी नहीं है। उस पर तीन मामलों का आरोप लगाया गया है, जिसमें हत्या के लिए भाड़े पर हायरिंग करना और मनी लॉन्ड्रिंग की साजिश रचना भी शामिल है।पन्नू मामले में सह-साजिशकर्ता निखिल गुप्ता को पिछले साल चेकोस्लोवाकिया से गिरफ्तार किया गया था। यहां से प्रत्यर्पण के बाद वह अमेरिकी जेल में बंद है। अमेरिकी अटॉर्नी जनरल मेरिक बी. गारलैंड ने कहा, ये आरोप गंभीर है। न्याय विभाग अमेरिकियों को निशाना बनाने, उन्हें खतरे में डालने और उन अधिकारों को कमजोर करने की कोशिश को बर्दाश्त नहीं करेगा, जिनका हर अमेरिकी नागरिक हकदार है। एफबीआई निदेशक क्रिस्टोफर रे का भी बयान आया है। उन्होंने कहा, भारतीय सरकारी कर्मचारी ने कथित तौर पर आपराधिक सहयोगी के साथ मिलकर साजिश रची। अमेरिका की धरती पर एक अमेरिकी नागरिक की हत्या करने का प्रयास किया गया।

मोसाद के जाल में फंस गया हिजबुल्लाह, पेजर में कवर स्टोरी तैयार कर किए विस्फोट

इजराइली एजेंटों ने पेजर ताइवानी ब्रांड गोल्ड अपोलो का बताकर दिया धोखा

बेरूत,(ईएमएस)। बेरूत के दक्षिणी उपनगर और हिजबुल्लाह के गढ़ वाले इलाकों में हजारों पेजर ब्लास्ट ने चरमपंथी समूह को हिलाकर कर रख दिया था। इजराइली खुफिया एजेंसी ने एक बड़ी योजना के तहत हिजबुल्लाह के लड़ाकों के पेजर को बम में बदल दिया था। इसके लिए इजराइली जासूसी ने एक लंबी योजना तैयार की थी, जिसमें बैटरी के डिजाइन के साथ कवर स्टोरी भी तैयार की गई थी। इसमें एक कमजोरी भी थी। लेकिन इजराइली योजना की हिजबुल्लाह को भनक तक नहीं लगी। इसमें एक कमी भी थी। पेजर की बैटरी इलेक्ट्रॉनिक्स में इस्तेमाल लिथियम ऑयन बैटरी पैक जैसी ही थी लेकिन समस्या थी कि पेजर की तरह यह बाजार में मौजूद नहीं थी। इसलिए इजराइली एजेंटों ने एक बैकस्टोरी बनाई। पेजर के लिए इजराइली एजेंटों ने मशहूर ताइवानी ब्रांड गोल्ड अपोलो का बताकर हिजबुल्लाह को धोखा दिया। एक रिपोर्ट में पेजर के अध्ययन और खुफिया सूत्रों से पता चला है कि एक बैटरी विशेषज्ञ ने बताया कि विस्फोटक के लिए पीईटीएन का इस्तेमाल किया गया था। एक लेबनानी स्रोत ने कहा कि हिजबुल्लाह ने पाया था कि बैटरी अपेक्षा से ज्यादा तेजी से गर्म हो रही थी। हालांकि, इससे कोई बड़ी चिंता नहीं हुई। समूह हमले से कुछ घंटे पहले तक अपने सदस्यों को पेजर बांट रहा था। रिपोर्ट में कहा गया था कि हजारों पेजर एक साथ फटे। ज्यादातर मामलों में डिवाइस में मैसेज आने के बीप वाले संकेत के बाद इसमें ब्लास्ट हुआ। यह भी योजना का ही हिस्सा था, ताकि विस्फोट के समय पेजर हाथ और चेहरे के पास रहे। हमले में करीब 3000 लोग घायल हो गए थे। पेजर हमले के अगले ही दिन वॉकी-टॉकी में विस्फोट हुए। दोनों हमलों में कम से कम 39 लोगों की मौत हुई थी और 3400 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। पश्चिमी सुरक्षा सूत्रों ने कहा कि इजराइली खुफिया एजेंसी ने इन पेजर और वॉकी-टॉकी हमलों की योजना बनाई थी। इसके लिए इजराइली खुफिया एजेंसी मोसाद ने हिजबुल्लाह के सप्लाई सिस्टम में घुसपैठ कर ली थी। हिजबुल्लाह को जिस डीलर ने पेजर सप्लाई किए वह मोसाद का ही एजेंट था। यही नहीं, इन पेजर को मोसाद की निगरानी में ही तैयार किया गया था।

भारत के गैंगस्टर और आतंकियों के लिए सेफ हाउस बना कनाडा

कनाडा ईएमएस)। कनाडा में जस्टिन ट्रूडो की सरकार में भारत के मोस्ट वॉन्टेड गैंगस्टर और आतंकियों के लिए यह देश सेफ हाउस बन गया है। कनाडा में बैठकर ये आतंकी भारत के खिलाफ साजिश रचते हैं। ये किलिंग और दूसरी टेरर एक्टिविटीज को अंजाम देते हैं। कनाडा में सरेआम खालिस्तानी झंडे लहराए जाने पर भी वहां के पीएम ट्रूडो खामोश रहते हैं कुछ नहीं बोलते। ट्रूडो भारत के खिलाफ होने वाली हर गतिविधियों और आतंकी साजिशों पर भी मौन रहते हैं और भारत पर बेबुनियाद आरोप लगाते हैं। भारत कई बार कनाडा को भारत विरोधी गतिविधियों के सबूत दे चुका है, लेकिन ट्रूडो सब जानते हुए भी चुप्पी साधे हुए हैं।

खालिस्तानी आतंकियों को पनाह देने वाला कनाडा को भारत से मुंह तोड़ जवाब मिलने के बाद भी ट्रूडो बाज़ नहीं आ रहे हैं। कनाडा से लेकर भारत तक एक ही नाम गूंज रहा है वह है हरदीप सिंह निज्जर। भारत के मोस्ट वांटेड आतंकी की हत्या को लेकर पहले ट्रूडो सरकार ने भारत पर आरोप लगाए थे, इसके बाद भारत सरकार ने ट्रूडो को न्यूटन का लॉ ऑफ पॉलिटिक्स समझा दिया। पहले भारत ने आतंकियों की पनागाह बन चुके कनाडा को उसकी असली तस्वीर दिखाई, फिर उसके बाद एक्शन पर ऐसा रिएक्शन दिया कि ट्रूडो को समझ नहीं आ रहा है कि करें तो क्या करें।

कनाडा में छिपे भारत के गैंगेस्टरों की सूची काफी लंबी है। ये वो भगोड़े आतंकी और गैंगस्टर हैं, जो भारत की जांच एजेंसी और पुलिस से भागकर कनाडा में पनाह लिए हुए हैं और वहां से खालिस्तानी एजेंडा चला रहे हैं।

पेजर बम वाली तकनीक का हुआ खुलासा, देशी जुगाड़ ने दुनिया को हिला दिया

बैरुत(ईएमएस)। हिजबुल्लाह पर पिछले महीन इजरायल ने पेजर अटैक कर हर किसी को चौंका दिया। इतने छोटे से दिखने वाले पेजर को आखिर इजरायल ने कैसे चलते फिरते बम में बदल दिया, ये सोचकर हर कोई हैरान था। एक एजेंसी की तरफ से अब इस मामले में एक अहम रिपोर्ट प्रकाशित की गई है, जिसमें लेबनान सूत्रों के हवाले से पेजर को बम में बदलने की इजरायली तकनीक के बारे में विस्तार में बताया गया है। फरवरी में पेजर प्राप्त करने के बाद हिजबुल्लाह ने विस्फोटकों की उपस्थिति की जांच की। उन्हें हवाई अड्डे के सुरक्षा स्कैनर के माध्यम से यह देखने के लिए डाला कि क्या वे अलार्म ट्रिगर करते हैं। कुछ भी संदिग्ध नहीं बताया गया। दो बम विशेषज्ञों ने कहा कि उपकरणों को बैटरी पैक के अंदर एक चिंगारी उत्पन्न करने के लिए सेट किया गया था, जो विस्फोट करने वाली सामग्री को जलाने के लिए पर्याप्त था, और शीट को विस्फोट करने के लिए ट्रिगर करता था। क्योंकि विस्फोटक और उसके कवर ने लगभग एक तिहाई हिस्सा ले लिया था, लिहाजा बैटरी पैक में 35 ग्राम वजन के अनुरूप शक्ति का एक अंश था। दरअसल, पेजर बनाने वाले एजेंटों ने एक ऐसी बैटरी डिजाइन की थी, जिसमें प्लास्टिक विस्फोटक का एक छोटा लेकिन शक्तिशाली चार्ज और एक नया डेटोनेटर छिपा था, जिसे देख पाना भी संभव नहीं है। पेजर बम का गुप्त डिजाइन और बैटरी की सावधानीपूर्वक बनाई गई कवर स्टोरी, दोनों के बारे में विस्तार में बताया गया। ये पूरा ऑपरेशन एक दो दिन या महीने में नहीं, बल्कि सालों की मेहनत के बाद पूरा हुआ। छह ग्राम सफेद पेंटाएरीथ्रिटोल टेट्रानाइट्रेट प्लास्टिक विस्फोटक का इसमें इस्तेमाल किया गया। उसके साथ एक पतली स्क्वेयर शीट का इस्तेमाल किया गया। दोनों की कोशिकाओं को आपस में निचोड़ा गया। बताया गया कि बैटरी कोशिकाओं के बीच बाकी स्थान अत्यधिक ज्वलनशील पदार्थ की एक पट्टी द्वारा कब्जा कर लिया गया था, जिसने डेटोनेटर के रूप में काम किया। इस पूरे प्रोसेस की तस्वीर भी दिखाई गई, जिससे पता चलता है कि इस तीन-परत वाले सैंडविच को एक काले प्लास्टिक की स्लीव में डाल दिया गया था और एक धातु के कवर में वो लगभग एक माचिस के आकार का था। दो बम विशेषज्ञों ने बताया कि असेंबली असामान्य थी क्योंकि यह एक स्टैंडर्ड छोटे डेटोनेटर या यूं कहें कि आमतौर पर दिखने वाले मेटल के सिलेंडर पर निर्भर नहीं था।

नवाज शरीफ बोले- जयशंकर का दौरा एक शुरुआतः 75 साल बर्बाद किए अब आगे सोचें, इमरान की वजह से भारत से रिश्ते और खराब हुए

इस्लामाबाद. पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने कहा कि एस जयशंकर का पाकिस्तान दौरा एक शुरुआत है। यहां से भारत और पाकिस्तान को अपने इतिहास को पीछे छोड़कर आगे बढ़ना चाहिए। न्यूज एजेंसी के मुताबिक शरीफ गुरुवार को एससीओ की बैठक में पाकिस्तान गए भारतीय पत्रकारों से बात कर रहे थे। शरीफ ने दोनों देशों के बीच बिगड़े रिश्तों के लिए पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को जिम्मेदार ठहराया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ की गई कुछ टिप्पणियों का जिक्र किया। शरीफ ने कहा कि उन्होंने जिस भाषा का इस्तेमाल किया, उसने भारत के साथ संबंधों को खराब कर दिया। नेताओं को ऐसी भाषा बोलना तो दूर, सोचना भी नहीं चाहिए।

शरीफ बोले- मैंने रिश्ते सुधारने की कोशिश की, लेकिन ये नहीं हो पाया

शरीफ ने कहा, 'मैंने दोनों देशों के बीच रिश्ते सुधारने की कोशिश की थी, लेकिन बार-बार खराब होते गए। मोदी हमसे मिलने लाहौर आए थे। उन्होंने मेरी मां के साथ भी काफी देर तक बातचीत की थी। ये कोई छोटी बात नहीं थी। खासकर हमारे देशों इसका बड़ा मतलब है।' नवाज शरीफ ने ये भी कहा, 'मेरे पिता के पासपोर्ट में उनका जन्मस्थान अमृतसर लिखा है। हम एक ही संस्कृति, परंपरा, भाषा, भोजन साझा करते हैं। मैं इस बात से खुश नहीं हूं कि हमारे रिश्ते में एक लॉन्ग पॉज (लंबा विराम) आ चुका है। भले ही लीडर्स के बीच अच्छा व्यवहार न हो, लेकिन लोगों के बीच रिश्ता बहुत बढ़िया है। मैं पाकिस्तान के उन लोगों की तरफ से बोल सकता हूं जो भारत के लोगों के लिए सोचते हैं और मैं भारतीय लोगों के लिए भी यही कहूंगा।'

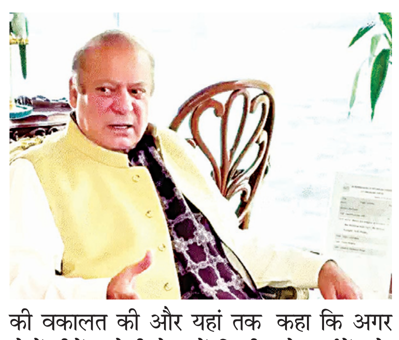

नवाज शरीफ ने भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट संबंधों को फिर से शुरू करने की वकालत की और यहां तक कहा कि अगर दोनों टीमें पड़ोसी देश में किसी बड़े टूर्नामेंट के फाइनल में खेलती हैं तो वह भारत की यात्रा करना चाहेंगे। शरीफ ने कहा कि एक-दूसरे के देशों में टीमें न भेजने से हमें कोई फायदा नहीं है। शरीफ ने दोनों पक्षों के बीच व्यापारिक संबंधों को बहाल करने की बात की। उन्होंने कहा कि भारतीय और पाकिस्तानी किसानों और उत्पादकों को अपना सामान बेचने के लिए बाहर क्यों जाना चाहिए? अब माल दुबई के रास्ते अमृतसर से लाहौर जाता है। इससे किसे फायदा हो रहा है? जिस काम में दो घंटे लगने चाहिए, उसमें अब दो हफ्ते लगते हैं। शरीफ ने 1999 में वाजपेयी की लाहौर यात्रा को भी याद किया। उन्होंने कहा- वाजपेयी आज भी लाहौर घोषणापत्र और उस समय के उनके शब्दों के लिए याद किया जाता है। मैं उस यात्रा के वीडियो देखता हूं, क्योंकि वो सब याद करके बहुत अच्छा लगता है।" अपने पिता के बगल में बैठी पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने भी भारत की यात्रा करने की इच्छा जताई। उन्होंने कहा, "जब मैं करतारपुर गई थी, तब मुझे भारतीय तीर्थयात्रियों से बहुत प्यार मिला। मैं भारत, ख़ासतौर पर पंजाब जाना पसंद करूंगी।" इस पर शरीफ ने कहा, "सिर्फ पंजाब ही क्यों? हिमाचल, हरियाणा और दूसरे राज्यों में भी जाइए।"

नवाज शरीफ ने कही दिल की बात बोले- मेरी दिली तमन्ना है कि भारत जाऊं

भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के समिट में भाग लेने के लिए पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद पहुंचे तो सवाल यह भी था कि क्या भारत-पाकिस्तान के क्रिकेट संबंध आगे बढ़ेंगे? भारतीय टीम लंबे अर्से से पाकिस्तान में नहीं खेल रही है, वहीं जब भी कोई आईसीसी (इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसलि) या एसीसी (एशयिन क्रिकेट काउंसलि) का टूर्नामेंट होता है तो भी भारतीय टीम किसी न्यूट्रल वेन्यू पर खेलती है। 2025 में आईसीसी चैम्पयिंस ट्रॉफी पाकिस्तान में होनी है, ऐसे में अब तक का जो अपडेट है, उसके अनुसार भारतीय टीम हाइब्रिड मॉडल के तहत अपने मुकाबले खेलेगी। वहीं भारत और पाकिस्तान के मंत्रियों की बैठक क्रिकेट पर होनी थी, जो एससीओ समटि के दौरान नहीं हो पाई। इसी बीच भारतीय विदेश मंत्री के दौरे के बीच पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ का बयान आया। वहीं उन्होंने भारत पाकिस्तान के क्रिकेट संबंधों पर भी बात की। उन्होंने एससीओ सम्मेलन में भाग लेने के लिए इस्लामाबाद में आए भारतीय विदेश मंत्री की यात्रा को एक शुरुआत बताया। वहीं उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट संबंधों को फिर से शुरू करने की वकालत की और यहां तक कहा कि अगर दोनों टीमें पड़ोसी देश में किसी बड़े टूर्नामेंट के फाइनल में खेलते हैं तो वह भारत आना चाहेंगे। उन्होंने कहा- एक-दूसरे के देशों में टीमें न भेजने से हमें क्या फायदा होगा? वे पूरी दुनिया में खेलते हैं, लेकिन हमारे दोनों देशों में इसकी अनुमति नहीं है। जब उनसे पूछा गया कि क्या भारत को फरवरी में पाकिस्तान में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम भेजनी चाहिए, तो उन्होंने कहा- आपने मेरे दिल की बात कह दी है।

सूडान में 30 लाख से अधिक लोग शरण की तलाश में

जेनेवा(ईएमएस)। सूडान में 18 महीने से जारी संघर्ष ने मानवीय संकट को और भी गहरा कर दिया है। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी के अनुसार, अब तक लगभग 30 लाख शरणार्थी और वापस लौटे सूडानी लोग अपनी जान बचाने के लिए पड़ोसी देशों की शरण में जा चुके हैं। इनमें अधिकांश लोग मध्य अफ्रीकी गणराज्य, चाड, मिस्र, इथियोपिया, लीबिया, दक्षिण सूडान और युगांडा में शरण ले रहे हैं।संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मामलों के समन्वय कार्यालय ने सूडान में लगातार हो रहे विस्थापन पर गहरी चिंता व्यक्त की है। अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन संगठन के अनुसार, अक्टूबर के पहले पखवाड़े में ही लगभग 40,000 लोग सूडान के भीतर विस्थापित हुए हैं। पिछले साल अप्रैल में शुरू हुए संघर्ष के बाद से अब तक सूडान में आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों की संख्या बढ़कर 8.2 मिलियन हो गई है, जिससे देश के भीतर मानवीय संकट गहरा गया है।

पीएम ट्रूडो ने इस्तीफा नहीं दिया तो पाकिस्तान की तरह हो जाएगा कनाडा

टोरंटो(ईएमएस)। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो पर वहां के सांसद लगातार इस्तीफा देने का दबाव बना रहे हैं। बागी सांसदों का कहना है कि ट्रूडो ने पद नहीं छोड़ा तो कनाडा का बहुत बुरा हाल हो जाएगा। आंतरिक राजनीतिक कलह से उनके लिए इस्तीफा से कहीं अधिक गंभीर खतरे की स्थिति उत्पन्न होती जा रही है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि अगर वह खालिस्तानी अलगाववाद पर अपना निष्क्रिय रुख जारी रखते हैं, तो उनके देश का हाल पाकिस्तान की तरह खतरनाक हो सकता है। बता दें इससे पहले हिलेरी क्लिंटन ने अमेरिकी विदेश मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा था, आप अपने पिछवाड़े में सांप नहीं पाल सकते और उम्मीद नहीं कर सकते कि वे केवल आपके पड़ोसी को ही काटेंगे। आज के समय में यही चेतावनी कनाडा के लिए भी सच हो सकती है यदि वह खालिस्तानी आंदोलन की गतिविधियों पर आंखें मूंद लेता है। जिस तरह पाकिस्तान अब चरमपंथी गुटों के प्रति अपनी

नरमी के परिणामों से जूझ रहा है, कनाडा भी खुद को इसी तरह की स्थिति में पा सकता है। अगर उसने अपनी नीतियों में तेजी से बदलाव नहीं किया तो कनाडा का पाकिस्तान जैसा हाल हो सकता है। कनाडा में सरकार द्वारा मिल रहे संरक्षण से उत्साहित खालिस्तानी जल्द ही अपनी हिंसा का शिकार कनाडा को बना सकते हैं। वहां पहले से ही पत्रकारों और बिजनेसमैन सहित भारतीय-कनाडाई नागरिकों को निशाना बनाया जा रहा है। उन्हें धमकी दी जा रही है। दुनिया ने देखा है कि कैसे पाकिस्तान द्वारा आतंकवादी गुटों को बढ़ावा देने से उसका हाल फटेहाल हो गया। कई विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि कनाडा भी इसी तरह के खतरनाक रास्ते पर चल सकता है। पाकिस्तान ने लश्कर-ए-तैयबा और तालिबान जैसे आतंकवादी संगठनों का समर्थन किया। पाकिस्तान ने ऐसा करके भारत और अफगानिस्तान में रणनीतिक लाभ उठाने की कोशिश की। हालांकि, समूह इतने शक्तिशाली हो गए कि उन्हें नियंत्रित करना मुश्किल हो गया। अब वे वहां की सरकार के विरुद्ध हो गए।ट्रूडो का दृष्टिकोण राजनीतिक रूप से सुविधाजनक लग सकता है। जगमीत सिंह की न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी के साथ उनकी पार्टी के गठबंधन ने उनकी अल्पमत सरकार को बचाए रखा है। उन्हें संसद में विश्वास मत हासिल करने में मदद मिली। सिख आबादी की संख्या भले ही कनाडा में कम है, लेकिन कुछ ही हिस्सों में होने के कारण उनका अपना एक राजनीतिक प्रभाव है।

उग्रवाद का सेंटर बना कनाडा

भारत ने बार-बार चिंता जताई है कि कनाडा भारत के बाहर सिख उग्रवाद का केंद्र बन चुका है। ट्रूडो पर राजनीतिक लाभ के लिए भारत विरोधी अलगाववादी गतिविधियों को पनपने देने का आरोप लगाया है। इससे दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण संबंध बन गए हैं। दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध ऐतिहासिक रूप से सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए हैं। इसे और बदतर बनाने के लिए ट्रूडो ने अब एक सार्वजनिक जांच में स्वीकार किया है कि जब उन्होंने भारत के खिलाफ आरोप लगाए थे तो उनके पास कोई ठोस सबूत नहीं था।कनाडा में ड्रग तस्करी से लेकर मनी लॉन्ड्रिंग तक का एक मजबूत नेटवर्क फैल गया है। 1990 के दशक में कनाडाई अधिकारियों को इन गतिविधियों के बारे में तब पता चला जब खालिस्तानी संगठनों से जुड़े ड्रग डीलरों की हत्या कर दी गई। हाल ही में 2023 तक भारतीय मूल के प्रमुख कनाडाई पत्रकारों को खालिस्तानियों के खिलाफ बोलने के लिए हिंसक हमलों का सामना करना पड़ा है। इसके बावजूद ट्रूडो की सरकार ने कोई कदम नहीं उठाया।

कनाडा के पीएम ट्रूडो पर इस्तीफे का दबाव

घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय मोर्चों पर कठिनाइयों का सामना कर रहे कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की मुश्किलें और बढ़ने वाली हैं। उनकी अपनी लिबरल पार्टी के कुछ सांसदों ने अब सार्वजनिक रूप से उनके खिलाफ बोलने के साथ-साथ औपचारिक रूप से उनके इस्तीफे की मांग करने की योजना बनाई है। कनाडा की रिपोर्ट के अनुसार, कम से कम 20 सांसदों ने ट्रूडो को पद से हटाने की मांग पर हस्ताक्षर करने के लिए सहमति दी है।ट्रूडो हाल ही में विदेशी हस्तक्षेप के मुद्दे पर भी आलोचना का सामना कर रहे हैं। उन पर आरोप लगाया गया है कि उनके पास कंजर्वेटिव सांसदों के नाम हैं जो विदेशी हस्तक्षेप में शामिल हो सकते हैं। इस आरोप पर कंजर्वेटिव नेता पियरे पोइलिवरे ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए ट्रूडो को उन सांसदों के नाम सार्वजनिक करने की चुनौती दी है। यह संकट ऐसे समय में सामने आया है जब ट्रूडो को नेतृत्व की आलोचनाओं से घिरते हुए देखा जा रहा है, और पार्टी के भीतर असंतोष बढ़ता जा रहा है। यदि यह विरोध और गहराता है, तो ट्रूडो के लिए अपनी स्थिति बनाए रखना मुश्किल हो सकता है।अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रूडो को बाहर करने के प्रयास अब गंभीर रूप लेते जा रहे हैं। कॉकस के सदस्य अगले कुछ दिनों में औपचारिक रूप से पार्टी नेतृत्व से ट्रूडो का इस्तीफा मांगने की योजना बना रहे हैं।

अंडा खाना सेहत के लिए क्यों अच्छा होता है?

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए कई तरह के पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है। इन पोषक तत्वों की जरूरत को आहार के माध्यम से पूरा किया जाता है। ऐसे में अंडे का सेवन कर शरीर को पोषित करने में मदद मिल सकती है। अंडा कई पोषक तत्वों से समृद्ध होता है, जो शरीर को शारीरिक और मानसिक लाभ पहुंचाने का काम कर सकते हैं।

अंडे का सेवन करना सेहत के लिए अच्छा हो सकता है, क्योंकि इसमें पोषक तत्वों की अधिकता होती है। इसमें मुख्य रूप से प्रोटीन, एसेंशियल अनसैचुरेटेड फैटी एसिड्स (लिनोलिक, ओलिक एसिड), आयरन, विटामिन ए, बी 6, बी 12, फोलेट, एमिनो एसिड, फास्फोरस और सेलेनियम पाए जाते हैं। वहीं, इसमें मौजूद विटामिन ए, विटामिन बी 12 और सेलेनियम शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकते हैं। इसके अलावा, अंडे में पाए जाने वाले जेक्सैंथिन और ल्यूटिन आंखों के लिए लाभकारी हो सकता है । अंडे से जुड़ी अन्य स्वास्थ्य लाभ के बारे में हम आगे विस्तारपूर्वक बताने जा रहे हैं।

अंडे के फायदे

बेनिफिट्स ऑफ एग यानी अंडा खाने के फायदे कई हो सकते हैं। अंडा नीचे बताई गई किसी शारीरिक समस्या का इलाज नहीं है। यह सिर्फ इनसे बचाव या इनके जोखिम को कम करने में मददगार हो सकता है।

1. वजन कम करने के लिए

वजन को कम करने और नियंत्रित रखने के लिए अंडे का सेवन मददगार हो सकता है। इस संबंध में किए गए एक वैज्ञानिक शोध से यह पता चलता है कि अंडे में भरपूर मात्रा में प्रोटीन होता है। प्रोटीन, शरीर में लंबे समय तक ऊर्जा को बनाए रखने और पेट को भरे रखने का काम कर सकता है। इससे बार-बार खाने की आदत पर रोक लग सकता है और शरीर में जाने वाली कैलोरी की मात्रा नियंत्रित हो सकती है। यह प्रक्रिया बढ़ते वजन पर काबू पाने में मदद कर सकती है। वजन घटाने के लिए अंडे के सेवन के साथ ही एक्सरसाइज को भी दिनचर्या में शामिल करें।

2. हड्डियों के लिए

जब अंडे खाने के लाभ की बात की जाए, तो हड्डियों का जिक्र होना जरूरी है। एनसीबीआई की वेबसाइट पर प्रकाशित एक वैज्ञानिक रिसर्च के अनुसार, कुछ बच्चों को एक निर्धारित समय तक प्रतिदिन अंडे का सेवन कराया गया। शोध में पाया गया है कि अंडे का सेवन हड्डियों को मजबूती प्रदान कर सकता है और हड्डियों के जुड़ी बीमारियों के जोखिम को भी कम कर सकता है। इन लाभ के पीछे अंडे में मौजूद कैल्शियम, विटामिन डी और प्रोटीन की भूमिका अहम हो सकती है।

3. आंखों के लिए

उबला अंडा खाने के फायदे आंखों के लिए भी हो सकता है। दरअसल, अंडे में जेक्सैंथिन और ल्यूटिन नामक पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो मैक्यूलर डिजनरेशन (आंखों की पुतली से जुड़ी समस्या) की समस्या को रोकने में मदद कर सकते हैं। मैक्यूलर डिजनरेशन के कारण ऐज रिलेटेड ब्लाइंडनेस की समस्या उत्पन्न हो सकती है, जो बढ़ती उम्र के साथ आंखों की रोशनी को कम कर सकता है। ऐसे में मैक्यूलर डिजनरेशन की समस्या के दूर रहने पर आंखों को स्वस्थ रखा जा सकता है।

4. मस्तिष्क के लिए

अंडा मस्तिष्क के लिए बेहतरीन आहार माना जा सकता है। जैसा कि हमने ऊपर लेख में बताया है कि अंडे में ओमेगा-3 फैटी एसिड व विटामिन-बी12 होते हैं, जो मस्तिष्क की कार्य क्षमता को बढ़ाने का काम कर सकते हैं। इसके अलावा, अंडे की जर्दी में कोलीन होता है, जो एक तरह का एसेंशियल न्यूट्रिएंट होता है। यह नर्वस सिस्टम यानी तंत्रिका तंत्र को स्वस्थ रखने के लिए जरूरी होता है। इसलिए, दिमाग को तेज करने के लिए अंडे का सेवन करने सलाह दी जाती है। वहीं, एक अन्य शोध की मानें, तो इसमें जरूरी मिनरल और विटामिन होते हैं, जो तंत्रिका तंत्र, मस्तिष्क और याददाश्त के लिए कोशिकाओं को ठीक तरह से काम करने में मदद कर सकते हैं।

5. ऊर्जा बढ़ाने के लिए

सुबह अंडे खाने के फायदे पूरे दिन शरीर में ऊर्जा को बनाए रखने के लिए हो सकता है। अंडे में शरीर के लिए प्रतिदिन के जरूरी एसेंशियल विटामिन्स और मिनरल्स होते हैं, जो शरीर की सभी कोशिकाओं में ऊर्जा का उत्पादन करने का काम कर सकते हैं। इससे अधिक समय तक शरीर में ऊर्जा को बनाए रखने में मदद मिल सकता है। ऐसे में कहा जा सकता है कि सुबह अंडे खाने के फायदे शरीर में दिनभर ऊर्जा बनाए रखने के लिए हो सकता है।

6. मांसपेशियों के निर्माण के लिए

अंडे से होने वाले कई फायदों में से एक मांसपेशियों को लाभ पहुंचाना भी शामिल है। अंडे के सफेद भाग में प्रोटीन और अमीनो एसिड्स की भरपूर मात्रा पाई जाती है। ये पोषक तत्व शरीर में मांसपेशियों के निर्माण करने में सहायक होते हैं। साथ ही इसके सेवन से मांसपेशियां मजबूत बनी रह सकती हैं। इसी कारण जिम जाने वाले अक्सर जिम के बाद अंडे का सेवन करते है।

7. कैंसर से बचने के लिए

अंडे खाने के लाभ कैंसर से बचाव में सहायक हो सकते हैं। इस संबंध में किए गए वैज्ञानिक रिसर्च से पता चलता है कि एग वाइट और योल्क प्रोटीन में एंटी-कैंसर गतिविधि होती है, जो कैंसर सेल्स को पनपने से रोकने में कुछ हद तक मदद कर सकती हैं। इससे कैंसर होने का जोखिम कम हो सकता है। पाठक इस बात का भी ध्यान रखें कि अंडा कैंसर को जोखिम को कम करने में कुछ हद तक मददगार हो सकता है, लेकिन इसे किसी भी तरीके से कैंसर का इलाज न समझा जाए। अगर किसी को कैंसर की समस्या है, तो डॉक्टर द्वारा बताए गए इलाज को ही अपनाएं।

8. ब्लड प्रेशर के लिए

जिन लोगों को उच्च रक्तचाप की शिकायत है, उनके लिए अंडे का सेवन लाभकारी हो सकता है। दरअसल, अंडे का सेवन करने से रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है। इससे जुड़े एक वैज्ञानिक शोध में जिक्र मिलता है कि अंडे का सफेद भाग (Egg White) एंटी-हाइपरटेंसिव (रक्तचाप को कम करने वाला) प्रभाव प्रदर्शित कर सकता है। अंडे का सफेद भाग रक्त वाहिकाओं के आकारा को कर सकता है। इससे उनकी गतिविधि बेहतर हो सकती है। इसलिए, ऐसा माना जा सकता है कि अंडे के सफेद भाग को खाने से रक्तचाप को सामान्य बनाए रखने में मदद मिल सकती है।

9. प्रतिरक्षा प्रणाली के लिए

शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने के लिए भी एग खाने के फायदे हो सकते हैं। एक मेडिकल रिसर्च के मुताबिक, अंडे में विटामिन ए, विटामिन बी 12 और सेलेनियम पाए जाते हैं, जो प्रतिरक्षा प्रणाली को स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इससे कई बिमारियों को दूर रखने में मदद मिल सकता है।

10. प्रोटीन का अच्छा स्रोत

अंडा में प्रोटीन भरपूर मात्रा में पाई जाती है। प्रोटीन शरीर के प्रत्येक कोशिकाओं में होता है। प्रोटीन शरीर के कोशिकाओं को रिपेयर और नए कोशिका के निर्माण में अहम भूमिका निभाते हैं। इसके अलावा, प्रोटीन बच्चों, टीनेज और गर्भवती के विकास के लिए भी महत्वपूर्ण होता है। शरीर में प्रोटीन की पूर्ति के लिए अंडे का सेवन किया जा सकता है। वहीं, गर्भावस्था के दौरान इसका सेवन करने से पहले एक बार संबंधित डॉक्टर से परामर्श जरूर लें।

11. गर्भवस्था के लिए

अंडे के फायदे गर्भावस्था के लिए भी देखे जा सकते हैं। एनसीबीआई की वेबसाइट पर प्रकाशित एक वैज्ञानिक अध्ययन में दिया हुआ है कि अंडे गर्भवती को पर्याप्त पोषण देता है और होने वाले बच्चे को जन्म के बाद स्वस्थ रखने में मदद कर सकता है। अंडे में जरूरी प्रोटीन, विटामिन और मिनरल होते हैं, जो भ्रूण के अच्छी तरह विकास में मदद कर सकते हैं। लेकिन, इस

बात का ध्यान जरूर रहे कि अच्छी तरह पके हुए अंडे का ही सेवन करें।

12. त्वचा के लिए

अंडे का उपयोग त्वचा के लिए भी लाभकारी साबित हो सकता है। दरअसल, अंडे के वाटर सोल्यूबल एग मेम्ब्रेन (एग व्हाइट और एगशेल के मध्य टिश्यू की सुरक्षात्मक परत) त्वचा की झुर्रियों को कम करने में मदद कर सकता है। साथ ही अंडे का उपयोग फ्री रेडिकल्स और डैमेज टिश्यू की समस्या को कम कर एजिंग की समस्या को कम कर सकता है। फिलहाल, इस पर अभी और शोध की आवश्यकता है।

13. बालों और नाखून के लिए

एग के फायदे बालों के लिए भी हो सकते हैं। अंडे की जर्दी में मौजूद वाटर सोल्यूबल पेपटाइट बालों के विकास में अहम भूमिका निभा सकता है। साथ ही अंडे को बालों में लगाने के लिए भी उपयोग कर सकते हैं। इससे बालों से जुड़ी कई समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है। इसके अलावा, अंडे का उपयोग नाखून के लिए भी फायदेमंद हो सकते हैं। दरअसल, बायोटिन (विटामिन-एच) की कमी के कारण नाखून के टूटने की समस्या उत्पन्न हो सकती है। ऐसे में अंडे के सेवन से बायोटिन की कमी को पूरा किया जा सकता है और नाखून टूटने की समस्या से बचा जा सकता है।

अंडे का उपयोग

अंडे का उपयोग कई तरह से किया जा सकता है। हालांकि, लोगों को कुछ ही उपयोग के बारे में पता होता है। यहां हम अंडे के उपयोग करने के तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं।

कैसे खाएंः

- अंडा को उबलकर खा सकते हैं।
- एग भुर्जी बनाकर खाया जा सकता है।
- अंडे की आमलेट बनाई जा सकती है।
- ब्रेड के साथ ब्रेड-आमलेट के रूप में सेवन किया जा सकता है।
- इससे एग रोल बनाई जा सकती है।
- एग करी बनाकर चावल या रोटी के साथ खा सकते हैं।
- अंडे को केक बनाने के लिए उपयोग कर सकते हैं।
- अंडा बिरयानी बनाकर खाया जा सकता है।
- एग फ्राइड राइस के रूप में ले सकते हैं।
- एग बर्गर बनाया जा सकता है।

कब खाएंः

- इससे बने आमलेट या ब्रेड आमलेट को सुबह नाश्ते में खा सकते हैं।
- सुबह या शाम के जिम के बाद उबले हुए अंडे खा सकते हैं।
- लंच या डिनर में एग फ्राइड राइस, बिरयानी या एग करी का सेवन किया जा सकता है।
- शाम के स्नैक्स में एग रोल लिया जा सकता है।

कितना खाएंः

रोजाना अंडे का सेवन कितना किया जाए, यह उम्र और हेल्थ को ध्यान में रखकर ही निर्धारित किया जा सकता है। छोटे बच्चों को प्रतिदिन एक अंडा देना अच्छा हो सकता है। वहीं, बड़ों को भी एक अंडा दे सकते हैं। फिलहाल, इस बात की पुष्टि करने के लिए किसी तरह का सटीक वैज्ञानिक प्रमाण उपलब्ध नहीं है। इसलिए, अपने लिए अंडे के सेवन की उचित मात्रा जानने के लिए आहार विशेषज्ञ से संपर्क कर सकते हैं।

अंडे का पीला भाग या सफेद भाग – कौन-सा ज्यादा सेहतमंद है?

अक्सर कई लोगों को यह कहते सुना ही होगा कि अंडे का सिर्फ सफेद भाग खाना चाहिए और पीले भाग को नहीं खाना चाहिए। लोग यही सोचते है कि पीला भाग सेहत के लिए अच्छा नहीं होता है। यहां हम अंडे के कौन-सा भाग ज्यादा सेहतमंद होता है, इस बारे में बताएंगे।

अंडे के सफेद भाग – अंडे के सफेद भाग में भरपूर मात्रा में प्रोटीन, एसेंशियल अमीनो एसिड और विटामिन होते हैं, जो शरीर को स्वस्थ रखने के लिए जरूरी होते हैं। वहीं, अंडे के उपयोग से जले हुए घाव के इलाज में भी मदद मिल सकती है। ऐसे में कहा जा सकता है कि अंडे के सफेद भाग के फायदे अधिक हो सकते है।

अंडे का पीला भाग– अंडे के पीले भाग यानी अंडे की जर्दी में कोलेस्ट्रोल और फैट अधिक मात्रा में पाया जाता है। इसलिए, अंडे के पीले भाग को खाने से शरीर में कोलेस्ट्रोल की मात्रा बढ़ सकती है । इसलिए, इसकी सीमित मात्रा का सेवन करना चाहिए।

अंडे खरीदने के समय किन चीज़ों का ध्यान रखना चाहिए?

अंडे खाने के लाभ तभी होगा जब सही अंडे का चुनाव किया जाए। ऐसे में अगर जानना चाहते हैं कि अंडे खरीदते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए, तो आर्टिकल के इस भाग में दी जा रही जानकारी आपके लिए ही है।

- अंडे खरीदते समय ध्यान रखें कि अंडे कहीं से क्रैक तो नहीं है।
- सामान्य आकार के अंडे का चयन करें।
- अंडे को स्टोर में रखे काफी समय हुआ हो, तो ऐसे अंडे को न खरीदें। कई बार अंडे को लंबे समय तक रखने से खराब हो जाता है।
- अंडा ताजा है या नहीं यह जानने के लिए अंडे को पानी में डाल सकते हैं। अगर अंडा पानी में डूबता है, तो इसका मतलब यह है कि वह अंडा ताजा है।

अंडे को लम्बे समय तक सुरक्षित कैसे रखे?

कई लोग इस दुविधा में रहते हैं कि ज्यादा अंडे खरीदने पर उसे लंबे समय तक सुरक्षित कैसे रखें। वे आज इस परेशानी से मुक्त हो जाएंगे, क्योंकि नीचे हम अंडे को सुरक्षित रखने के तरीके बता रहे हैं।

- एग को ऐसे स्थान में न रखे जहां उसे किसी चीज से झटका लगे।
- अंडे को हमेशा उसके लिए तैयार किया गया क्रेट में रखे।
- इसे फ्रिज में रखकर लंबे समय तक सुरक्षित रख सकते हैं।

अंडे के नुकसान

- अंडा खाने के फायदे और नुकसान इस बात पर निर्भर करता हैं कि अंडे को कितना और कैसे खाया जा रहा है। इन बातों को ध्यान में रखते हुए नीचे हम एग खाने के नुकसान पर एक नजर डालेंगे।
- अंडे में कोलेस्ट्रॉल की समृद्ध मात्रा पाई जाती है, जिससे कि इसके नियमित रूप से अधिक मात्रा में सेवन से हृदय रोग के जोखिम बना रहता है।
- अंडे खाने के नुकसान में एलर्जी भी शामिल है। दरअसल, कई लोगो को अंडे के सेवन से एलर्जिक रिएक्शन हो जाता है।
- अंडे को ठीक तरह पकाएं बिना सेवन करने से उलटी और दस्त जैसी समस्या हो सकती हैं। जिन्हें मधुमेह और हृदय रोग की समस्या है, उन्हें अंडे के अधिक सेवन से बचना चाहिए।

गर्मियों में इस तरह करें पैरों की देखभाल

गर्मी के मौसम में हम अपने चेहरे का तो खास ख्याल रख लेते हैं लेकिन हम अपने पैरों को भूल जाते है। तपती धूप और धूल के कारण पैरों की स्किन ज्यादा डार्क और टैन हो जाती हैं। अगर पैरों का सही तरीके से ख्याल रखा जाए तो ये आसानी से नाजुक और सुंदर भी बन सकते हैं।

साफ, स्क्रब और मॉइश्चराइजर

सबसे पहला स्टेप है अपने पैरों को अच्छी तरह से धो कर साफ रख लें। वहीं, कुछ देर पैरों को साबुन वाले पानी में डुबोएं ताकि गंदगी जा सकें। इसके बाद अपने पैरों को अच्छे से साफ कर लें और फिर फुट मॉइश्चराइजर क्रीम का इस्तेमाल करें।

सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें

लोग अक्सर गर्मियों में सनस्क्रीन का इस्तेमाल करते हैं लेकिन पैरों को भूल जाते हैं। ऐसे में जरूरी है कि आप पैरों पर भी सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें। ये त्वचा को टैनिंग से बचाता है।

रोजाना नाखूनों पर नेल पेंट न लगाएं

हम अक्सर देखते हैं कि आज के समय में लड़कियां बिना नेल पेंट लगाएं घर से बहार नहीं निकलती, तो ऐसे में जरूरी हैं कि कम से कम एक हफ्ते तक नेल पेंट न लगाया जाएं। इससे आपके नाखून को ऑक्सीजन मिलेगा और वह कालेपन से बचेंगे।

कॉटन के मोजों का इस्तेमाल करें

हमेशा कॉटन के मोजों का इस्तेमाल करें और पसीने से गीले हो गए मोजों को बदलने में देर न करें। नायलॉन के मोजों को उपयोग में न लाएं तो बेहतर होगा।

पैरों को ठीक से सुखाएं

- गीले पैरों को सही तरह से साफ करने के बाद उनके सूखने के बाद ही जूते पहनें।
- नंगे पांव बिल्कुल न चलें
- नंगे पांव चलने से आपके पैरों की त्वचा को नुकसान हो सकता हैं।

जूतों को साफ रखें

गर्मियों में मोजा या जूते पहनने के पहले पैरों पर थोड़ा पाउडर लगाने से पैरों में नमी बनी रहती हैं। बिना धुले मोजों को बिल्कुल न पहनें और लगातार एक ही जोड़ी जूते पहनने से भी बचें।

अंगूर से बने फेस पैक से पाएं ग्लोइंग स्किन

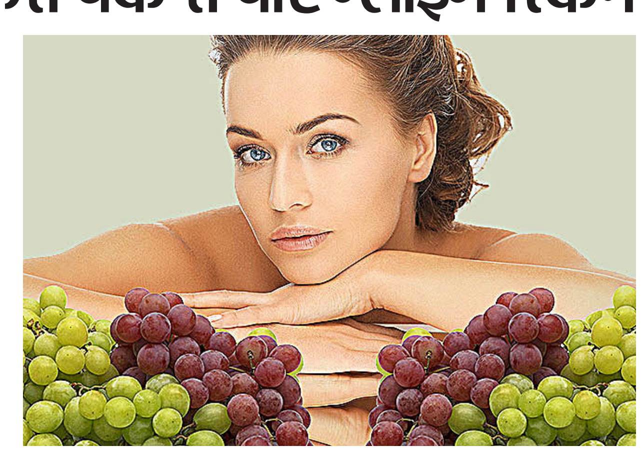

अंगूर और स्ट्रॉबेरी

इसके लिए अंगूर और स्ट्रॉबेरी को एक बाउल में लेकर अच्छी तरह से मैश कर लें। इसमें एक चम्मच शहद मिलाएं और इस पैक को चेहरे और गर्दन पर कम से कम 20 मिनट तक लगाकर रखें। 20 मिनट बाद गुनगुने पानी से चेहरा धो लें।

शहद और अंगूर

असरदार होने के साथ ही ये झटपट से बनने वाले फेस पैक है। इसके लिए चार से पांच अंगूर के दाने लेकर इसे मैश कर लें और फिर इसमें एक चम्मच शहद का मिलाएं। चेहरे पर इस पैक को लगाकर 20 मिनट रखें फिर नॉर्मल पानी से धो लें।

अंगूर और दही

अंगूर का छिलका उतारकर इसके गूदे को अच्छी तरह से मैश कर लें और इसमें एक चम्मच दही मिलाएं। चाहें तो कुछ बूंदें नींबू की भी डाल सकते हैं। चेहरे पर पैक को अच्छी तरह लगाएं और सूखने के बाद गुनगुने पानी से धो लें।

कीवी और अंगूर

अंगूर और कीवी की बराबर मात्रा लेते हुए इनका गूदा निकालें और दोनों को आपस में मिक्स कर लें। चेहरे को धोने के बाद इस पर ये पैक लगाएं और अच्छी तरह सूखने दें। इसके बाद पैक को गुनगुने पानी की मदद से हटाएं।

अंगूर और सेब

सेब का छिलका उतारकर इसका पेस्ट बना लें। इसमें फिर अंगूर का पल्प मिलाएं। दोनों को मिक्स करते हुए चेहरे पर लगाएं। कम से कम आधे घंटे तक इस पैक को चेहरे पर लगाएं रखें। रोजाना इस्तेमाल से चेहरा साफ और ग्लो करने लगेगा।

भारत-न्यूजीलैंड पहला टेस्ट, सरफराज और कोहली की फिफ्टी

बेंगलुरू (ईएमएस)। न्यूजीलैंड की टीम भारत के खिलाफ बेंगलुरु टेस्ट की पहली पारी में 402 रन पर ऑलआउट हो गई है। टीम ने 356 रन की बढ़त हासिल की। तीसरा सेशन जारी है। भारतीय टीम ने दूसरी पारी में 2 विकेट के नुकसान पर 228 रन बना लिए हैं। विराट कोहली और सरफराज खान नाबाद हैं। दोनों अपनी-अपनी फिफ्टी पूरी कर चुके हैं। कोहली और सरफराज दोनों के बीच शतकीय साझेदारी पूरी हो चुकी है। रोहित शर्मा 52 और यशस्वी जायसवाल 35 रन बनाकर आउट हुए। दोनों विकेट एजाज पटेल ने लिए। शुक्रवार को तीसरे दिन न्यूजीलैंड ने 180/3 के स्कोर से शुरुआत की। 22 रन से आगे खेलने उतरे रचिन रवींद्र ने शतक जमाया। उन्होंने 157 बॉल पर 13 चौके और 4 छक्के के सहारे 134 रन बनाए। रचिन एक ओर से रन बनाते रहे और दूसरे छोर से विकेट गिरते रहे। डेरिल मिचेल (18 रन), टॉम ब्लंडेल (5 रन), ग्लेन फिलिप्स (14 रन) और मैट हेनरी (8 रन) पहले सेशन में आउट हुए। ऐसे में टिम साउदी ने रचिन रवींद्र के साथ 8वें विकेट के लिए रिकॉर्ड साझेदारी की। 3 मैचों की सीरीज के पहले मैच के दूसरे दिन न्यूजीलैंड ने भारत को पहली पारी में 46 रन पर ऑलआउट किया। पहले दिन का खेल बारिश की वजह से नहीं हो सका।

कीवी बल्लेबाजों ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 402 रन बनाये

न्यूजीलैंड ने यहां पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में अपनी पहली पारी में 402 रन बनाकर भारतीय टीम पर शिकंजा कस दिया है। उसे पहली पारी में एक बड़ी बढ़त मिल गयी है। कीवी टीम ने भारतीय गेंदबाजों की जमकर पिटाई करते हुए चार ओवर में ही 58 रन बना दिये। इस मैच में भारतीय टीम पहली पारी में 46 रनों पर ही सिमट गयी थी। इसके बाद उसके बल्लेबाजों ने टी20 के अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए 3 ओवर में ही इतने रन बना दिए, जितने भारत ने अपनी पहली पारी में नहीं बनाए थे। इस पूरे मैच में भारतीय टीम सिर्फ तीसरे दिन पहले घंटे में ही तीन विकेट ले पायी। कीवी बल्लेबाजों ने इसके बाद मैच बदल दिया। उसने 78वें से 81वें ओवर के बीच में 58 रन बना दिये। न्यूजीलैंड की पारी का 78वां ओवर आर अश्विन ने किया। कीवी टीम ने इस ओवर में 15 रन बनाए। टिम साउदी ने ओवर में छक्का लगाया जबकि रचिन रवींद्र ने चौका लगाया। पारी का 79वां ओवर रवींद्र जडेजा ने किया इसपर 13 रन बने। रचिन ने इस ओवर में एक छक्का और एक चौका लगाया। वहीं अगले ओवर में अश्विन आये। इसमें साउदी और रचिन ने 20 रन बना दिये। साउदी ने ओवर में 1 छक्का और दो चौके लगाये। रचिन ने भी एक चौका मारा. इस तरह न्यूजीलैंड ने 78वें से 80वें ओवर में 48 रन बनाए, जो भारत की पहली पारी (46) से भी अधिक थे।

रचिन ने आक्रामक अंदाज में शतक लगाकर दिखाया पिच में नहीं कोई खराबी

यहां के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में जहां भारतीय बल्लेबाज एक के बाद एक पेवेलियन लौट रहे थे । वहीं इसी मैदान पर न्यूजीलैंड के बल्लेबाज रचिन रविंद्र ने शानदार शतक लगाकर दिखा दिया कि पिच को दोष नहीं दिया जा सकता। रचिन ने 124 गेंदों में 11 चौके और 2 छक्के लगाते हुए 2012 के बाद इस मैदान पर शतक लगाया। वहीं इससे पहले रॉस टेलर ने इसी मैदान पर 113 रन बनाये थे। कीवी टीम ने तीसरे दिन जब खेलना शुरू किया तब शुरुआत में भारतीय गेंदबाजों ने दबाव बनाने का प्रयास किया। मोहम्मद सिराज ने डेरिल मिचेल को 18 रनों जबकि जसप्रीत बुमराह ने टॉम ब्लंडेल को मात्र 5 रनों पर आउट कर दिया। इसके बाद ग्लेन फिलिप्स को 14 और मैट हेनरी को रविंद्र जडेजा ने बोल्ड कर भारतीय टीम को मैच में वापसी करायी। इसके बाद उतरे रचिन ने शुरु से अच्छी बल्लेबाजी कर भारतीय गेंदबाजों के इरादों पर पानी फेर दिया। रचिन ने कुछ देर बाद ही आक्रामक अंदाज में रन बनाने शुरु कर दिये। उन्होंने 124 गेंदों में शतक पूरा किया, जिससे न्यूजीलैंड की स्थिति मजबूत हो गई। उनका तेज गेंदबाज टिम साउदी ने भी अच्छा साथ दिया। साउदी ने 50 गेंदों पर 49 रन बना लिए, जिसमें उन्होंने 3 चौके और 3 छक्के लगाए। इस दौरान उन्होंने छक्के लगाने के मामले में वीरेंद्र सहवाग को भी पीछे छोड़ दिया। वहीं इससे पहले, भारतीय टीम अपनी पहली पारी में 46 रनों पर ही सिमट गयी। उसके पांच बल्लेबाज खाता तक नहीं खोल पाये। केवल दो बल्लेबाज ही दो अंकों तक पहुंचे।

छक्के मारने के मामले में साउदी ने सहवाग का रिकार्ड तोड़ा

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज टिम साउदी ने भारतीय टीम के खिलाफ यहां पहली पारी में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए एक नया रिकॉर्ड बना दिया। साउदी ने टेस्ट मैचों में सबसे अधिक छक्के लगाने के मामले में भारतीय टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग को पीछे छोड़ दिया। अब सबसे अधिक छक्के लगाने के रिकॉर्डबुक में साउदी नंबर एक पर हो गये हैं। साउदी ने बल्लेबाजी में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 3 छक्के लगाये। इसके साथ ही साउदी टेस्ट मैचों में सहवाग से ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। साउदी ने इस मैच से पहले 89 छक्के लगाए थे जबकि अब उनके छक्के लगाने की संख्या 92 हो गई है। वहीं सहवाग ने 91 छक्के लगाए हैं। टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक छक्के लगाने के मामले में इंग्लैंड के बेन स्टोक्स नंबर एक पर हैं उनके नाम सबसे अधिक 131 छक्के हैं। वहीं ब्रैंडन मैक्कुलम के नाम 107 छक्के हैं और वह दूसरे नंबर पर हैं। एडम गिलक्रिस्ट 100 छक्के लगाकर तीसरे नंबर पर हैं। क्रिस गेल और जैक कैलिस 98 और 97 छक्के लगाकर चौथे और पांचवें नंबर पर हैं।

सीए ने 46 रनों पर आउट होने पर भारतीय टीम पर व्यंग्य कसा

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच की पहली पारी में भारतीय टीम के केवल 46 रनों पर आउट होने पर तंज कसते हुए हुए ट्रॉल किया है। पहली पारी में भारतीय टीम के पांच बल्लेबाज शून्य पर आउट हुए थे। न्यूजीलैंड के दो तेज गेंदबाज मैट हेनरी और विलियम ओरूर्के ने मिलकर टीम इंडिया के धुरंधर बल्लेबाजों को समेट दिया। इसके साथ ही भारत ने घरेलू मैदान पर अपना सबसे कम स्कोर और कुल मिलाकर तीसरा सबसे कम टेस्ट स्कोर दर्ज किया है। इससे पहले भारत का घरेलू मैदान पर सबसे कम स्कोर 75 रन था जो उसने 1987 में नई दिल्ली में वेस्टइंडीज के खिलाफ बनाया था। उनका सबसे कम स्कोर 36 रन था जो उसने 2020 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गुलाबी गेंद से खेले गए एडिलेड टेस्ट में बनाया था। भारत की खराब बल्लेबाजी के लिए आलोचना करते हुए सीए ने 2020/21 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज में भारत के 36-ऑल के मुख्य अंश को सोशल मीडिया पर पर साझा करते हुए कहा क्या ऑल आउट 46 नया ऑल आउट 36 है?। वहीं इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने भी भारत को ट्रोल करते हुए लिखा, भारतीय प्रशंसकों, अच्छे पक्ष को देखिए वे कम से कम आप 36 रन से आगे निकल गए।

वॉन ने खराब बल्लेबाजी को लेकर भारतीय टीम का मजाक उड़ाया

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ भारतीय क्रिकेट टीम के पहली पारी में केवल 46 रनों पर आउट होने को लेकर उसका मजाक उड़ाया है। वॉन ने अपने सोशल मीडिया पर अपने ट्वीट में लिखा,'अच्छी बात देखो भारतीय फैंस म से कम टीम ने 36 रन तो पार कर लिया।' इस प्रकार वॉन ने भारत को दिसंबर 2020 में ऑस्ट्रेलिया दौरे की याद दिलाई जब भारतीय टीम 36 रन पर ही सिमट गयी थी। भारतीय टीम का टेस्ट में यह सबसे कम स्कोर है। पहली पारी में भारतीय टीम के केव दो बल्लेबाज ही दो अंकों तक पहुंच पाये। ऋषभ पंत ने सबसे ज्यादा 20 रन बनाए जबकि यशस्वी जायसवाल 13 रन बनाकर आउट हुए। वहीं विराट कोहली, केएल राहुल, रवींद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन जैसे अनुभवी बल्लेबाज खाता तक नहीं खोल पाये। वहीं भारतीय टीम के पूर्व ओपनर वसीम जाफर भी तंज कसने में पीछे नहीं रहते और समय समय पर वॉन को सोशल मीडिया में जवाब देते रहते हैं। वह भी इंग्लैंड का मजाक उड़ाने का कोई अवसर नहीं छोड़ते।

नेपाल ने टी20 सीरीज के पहले मैच में अमेरिका को 17 रनों से हराया

दुबई (ईएममएस)। नेपाल ने अमेरिका को टी20 सीरीज के पहले ही मुकाबले में 17 रन से हरा दिया। इस मैच में अमेरिकी टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया जो गलत साबित हुआ। नेपाल की ओर से रोहित पौडेल ने शानदार पारी खेलकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। नेपाल की ओर से आसिफ शेख और अनिल शाह ने पारी शुरु करते हुए अच्छी शुरुअत कर 27-27 रन बनाये। वहीं चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए कप्तान पौडेल ने शानदार 49 रन बनायेद्य। अपनी पारी में उन्होंने 4 चौके और 1 छक्का लगाया। वहीं अंत में दीपेंद्र सिंह ने 28 रन बना दिये। जिससे टीम ने 164 रन बनाये। इसके बाद 165 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए अमेरिकी टीम 20 ओवर में 147 रन ही बना पायी। उसकी ओर से शायान जहांगीर ने सबसे अधिक 60 रन बनाए पर वह अपनी टीम को मैच नहीं जिता पाये। जहांगीर ने नाबाद 60 रन बनाये। जहांगीर के अलावा एंड्रीस गाउस ने 30 रन बनाये। वहीं 5 खिलाड़ी दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये। नेपाल की ओर से दीपेंद्र ऐरे ने सबसे अधिक 3 विकेट लिए। उन्होंने मिलिंद कुमार, हरमीत सिंह और जसदीप सिंह को आउट किया।

अब टेस्ट क्रिकेटर खेलना चाहते हैं सैमसन

नई दिल्ली (ईएमएस)। विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन अब तक भारतीय टीम के किसी भी प्रारुप में अपनी जगह पक्की नहीं कर पाये हैं। एकदिवसीय और टी20 में तो उन्हें अवसर मिल जाता है पर अब तक टेस्ट टीम में उन्हें जगह नहीं मिली है। इसी को देखते हुए ही अब सैमसन लंबे प्रारुप में भी जगह बनाना चाहते हैं और इसी कारण रणजी ट्रॉफी में भी बेहतर प्रदर्शन करना चाहते हैं। बांग्लादेश के खिलाफ अंतिम टी20 में शानदार शतक से उनके हौसले बुलंद हैं। सैमसन ने 40 गेंदों पर ही शतक लगाया था जोकि किसी भारतीय बल्लेबाज का टी20 में दूसरा सबसे तेज शतक है। सैमसन अब कर्नाटक के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मैच में बेहतर प्रदर्शन कर टेस्ट टीम में जगह के लिए दावेदारी करना चाहते हैं। सैमसन ने कहा कि से मेरा मानना है कि मेरे पास लाल गेंद वाले क्रिकेट में सफल होने की भी क्षमता है। इसलिए मैं केवल सफेद गेंद वाले क्रिकेट तक ही सीमित नहीं रखना चाहता। मेरी इच्छा भारतीय टीम के लिए टेस्ट क्रिकेट खेलने की है। दलीप ट्रॉफी से पहले, नेतृत्व समूह ने मुझे बताया था कि वे रेड-बॉल क्रिकेट के लिए मेरे बारे में सोच रहे हैं और इसे गंभीरता से लेने और अधिक रणजी ट्रॉफी मैच खेलने के लिए कहा था।

सैमसन ने कहा कि इस बार मेरी तैयारी अच्छी थी। श्रीलंका के खिलाफ सीरीज के बाद राजस्थान रॉयल्स अकादमी में राहुल द्रविड़ और जुबिन भरूचा से प्रशिक्षण लिया और अपने खेल पर काम किया। सैमसन ने कहा, दलीप ट्रॉफी में शतक से मेरा मनोबल बढ़ा है। यह देश के कुछ सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों के खिलाफ मैंने लगाया था। हाल ही में सैमसन ने दलीप ट्रॉफी में हिस्सा लिया था, जहां उन्होंने अनंतपुर में दूसरे और तीसरे राउंड में इंडिया डी के लिए खेला था। इसमें उन्होंने अपना 11वां प्रथम श्रेणी शतक लगाया।

रियाद में सर्बिया के नोवाक जोकाविच सिक्स किंग्स स्लैम चैम्पियनशिप में जैनिक सिनर के खिलाफ जीत पर उत्साहित होते हुए।

ऑस्ट्रेलिया में जीत को इसलिए अहम मानते हैं ऋषभ

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत अगले माह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी को लेकर उत्साहित हैं। ऋषभ के अनुसार ऑस्ट्रेलियाई टीम आक्रामक क्रिकेट खेलती है, ऐसे में उसके खिलाफ उसी की धरती पर जीत दर्ज करने से बेहतर कुछ नहीं रहेगा। ऋषभ का मानना है कि जब आप ऑस्ट्रेलिया जाते हैं, तो आपको उछाल और शॉर्ट पिच गेंदों से निपटना आना चाहिये। इसका कारण है कि वहां का माहौल अलग होता है। ऑस्ट्रेलियाई टीम अपने घर में बेहद खतरनाक रहती है। वे नहीं चाहते कि आप जीतें, जिससे। साथ ही कहा कि ऑस्ट्रेलिया एक टीम के रूप में खेलती है। वे आपको कुछ भी आसानी से नहीं देते हैं। वे आक्रामक क्रिकेट खेलते हैं। इसलिये उनके खिलाफ जीतने के लिए आक्रामक मानसिकता की ही जरुरत होती।

अपने पिछले ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान गाबा टेस्ट में अपनी पारी की याद करते हुए उन्होंने कहा, 'मैं नहीं जानता कि इसके बारे में क्या कहूं पर मैं हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का प्रयास करता हूं। कुछ ऐसे प्रदर्शन होते हैं जिन्हें आप जीवन भर याद रखते हैं, उनमें से एक एक गाबा टेस्ट है। शुरुआत में मुझे एहसास नहीं हुआ कि यह कितना अहम था। रोहित भाई वहां थे, और उन्होंने मुझसे कहा,'तुम्हें पता नहीं है कि तुमने क्या किया है। उन्होंने कहा, मैं ऐसा कह रहा था, मैंने क्या किया है। मेरा लक्ष्य केवल मैच जीतना था। रोहित भाई ने कहा, बाद में तुम्हें समझ आएगा कि तुमने क्या किया है। अब, जब भी मैं लोगों को उस गाबा मैच के बारे में बात करते हुए सुनता हूं, तो मैं समझता हूं कि उनका क्या मतलब था और यह कितना अहम था। मैंने पूछा, 'मैंने क्या किया है? मेरे लक्ष्य सिर्फ मैच जीतना था। रोहित भाई ने कहा, 'तुम्हें बाद में समझ आएगा कि तुमने क्या किया है। वहीं जब मैं जब भी लोगों को गाबा मैच के बारे में बात करते हुए सुनता हूं तो मुझे समझ आता है कि उनका मतलब क्या था और यह कितना महत्वूपर्ण था।

भारतीय टीम इस बार भी बॉर्डर-गावस्कर सीरीज में बेहतर प्रदर्शन कर मेजबानों को हैरान करेगी : शार्दुल

भारतीय क्रिकेट टीम के युवा ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर को उम्मीद है कि इस बार भी भारतीय टीम बॉर्डर-गावस्कर सीरीज में बेहतर प्रदर्शन कर मेजबानों को हैरान करेगी। शार्दुल ने पिछली बार ब्रिस्बेन टेस्ट भारतीय टीम की जीत में अपने ऑलराउंड प्रदर्शन से निर्णायक भूमिका निभाई थी। शार्दुल ने उक्त मुकाबले में सात विकेट लेने के अलावा शानदार 67 रन भी बनाए थे। वहीं दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका में पहले टेस्ट में खराब प्रदर्शन के बाद भारतीय टीम से उन्हें बाहर कर दिया गया था पर मुंबई की पिछले सीज़न की रणजी ट्रॉफी में उन्होंने 255 रन बनाने के अलावा पांच मैचों में 16 विकेट लेकर अच्छी वापसी की। शार्दुल का कहना है कि इस बार भी भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया में गाबा जैसा झटका देगी।

शार्दुल 2020-21 सीरीज की यादें अब भी ताजा हैं। ताजा हो जाएंगी। इस खिलाड़ी ने कहा, मैं केवल एकदिवसीय टीम का हिस्सा था, लेकिन मैंने तीनों प्रारूप खेले और आखिरी टेस्ट भी खेला। कोच को अहसास हुआ और उन्होंने अचानक मुझे फ्लाइट में बुलाया और कहा, शार्दुल, तुम एकदिवसीय टीम का हिस्सा हो, लेकिन मैं तुम्हें बता रहा हूं, तुम ऑस्ट्रेलिया नहीं छोड़ रहे हो, तुम आखिरी दिन तक रुक रहे हो। मुझे लग रहा है कि तुम दौरे पर कुछ बदलाव लाओगे। शार्दुल ने कहा कि हमने देखा कि टेस्ट श्रृंखला कैसी रही, हर खेल में कोई न कोई घायल हो रहा था।

आईपीएल में पोंटिंग के मार्गदर्शन में बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेगी पंजाब किंग्स

मुम्बई (ईएमएस)। आईपीएल में इस बार मुख्य कोच रिकी पोंटिंग के मार्गदर्शन में पंजाब किंग्स की टीम बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेगी। पंजाब किंग्स ने पूर्व ऑस्ट्रेलियाई रिकी पोंटिंग से 4 साल का करार किया है। पोटिंग पिछले सत सत्र से दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच रहे थे। पोंटिंग के रहते पंजाब किंग्स का लक्ष्य लीग में आगे बढ़ना रहेगा। पंजाब किंग्स की ओर से पिछले 2024 सत्र में जितेश शर्मा, अर्शदीप सिंह, शशांक सिंह, आशुतोष शर्मा और सैम कुरेन ने अच्छा प्रदर्शन किया था। अब देखना होगा कि इनमें से किन खिलाड़ियों को टीम अपने पास बरकरार रखती है। वहीं विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश ने कहा कि अभी तक पंजाब किंग्स मैनेजमेंट से उन्हें कोई संदेश नहीं मिला है। साथ ही कहा कि अगर मुझे अवसर मिलता है तो मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करुंगा। जितेश ने टीम मालकिन प्रीति जिंटा की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि वह हमेशा सभी का ध्यान रखती हैं। गेम हारने के बाद भी वह सभी का समर्थन करती हैं। साथ ही कहा कि अगर अवसर मौका मिला तो वह पोंटिंग के साथ दोबारा काम करना चाहेंगे।

जितेश ने कहा कि जब मैं मुंबई इंडियंस के साथ था तब मैंने पोंटिंग के साथ काम किया है। मैं इस बात से अच्छी तरह जानता हूं कि वह किस तरह के हैं। मैंने उसके साथ अपने समय का आनंद लिया है। वह खेल पर बहुत केंद्रित रहते हैं। अगर मुझे पंजाब किंग्स द्वारा रिटेन किया जाता है, तो मैं वास्तव में रिकी पोंटिंग की कोचिंग के तहत खेलना चाहूंगा।

30 वर्षीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ने कहा कि जरूरत पड़ने पर वह टीम का नेतृत्व करने के लिए तैयार हैं। उनके अनुसार, वह एक नेता की भूमिका का आनंद लेते हैं और तभी उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन सामने आता है। उन्होंने कहा कि अगर पंजाब किंग्स मुझसे टीम का नेतृत्व करने के लिए कहती है तो मैं बहुत अच्छी तरह से तैयार हूं। मुझे लगता है कि एक लीडर के रूप में मैं काफी बेहतर तरीके से प्रदर्शन करने में सक्षम हूं।

आईपीएल 2023 से जुड़े अवैध स्ट्रीमिंग मामले में अभिनेत्री तमन्ना की मुश्किलें बढ़ीं

गुवाहाटी (ईएमएस)। आईपीएल 2023 से जुड़े एक मामले में प्रवर्तन निदेशालय के शिकंजे में आई बॉलीवुड अभिनेत्री तमन्ना भाटिया की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही है। ED (प्रवर्तन निदेशाल) ने 17 अक्टूबर को तमन्ना से गुवाहाटी में पूछताछ की। एक रिपोर्ट के अनुसार आईपीएल की अवैध स्ट्रीमिंग की जांच का यह मामला सितंबर 2023 का है, तब वायकॉम ने तमन्ना पर नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज की थी। उस समय वायकॉम नेटवर्क ने ऊंची बोली लगाकर आईपीएल के प्रसारण अधिकार खरीदे थे पर फेयरप्ले ऐप पर अवैध रूप से इनका प्रसारण चल रहा था, और इसी को नेकर वायकॉम नेटवर्क ने कहा कि उसे 100 करोड़ रुपये से ज्यादा का घाटा हुआ है। एफआईआर के बाद इस मामले में तमन्ना के अलावा सिंगर बादशाह और अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज सहित मनोरंजन जगत की की कई प्रमुख हस्तियों से पूछताछ हुई है।

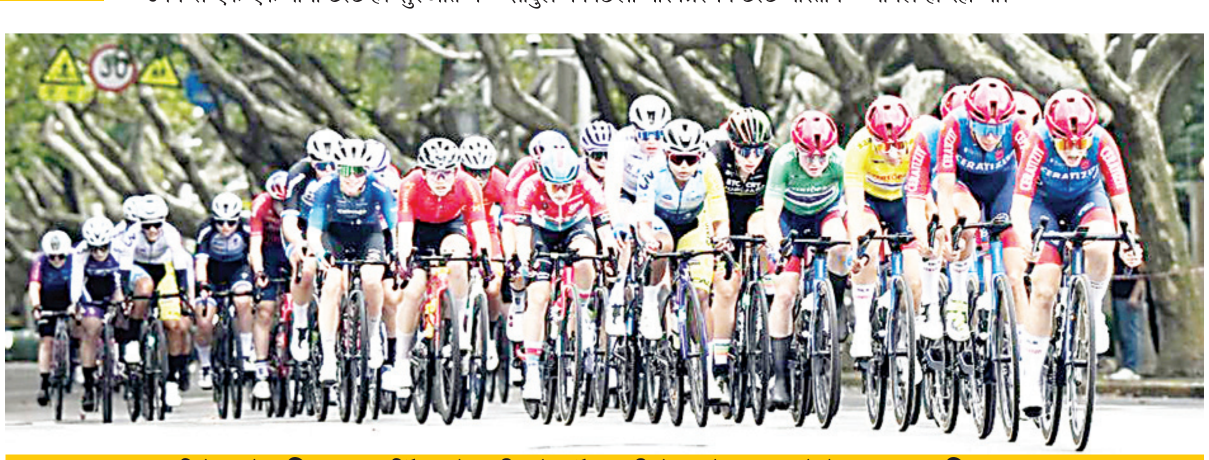

शंधाई में कोंगमिंग आईलैंड के तीसरे दौर की रेस में भाग लेते हुए साइकिल सवार।

कुंबले ने अपनी गति और उछाल से सबसे अलग पहचान बनायी

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और दिग्गज स्पिनर अनिल कुंबले ने स्पिन गेंदबाजी को नये आयाम दिये। जहां दिवंगत महान स्पिनर शेन वार्न की गेंद बहुत टर्न होती थीं और गेंद टप्पा खाते ही अपने दिशा बदल लेती थी। वहीं कुंबले की गेंदों में हर चीज परंपरा से उलट थी। गेंदों में तेजी ऐसी थी कि एक बार पाकिस्तान के कप्तान इंजमाम उल हक ने कहा था, हमारी टीम को कुंबले को एक मध्यम तेज गति का गेंदबाज ही मानती है।

कुंबले वार्न की तरह हर पिच पर टर्न नहीं करा सकते थे पर घरेलू हालातों में उनकी गेंदों को खेलना बेहद कठिन रहता था। इसी कारण से एक बार इंग्लैंड के एंड्रयू फ्लिंटॉफ ने कहा था, वार्न और मुरली...दोनों बड़े स्पिनर हैं पर कुंबले अपने अनुकूल हालातों में सबसे खतरनाक हो जाते हैं। उनकीई गेंद अक्सर सीधी जाती थी, गेंद घूमती भी कम थी। कुंबले की गेंदों में विशेषता ये थी कि वह टर्न से ज्यादा गति और उछाल पर खेलती थी। पिच से टर्न मिल गया तो उनकी गुगली खेलना बल्लेबाज के लिए कठिन रहता था। कुंबले रन-अप में अंतिम समय जो उछाल लेते थे, उसने उनकी गेंदों को भी अतिरिक्त उछाल मिल जाता था। सचिन तेंदुलकर जब कप्तान थे तब उन्होंने कहा था, कहीं भी कभी भी। कोई भी पिच हो, कोई भी मौका हो, आप कुंबले पर भरोसा कर सकते हैं।

कुंबले का यह अनुशासन, प्रतिबद्धता, ईमानदारी संन्यास के बाद भी रहे। बतौर कोच कुंबले का अनुशासन के मामले में बेहद सख्त रहे। उनके सबसे बेहतर प्रदर्शन में सबसे यादगार था पाकिस्तान के खिलाफ एक ही पारी में 10 विकेट लेना रहा। इसके अलावा साल 2002 के भारत के वेस्टइंडीज दौरे पर उनका जबड़ा टूट गया था। उन्होंने सिर पर पट्टी बांधी और गेंदबाजी शुरू कर दी। वह ज्यादा कुछ नहीं कर पाए लेकिन ब्रायन लारा को आउट कर दिया था। बड़ा यादगार पल था।

करियर के अंतिम दिनों ने उन्होंने विदेशी धरती पर भी विकेट लेने शुरू कर दिए थे। तब उन्होंने एक स्लो गुगली गेंद विकसित की थी, जिस पर ग्रांट फ्लावर आउट हुए थे। वह दो महानतम स्पिनरों शेन वार्न और मुथैया मुरलीधरन के समकालीन थे।

पाक ने दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड को 152 रनों से हराकर सीरीज में 1-1 से बराबरी की

मुल्तान (ईएमएस)। नोमान अली की घातक गेंदबाजी से पाकिस्तान ने यहां हुए दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में इंग्लैंड को 152 रनों से हराकर तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली है। मेजबान पाक टीम को ये जीत लंबे समय बाद मिली है, यहां पहले ही टेस्ट में उसे हार का सामना करना पड़ा था। इस मैच में जीत के लिए मेहमान टीम इंग्लैंड को दूसरी पारी में 297 रनों का लक्ष्य मिला था जिसके जवाब में इंग्लैंड की पूरी टीम दूसरी पारी में केवल 144 रनों पर ही आउट हो गयी। पाक की ओर से नोमान ने दूसरी पारी में सबसे अधिक आठ विकेट जबकि साजिद खान ने दो विकेट लिए।

इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान ने 366 रन बनाए थे। जवाब में इंग्लैंड की पहली पारी 291 रन पर सिमट गई थी। पाकिस्तान ने 75 रन की बढ़त हासिल की थी। पाकिस्तान ने अपनी दूसरी पारी में 221 रन बनाए और 296 रन की बढ़त हासिल की। इसके बाद 297 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की टीम दूसरी पारी 144 रन पर सिमट गई। दूसरी पारी में इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स के आउट होते ही टीम की संभावनाएं भी समाप्त हो गयीं। स्टोक्स ने सबसे अधिक 44 रन बनाये। इस मैच में साजिद खान और नोमान अली की स्पिन के सामने मेहमान टीम के बल्लेबाज बेबस दिखे। पहली पारी में साजिद खान ने सात जबकि नोमान ने तीन विकेट लिए थे। इस मैच में पाक की ओर से सभी 20 विकेट स्पिनरों ने लिए। वहीं बाबर की जगह शामिल किये गये बल्लेबाज कामरान गुलाम ने पहली पारी में शतक लगाकर पाक टीम को बड़ा स्कोर बनाने में सहायता की।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम को इस सीरीज से पहले बांग्लादेश से भी सीरीज के दोनो ही मैचों में हार का सामना करना पड़ा था जिससे बाद से ही वह आलोचकों के निशाने पर थी। अब 12 टेस्ट मैचों के बाद उसे घरेलू धरती पर पहली जीत मिली है।

पाक कप्तान द्वारा भारत पर दिए बयान को लेकर मची खलबली

हाल ही में ओमान में आयोजित पुरुषों के टी20 इमर्जिंग एशिया कप के दौरान पाकिस्तान शाहीन्स (ए) टीम के कप्तान मोहम्मद हारिस ने एक ऐसा बयान दिया, जिसने खलबली मचा दी है। पाक कप्तान ने खुलासा किया कि उनकी टीम को ड्रेसिंग रूम में भारत के बारे में बातचीत करने की अनुमति नहीं है। उनके इस बयान को लेकर पाकिस्तान के पूर्व बल्लेबाज बासित अली ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। हारिस का बयान 19 अक्टूबर को इंडिया ए के खिलाफ ग्रुप मैच से पहले मीडिया से बातचीत के दौरान सामने आया। उन्होंने कहा, यह पहली बार है जब हमें ड्रेसिंग रूम में भारत के बारे में बात करने की अनुमति नहीं है। उनका यह बयान तुरंत ही सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और इसे लेकर कई प्रकार की प्रतिक्रियाएं आईं।

हारिस का कहना था कि इस प्रतिबंध का उद्देश्य टीम पर अनावश्यक मानसिक दबाव को कम करना है। उनका मानना था कि यदि खिलाड़ी केवल भारत के बारे में सोचते रहते हैं, तो इसका असर उनकी मानसिकता और प्रदर्शन पर पड़ सकता है। बासित अली ने इस बयान पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हारिस को यह समझना चाहिए कि क्या बोलना चाहिए और क्या नहीं। उन्होंने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, उनको समझना चाहिए कि क्या बोलना चाहिए और क्या नहीं। अगर कोई यह सोचता है कि पीसीबी (पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड) ने यह निर्देश दिया है, तो यह गलत है। बासित ने कहा कि इस तरह के बयान से क्रिकेट की भावना को नुकसान पहुंच सकता है और खिलाड़ियों के बीच नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है।

हारिस ने यह भी कहा कि टीम को सिर्फ भारत के बारे में ही नहीं, बल्कि अन्य टीमों के बारे में भी सोचने की जरूरत है। उन्होंने कहा, हमें सिर्फ भारत के बारे में नहीं सोचना है, बल्कि अन्य टीमों के खिलाफ भी खेलना है। मानसिक रूप से भारत के बारे में सोचना तनाव बढ़ा सकता है। हारिस ने यह बयान अपनी टीम के प्रदर्शन और मानसिक स्थिति को मजबूत बनाए रखने के लिए दिया था। हारिस पाकिस्तान की सीनियर टीम का हिस्सा रह चुके हैं ।

नतीजों के बाद इंफोसिस का शेयर 4% टूटाः 1880 रु. पर कारोबार कर रहा, दूसरी तिमाही में 6,506 करोड़ रु. का मुनाफा

मुंबईः जुलाई-सितंबर तिमाही नतीजे के बाद आईटी कंपनी इंफोसिस के शेयर आज यानी, शुक्रवार 18 अक्टूबर को 4% गिरकर 1,880 रुपए पर कारोबार कर रहे हैं। आईटी कंपनी के नतीजे एनालिस्टों के अनुमान से कमजोर रहे हैं। इंफोसिस को वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में 6,506 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ है। सालाना आधार पर इसमें 4.7% की बढ़ोतरी हुई है। एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी को 6,212 करोड़ रुपए का कॉन्सोलिडेटेड नेट प्रॉफिट हुआ था। इस तिमाही में कंपनी ने 40,986 करोड़ रुपए का रेवेन्यू जनरेट किया। सालाना आधार पर इसमें 5.1% की बढ़ोतरी हुई है। एक साल पहले कंपनी का रेवेन्यू 38,994 करोड़ रुपए था। वस्तुओं और सेवाओं को बेचने से मिलने वाला पैसा रेवेन्यू होता है। इंफोसिस ने शेयरधारकों को प्रति शेयर 21 रुपए के अंतरिम डिविडेंड (लाभांश) को भी मंजूरी दी है। कंपनियां अपने शेयरधारकों को मुनाफे का कुछ हिस्सा देती हैं, उसे डिविडेंड कहते हैं।

6 महीने में 32% चढ़ा इंफोसिस का शेयर

इंफोसिस का शेयर पिछले एक महीने में फ्लैट रहा है। 6 महीने में शेयर 32% और एक साल में 30% चढ़ा है। वहीं, इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक शेयर में 21% की तेजी रही है। कंपनी का मार्केट कैप 7.79 लाख करोड़ रुपए है।

नंदन नीलेकणि ने 21,000 रुपए में की थी कंपनी की शुरुआत

1981 में स्थापित, इंफोसिस एक एनवाईएसई लिस्टेड ग्लोबल कंसलटिंग और आईटी सर्विसेज कंपनी है। 250 डॉलर (आज के हिसाब से करीब 21,000 रुपए) की पूंजी से कंपनी की शुरुआत हुई थी। आज इसका मार्केट कैप 7.28 लाख करोड़ रुपए है। 40 साल पुरानी कंपनी के 56 से अधिक देशों में 1800 से ज्यादा ग्राहक है। इसकी दुनियाभर में 13 सब्सिडियरी कंपनियां है। कंपनी के फाउंडर नंदन एम. नीलेकणि है। सीईओ और मैनेजिंग डायरेक्टर सलील पारेख है। डी सुंदरम लीड इंडिपेंडेंट डायरेक्टर है।

सेंसेक्स दिन के निचले स्तर से 850 अंक संभलाः यह 250 अंक की तेजी के साथ 81,260 पर

सेंसेक्स 18 अक्टूबर को दिन के निचले स्तर 80,409 से करीब 850 पॉइंट संभल गया है। अभी यह 250 अंक की तेजी के साथ 81,260 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। निफ्टी भी दिन के निचले स्तर 24,567 से करीब 250 अंक संभल गया है। अभी निफ्टी में 90 अंक की तेजी है, ये 24,840 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। एनएसई के मेटल और बैंक सेक्टर में सबसे ज्यादा तेजी है। ये 1.50% से ज्यादा चढ़े हैं। निफ्टी ऑटो और फार्मा करीब 0.50% ऊपर है। आईटी सेक्टर 1.50% नीचे हैं।

एशियाई बाजारों में कारोबार

- एशियाई बाजार में जापान के निक्केई में 0.38% की तेजी है। कोरिया का कोस्पी 0.39% की गिरावट और चीन का शंघाई कम्पोजिट 0.60% की तेजी के साथ कारोबार कर रहा है।
- 17 अक्टूबर को अमेरिका का डाओ जोंस 0.37% चढ़कर 43,239 पर और नैस्डैक 0.036% चढ़कर 18,373 पर बंद हुआ।
- एनएसई के डेटा के अनुसार, विदेशी निवेशकों ने 17 अक्टूबर को 7,421.40 करोड़ के शेयर बेचे। इस दौरान घरेलू निवेशकों ने 4,979.83 करोड़ के शेयर खरीदे।

मूडीज ने बजाज फाइनेंस को पहली बार 'बीएए3' रेटिंग दी

वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज ने बजाज फाइनेंस लिमिटेड (बीएफएल) को स्थिर दृष्टिकोण के साथ निवेश 'ग्रेड' का संकेत देते हुए पहली बार 'बीएए3' रेटिंग दी है। मूडीज के बयान का हवाला देते हुए बीएफएल ने कहा कि कंपनी की रेटिंग उसकी मजबूत तथा स्थापित फ्रेंचाइजी को भारत में सबसे बड़ी खुदरा उन्मुख गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) के रूप में मान्यता देती है, जिसके पास बड़ा ग्राहक आधार तथा वितरण नेटवर्क है। इसमें विविधतापूर्ण ऋण पुस्तिका जो इसके उच्च जोखिम-समायोजित लाभप्रदता का समर्थन करती है। इसका पूंजीकरण तथा इसकी प्रतिस्पर्धी वित्त पोषण लागत शामिल है। इसमें कहा गया है कि बीएफएल संभवतः बाजार हिस्सेदारी हासिल करना जारी रखेगी।

वित्त मंत्री सीतारमण ने मैक्सिकों की कंपनियों को आमंत्रण दिया

नई दिल्ली (ईएमएस)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मैक्सिको की कंपनियों से स्टार्टअप तथा शैक्षणिक संस्थानों के साथ सहयोग की संभावनाएं तलाशने और भारत की व्यापार अनुकूल नीतियों का लाभ उठाने का आग्रह किया। ग्वाडलजारा (मैक्सिको) के चैंबर ऑफ कॉमर्स में 'टेक लीडर्स राउंडटेबल' में अपने संबोधन में सीतारमण ने समान अर्थव्यवस्थाओं के लिए अवसरों तथा जिम्मेदारियों पर जोर दिया और बताया कि कैसे भारत तथा मैक्सिको एक दूसरे के साथ सहयोग कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि मैक्सिको निकटवर्ती देशों के साथ सहयोग के जरिये समृद्ध हो रहा है। इसके परिणामस्वरूप बहुराष्ट्रीय कंपनियों के बीच सहयोग हुआ है तथा प्रतिभाओं के आदान-प्रदान के साथ-साथ जोखिम कम करने के लिए संयुक्त प्रयास भी संभव हो पाए हैं।वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने आधिकारिक खाते पर लिखा, '' केंद्रीय वित्त मंत्री ने 2047 तक 'विकसित भारत' बनाने के लक्ष्य की दिशा में काम करते हुए भारत में तेजी से हो रहे बदलाव पर प्रकाश डाला। भारत तथा मैक्सिको के बीच वृद्धि एवं सहयोग के नए क्षेत्रों का हवाला देते हुए, उन्होंने उत्कृष्टता केंद्रों (सीओई) की स्थापना के संबंध में की गई प्रमुख बजट घोषणा का उल्लेख किया।

स्वास्थ्य एवं स्वास्थ्य सेवा में कृत्रिम मेधा (एआई), कृषि तथा टिकाऊ शहरों के क्षेत्रों में काम करने के लिए भारत में हाल ही में पहचाने गए तथा घोषित सीओई के बारे में जानकारी साझा की।उन्होंने कहा कि भारत तथा मैक्सिको स्टार्टअप के साथ-साथ शैक्षणिक संस्थानों के बीच सहयोग के जरिये इन क्षेत्रों में मिलकर काम करने की संभावनाएं तलाश सकते हैं।मंत्रालय ने कहा, '' केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के लिए चुनौतियां सिर्फ वृद्धि तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि अंतर को पाटना तथा सभी के लिए अवसर उत्पन्न करना भी जरूरी है। इसके लिए जिम्मेदार पूंजीवाद की जरूरत है।

ग्वाडलजारा स्थित टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के मुख्यालय (लैटिन अमेरिका) की यात्रा के दौरान वित्त मंत्री ने प्रतिष्ठित उद्योगपति रतन टाटा को श्रद्धांजलि अर्पित की।टाटा समूह के मानद चेयरमैन एवं वरिष्ठ उद्योगपति रतन टाटा का नौ अक्टूबर को 86 वर्ष की आयु में निधन हो गया था। सीतारमण 20 अक्टूबर तक अपनी आधिकारिक यात्रा के दौरान मैक्सिको के अपने समकक्ष रोजेलियो रामिरेज़ डे ला ओ के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगी। संसदीय सहयोग को मजबूत करने तथा आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए वह मैक्सिको की संसद के कई सदस्यों के साथ भी चर्चा करेंगी।

वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की वृद्धि दर सबसे उज्ज्वल हिस्सों में से एकः अजय बंगा

वाशिंगटन (ईएमएस)। विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा ने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की वृद्धि दर सबसे उज्ज्वल हिस्सों में से एक है। बंगा ने पत्रकारों से कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि भारत की वृद्धि दर विश्व अर्थव्यवस्था के सबसे उज्ज्वल हिस्सों में से एक है। मुझे लगता है कि इस तरह के माहौल में छह से सात प्रतिशत और उससे अधिक की दर से वृद्धि कर पाना आपको दिखाता है कि उन्होंने वहां तक पहुंचने के लिए कई कदम उठाए हैं।' विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की अगले सप्ताह होने वाली वार्षिक बैठक से पहले बंगा ने यह बयान दिया है। उन्होंने कहा कि भारत में हुई अधिकतर वृद्धि घरेलू बाजार के दम पर मुमकिन हो पाई है जो कुछ मायनों में एक अच्छा संकेत है। भारत को जिन चीजों पर काम करने की जरूरत है और जैसा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी कहा है कि जीवन की गुणवत्ता, जैसे हवा तथा पानी की गुणवत्ता आदि पर काम करना जरूरी है। वहीं विश्व बैंक की प्रबंध निदेशक (परिचालन) एन्ना बेर्डे ने कहा कि बैंक सरकार को वृद्धि को रोजगार तथा टिकाऊ विकास में बदलने में सहायता कर रहा है। उन्होंने कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया, क्योंकि भारत में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की अपार संभावनाएं हैं।

जुलाई-सितंबर तिमाही में चीन की अर्थव्यवस्था 4.6 फीसदी दर से बढ़ी

हांगकांग (ईएमएस)। चीन की अर्थव्यवस्था जुलाई-सितंबर तिमाही में 4.6 प्रतिशत की दर से बढ़ी, जो अपेक्षा से कम है।ः सरकार की ओर से शुक्रवार को जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की वार्षिक वृद्धि धीमी हो रही है। यह जुलाई-सितंबर तिमाही में अपेक्षा से कम 4.6 प्रतिशत की दर से बढ़ी जो 2024 के लिए निर्धारित किए, करीब पांच प्रतिशत ' की वृद्धि के आधिकारिक लक्ष्य से कम है। राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो ने बयान में कहा कि जटिल तथा गंभीर बाहरी वातावरण और जटिल घरेलू आर्थिक वृद्धि के बावजूद अर्थव्यवस्था सामान्य रूप से स्थिर व निरंतर प्रगति कर रही है। वर्ष 2022 के अंत में कोविड-19 वैश्विक महामारी से जुड़ी पाबंदियां हटाए जाने के बावजूद अर्थव्यवस्था सुस्त बनी हुई है। उपभोक्ता विश्वास कम है और रियल एस्टेट बाजार अर्थव्यवस्था पर बोझ बना हुआ है। वर्ष की पहली तीन तिमाहियों में चीन की वृद्धि दर 4.8 प्रतिशत रही। तिमाही आधार पर सितंबर में समाप्त तिमाही में अर्थव्यवस्था 0.9 प्रतिशत बढ़ी, जबकि पिछली तिमाही में 0.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। चीन का कारखाना उत्पादन पहली तीन तिमाहियों में 5.8 प्रतिशत बढ़ा, जबकि खुदरा बिक्री पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 3.3 प्रतिशत बढ़ी। हालांकि, संपत्ति निवेश में 10.1 प्रतिशत की गिरावट आई और नए मकानों की बिक्री का मूल्य 22.7 प्रतिशत घटा जो आवास क्षेत्र में कमजोर रुख को दर्शाता है।

लॉफिंग ज़ोन

एक कवि ने अपनी कविता एक पत्रिका के सम्पादक को छपाने भेजी जिसका शीर्षक था 'मैं जिंदा क्यों हूं?'

सम्पादक ने उसकी कविता वापस भेजते हुए एक चिट अपनी ओर से लगा दी जिस पर लिखा था, 'इसलिए कि यह कविता आपने डाक द्वारा भेजी है।'

एक नेता जी का चुनाव निशान 'साइकिल' था। वह साइकिल पर सवार होकर वोट मांग रहे थे और लोंगो को अपना चुनाव निशान भी बताते जाते थे। एक घर के दरवाजे के बाहर बैठी बुढ़िया से उन्होंने कहा, 'माता जी मेरे साइकिल का ख्याल रखना।' बुढ़िया बोली, 'बेटा ताला लगाकर रखा करो आजकल चोरियां बहुत होती हैं।'

हर भगवान (नौकर से), 'तुम अच्छी तरह काम नहीं करते। मजबूरन अब मुझे दूसरा नौकर रखना पड़ेगा।'

नौकर, 'अवश्य रखिए हजूर। यह काम ही दो नौकरों का है।'

मरीज, 'डॉक्टर साहब आपके कहने पर मैंने फल छिलके समेत खा लिए। उसके कुछ देर बाद ही ऐसे दर्द शुरू हुआ कि जान निकलने को आ रही हैं।'

डॉक्टर, 'कौन-सा फल खाया?'

मरीज, 'नारियल का फल।'

आज का इतिहास

1689 औरंगजेब ने रायगढ़ किले पर कब्जा किया।

1774 ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा संचालित प्रशासन में सुधार के लिए इंग्लैंड से न्यायाधीशों का एक दल भारत पहुंचा।

1781 लार्ड कार्नवालिस के नेतृत्व में ब्रिटिश फौजों ने यार्क टाउन वर्जीनिया में आत्मसमर्पण किया।

1812 नेपोलियन बोनापार्ट की फौजों ने मास्को से पीछे हटना शुरू किया।

1912 बाल्कन युद्ध में बल्गारिया ने तुर्की के शहर एड्रियानोयल की नाकेबंदी की ।

1915 जापान ने लंदन संधि पर हस्ताक्षर किए।

1921 लिस्बन में क्रांति शुरु हुई।

1935 लीग ऑफ नेशंस ने इटली के खिलाफ प्रतिबंध लगा दिए।

1944 अमरीकी फौजें फिलीपींस पहुंची।

1951 संयुक्त राष्ट्र संघ की फौजें उत्तर कोरिया की राजधानी पोंगयांग पहुंची।

1951 अमरीका के राष्ट्रपति ट्रुमैन ने जर्मनी से युद्ध समाप्त होने के अधिनियम पर हस्ताक्षर किए ।

1970 रूस में निर्मित मिग 21 भारतीय वायुसेना में शामिल हुआ।

1983 ग्रेनाडा के प्रधानमंत्री मारिस बिशप सैनिक क्रांति के दौरान मारे गए।

1987 दक्षिणी जकार्ता में दो यात्री गाड़ियों में हुई टक्कर में 102 व्यक्ति मारे गए और कई सौ लोग घायल हो गए।

1993 बेनजीर भुट्टो पाकिस्तान की पहली महिला प्रधानमंत्री चुनी गई।

1994 तेल अबीव में बम में विस्फोट से 20 व्यक्तियों की मौत हो गई।

दैनिक पंचांग

19 अक्टूबर 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	तुला	05.50 बजे से
चंद्र	मेष में	वृश्चिक	08.09 ब.से
मंगल	मिथुन में	धनु	10.25 बजे से
बुध	तुला में	मकर	12.30 बजे से
गुरु	वृष में	कुंभ	14.16 बजे से
शुक्र	वृश्चिक में	मीन	15.49 बजे से
शनि	कुंभ में	मेष	17.20 बजे से
राहु	मीन में	वृष	19.00 बजे से
केतु	कन्या में	मिथुन	20.58 बजे से
		कर्क	23.11 बजे से
		सिंह	01.27 बजे से
		कन्या	03.39 बजे से

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

शनिवार 2024 वर्ष का 293 वां दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** कार्तिक (दक्षिण भारत में आश्विन) **पक्ष** कृष्ण **मास** कार्तिक **पक्ष** शुक्ल **तिथि** द्वितीया 09.49 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** भरणी 10.47 बजे को समाप्त। **योग** सिद्धि(असृक) 17.42 बजे को समाप्त। **करण** गर 09.49 बजे तदनन्तर वणिज 20.15 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 16.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण $10^0 05'$ **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872137 **जूलियन दिन** 2460602.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2550 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** रवि उस्सानी **तारीख** 15 **विशेष** मासिक कार्तिगाई।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	05.55 से	07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक
चर	11.46 से	01.14 बजे तक	चर	11.47 से	01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक	रोग	01.19 से	02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक	काल	02.51 से	04.23 बजे तक
काल	04.10 से	05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8162

■	1		2		■	3	■	■
■		■		■	4			5
6		7	■	8			■	
■	9		10	■		■	11	
12	■	13				14	■	
15		■		■	16		17	■
	■	18			■	19		
20				■	21	■		■
■	■		■	22				■

बाएँ से दाएँ

1.वटवृक्ष, बट-4
4.मितव्यय,बचत-4
6. ......-सनाप, बेतुकी बकवास-3
8.भाड़ा-3
9.मृत्यु होना-3
11.खुशी, सहमत-2
13.अक्लमंद, समझ वाला-5
15.बलिदान, उत्सर्ग-2
16.जबान, जीभ, जिह्वा-3
18.गिरोह, मंडली, समूह-3
19.अपनापन, प्रेम, स्नेह-3
20.फूलना-फलना-4
22.अभिलाषा, आकांक्षा, हसरत-4

ऊपर से नीचे

1.कलंकित, निंदित, लांछित-3
2.दुख, शोक, अफसोस-2
3.खात्मा, समाप्ति, बर्बाद-3
4.मकान आदि भाड़े पर लेने वाला-5
5.संस्कृति, सभ्यता-4
7.स्पर्श, छूना-3
10.ख्याति अर्जित करना (मु.-2,3)
12.वह आरोप जो किसी आरोप के जवाब में किया जाय-4
14.परंपरा, नियम, चाल -3
17.ख्याति, जाना-पहचाना-3
18.माला आदि फैरना-3
21.जेबकतरा, ठग, डाकू-2

शब्द पहेली -8161 का हल

र	म	णी	य	■	ब	र	स	■
वा	म	■	की	■	ह	■	म	त
य	■	अ	न	ब	न	■	■	म
त	म	स	■	री	■	स	र	स
■	■	बा	ज	■	पा	रो	■	■
स	ली	ब	■	मी	■	व	ज	ह
ली	■	■	म	न	ह	र	■	रा
का	म	■	न	■	र	■	श	र
■	द	म	न	■	म	हा	व	त

Jagrutidaur.com, Bangalore

अंकजाल - 7703

खाली स्थानों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर दाएँ से बाएँ एवं ऊपर से नीचे जोड़ना है जिसका सही उत्तर मटमैले रंग के खानों में दिया गया है.

■	27	20	14	■	26	26	16	11	■
19		3		■		5		4	16
18	9		7	■	5		7		25
11		8	■	2		3		2	18
34	6		7		5		■	■	■
■	■	■		9		3		6	33
25	7		6		5	■	2		7
20		3		7	■	8		5	21
24	8		4		■		7		19
■	21	12	29	30	■	16	22	20	■

अंकजाल 7702 का हल

■	8	21	32	36	■	10	18	31	■
27	4	7	8	8	■	5	4	9	18
22	2	7	5	8	■	5	3	8	16
18	2	7	3	4	2	■	6	7	13
■	■	■	9	3	7	2	5	7	33
33	2	5	7	8	9	2	■	■	■
11	3	8	■	5	6	7	3	6	27
11	4	5	2	■	5	6	3	5	19
18	8	6	4	■	6	8	7	5	26
■	17	24	6	■	35	35	13	16	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6647

3		4	6	7		
	23	2	31		39	
	5	1			7	4
6	33		29	3	36	
	3		4			2
7	37		36	5	29	
	5	7	6		2	3

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6646 का हल

3	6	2	4	1	7	5
1	25	3	31	5	37	7
2	1	7	6	3	5	4
7	37	6	40	2	24	3
6	3	5	7	4	1	2
5	33	4	37	6	29	1
4	5	1	3	7	2	6

Jagrutidaur.com, Bangalore

गणित पहेली - 6007

94		91		15		7	=	11
	■		■		■		■	
33		20		24		15	=	22
	■		■		■		■	
50		44		24		15	=	15
	■		■		■		■	
39		56		2		35	=	58
=	■	=	■	=	■	=	■	=
50		11		61		42	=	58 / 76

Jagrutidaur.com, Bangalore

संकेत

खाली जगहों में आपको केवल (+), (-), (x) व (÷) के निशान लगाने हैं जिनका उत्तर (=) पूर्णतः मेल खाता हो.

गणित पहेली - 6006

39	+	42	-	10	-	5	=	66
+	■	-	■	+	■	+	■	-
50	÷	5	+	75	-	65	=	20
+	■	-	■	-	■	-	■	+
97	-	10	-	26	-	49	=	12
-	■	+	■	-	■	+	■	-
63	+	5	-	45	-	3	=	20
=	■	=	■	=	■	=	■	=
123	-	32	-	14	-	24	=	53 / 38

शब्दजाल - 7694

बं	ज	गा	र	ग	ब	ज	क	ब	ल	क
ब	वा	ब	लि	दा	न	का	मौ	स	ल	ड़
ई	ह	ब	बं	दा	न	वा	ज	जा	य	मा
का	ब	बं	र	दे	वी	ब	वा	ल	श	ब
म	इ	दि	म	सं	व	र	श	र	बू	ल
हा	ता	नी	ई	र	द	क	फ	बा	श	ज
रा	बं	दि	श	द	क	स	सी	ग	प	ब
जा	र	ब	बं	व	ज	र	ब	न	प	बं
क	ब	ल	ज	न	ना	री	ऐ	ज	प	जा
क	मी	ल	प	ब	या	स	मा	ब	प	र
का	न	बं	ध	न	क	ना	री	ग	प	न

शब्द जाल में ब शब्द से शुरु होनेवाली 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे हैं.

बनारसी बाबू, बलमा, बलिदान, बंधन, बंदिनी, बंद दरवाजा, बंदानवाज, बंदिश, बंजारन, बंबई का महाराजा.

शब्दजाल - 7693 का हल

प्र	क	प्र	ग	ति	शी	ल	ब	ना	क	ति
ती	क	ती	प्र	ल	क	व	जी	ग	कृ	ह
क्षा	ड़	प्र	प्र	न	ल	प्र	छ	प्र	आ	दि
ख	क	क	का	ज	ज	पु	का	प्र	प	ल
प	प्र	क	शि	दो	ग	ति	अ	प्र	तू	ग
झ	क	का	त	ल	प	ह	झ	पू	ना	ण
घ	को	ती	श	प्र	म	प्र	जा	से	व	क
ला	प्र	क	ता	जा	ई	धा	ब	क	फ	लो
श	जा	प्र	बा	हि	प्र	ई	क	प्र	री	प्र
प	प	द	र	तै	प	क्रि	जी	र्त	ऐ	ता
प	ती	क	क	षी	प्र	है	या	रा	बा	प

Jagrutidaur.com, Bangalore

सीसीएल द्वारा सतर्कता जागरूकता अभियान - 2024 के अंतर्गत प्रश्नोत्तरी एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

कोयलांचल संवाद संवाददाता, रांची : सीसीएल के सतर्कता विभाग द्वारा सतर्कता जागरूकता अभियान - 2024 के अंतर्गत मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री पंकज कुमार जी के मार्गदर्शन में डी.ए.वी. गांधीनगर में प्रश्नोत्तरी एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। आज आयोजित कार्यक्रमों में कुल 75 विद्यार्थियों ने भाग लिया। भाषण प्रतियोगिता में छात्रों ने सतर्कता से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर अपने विचार प्रस्तुत किए, जबकि प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता ने छात्रों की जानकारी और सतर्कता के विषय में उनकी समझ को परखा गया। ज्ञात हो कि सतर्कता जागरूकता सप्ताह-24 के शुरू होने से पहले सीसीएल के सतर्कता विभाग द्वारा 17 अक्टूबर, 2024 से 26 अक्टूबर, 2024 तक राँची स्थित विद्यालयों में अभियान की पहुँच बढ़ाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

सरला बिरला पब्लिक स्कूल के छात्रों ने रीजनल मैथेमेटिक्स ओलंपियाड (आर.एम.ओ.) के लिए क्वालिफाई किया

कोयलांचल संवाद संवाददाता, रांची : इंडियन ओलंपियाड क्वालिफायर इन मैथेमेटिक्स (आई.ओ.क्यू.एम.) 2024 में सरला बिरला पब्लिक स्कूल, राँची के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन किया। कक्षा दसवीं के श्लोक सिंह और कक्षा ग्यारहवीं की जान्वी सिन्हा ने रीजनल मैथेमेटिक्स ओलंपियाड (आर.एम.ओ.) के लिए क्वालिफाई किया। प्राचार्या श्रीमती परमजीत कौर ने छात्रों को बधाई दी और अगले चरण के लिए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

भाजपा नेत्री सीमा जायसवाल कांग्रेस पार्टी में शामिल हुई, मंत्री बन्ना गुप्ता पार्टी में किया स्वागत

जमशेदपुर । भाजपा जिला शोशल मिडिया प्रभारी (महिला मोर्चा) श्रीमती सीमा जायसवाल मंत्री बन्ना गुप्ता के कदमा आवास पहुँच उनके नेतृत्व में आस्था व्यक्त करते हुए काँग्रेस में शामिल होने कि घोषणा की। वहीं मंत्री बन्ना गुप्ता ने सीमा जायसवाल को फूल का माला और शॉल ओढ़ा काँग्रेस में स्वागत किया तथा मजबूती के साथ चुनाव में लग जाने को कहा । मौके पर अपने संबोधन में सीमा जायसवाल ने कहा कि मैंने पिछले बीस वर्षों से भाजपा के लिए तन-मन-धन से कार्य करती आ रही हूँ , लेकिन जमशेदपुर पश्चिम में भाजपा संगठन के लोगों को नजरअंदाज कर सरयू राय जैसे भगोड़े, निकम्मे व्यक्ति को यह सीट दिए जाने से मैं मर्माहत हूं ,जिस कारण मैंने विकास पुरुष बन्ना गुप्ता जी के लिए कार्य करने का निर्णय लिया है। सीमा जयसवाल ने आगे कहा कि सरयू राय के नजर में कार्यकर्ताओं की हैसियत बंधवा मजदूर जैसी है और हमेशा क्षेत्र के विकास को रोकना ,पिछड़े वर्ग का विरोध करना, शोषण करना ,सरयू राय की मुख्य कार्य है ।

राईट टू रिकॉल पार्टी के प्रत्यासी विधान सभा चुनाव के लिए प्रथम दिन जमशेदपुर पश्चिम से नामांकन दाखिल किया

जमशेदपुर । विधानसभा निर्वाचन 2024 के नामांकन के पहले दिन 49-जमशेदपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र से राइट टू रिकॉल पार्टी के प्रत्याशी के रूप में महेश कुमार ने नामांकन दाखिल किया। वहीं, 44- बहरागोड़ा से एक, 45- घाटशिला से चार, 46- पोटका से चार, 47- जुगसलाई से तीन, 48 जमशेदपुर पूर्व से 3 एवं 49-जमशेदपुर पश्चिम से 10 अभ्यर्थियों ने नामांकन प्रपत्र का क्रय किया।

विहिप की प्रतिनिधिमंडल ने हिंदू मठ-मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त करने के लिए राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन

रांचीः विश्व हिंदू परिषद, झारखंड प्रांत का एक प्रतिनिधिमंडल ने आज पूर्वाह्न 10:30 बजे महामहिम राज्यपाल से मिलकर हिंदू मठ-मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त करने की मांग की। साथ ही झारखंड में अवैध मत्तांतरण, रोहिंग्या व बांग्लादेशी घुसपैठ सहित कई समस्याओं पर चिंता व्यक्त की गयी, जो जनजातीय सहित पुरे सनातन-हिंदू समाज के लिये एक चुनौती बनती जा रही है। इस अवसर पर महामहिम राज्यपाल को प्रतिनिधिमंडल ने विहिप द्वारा चलाये जा रहे रामायण ज्ञान परीक्षा से संबंधित पाठ्यपुस्तक *सुबोध रामायण* एवं विश्व हिंदू परिषद, झारखंड की त्रैमासिक पत्रिका *अरण्यभूमि* भेंट की। प्रतिनिधिमंडल में क्षेत्र मंत्री वीरेंद्र विमल (झारखंड-बिहार), क्षेत्र सहमंत्री डॉ बिरेन्द्र साहु (झारखंड- बिहार), झारखंड प्रांत अध्यक्ष चंद्रकांत रायपत एवं प्रांत मंत्री मिथिलेश्वर मिश्र थे।

नेशनल हॉकर फेडरेशन व दीन बंधु ट्रस्ट द्वारा प्लास्टिक मुक्त अभियान चलाया गया

पटमदा । पूर्वीसिंहभूम जिला के विभिन्न क्षेत्रों में नेशनल हॉकर फेडरेशन एवं दीन बंधु ट्रस्ट के संयुक्त तत्वाधान में प्लास्टिक मुक्त जागरूकता अभियान चलाया गया । फेडरेशन के सचिव उत्तम चक्रवर्ती ने लोगों को जागरूक करते हुए कहा कि प्लास्टिक के उपयोग के कारण हमारे स्वास्थ्य और पर्यावरण पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ रहा है । उन्होंने बताया कि प्रतिदिन प्लास्टिक के सुक्ष्म कण पानी, हवा तथा खाद्य पदार्थों के माध्यम से हमारे शरीर में प्रवेश कर रहे हैं , जिससे अनेको तरह के बिमारी उत्पन्न हो रहे हैं । वहीं नागेन्द्र कुमार ने प्लास्टिक निर्मित पात्रों में पेय एवं खाद्य पदार्थ को नहीं खाने की सलाह दी । फेडरेशन के सचिव उत्तम चक्रवर्ती ने कहा कि यह जागरूकता अभियान मानगो तथा पटमदा प्रखंड के बेलटाड़ एवं कटीन में चलाया गया ।

स्वस्थ लोकतंत्र के लिए मतदान जरूरी : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के.रवि कुमार

रांचीः झारखण्ड विधानसभा आम निर्वाचन 2024 हेतु मतदाताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से दिनांक 18 एवं 19 अक्टूबर 2024 को जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम रांची में दो दिवसीय कला महोत्सव "आर्ट–81" का शुभारंभ मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री के. रवि कुमार, संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री सुबोध कुमार, जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त वरुण रंजन आदि द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया ।

81 आर्ट फेस्टिवल में पूरे देश के अलग-अलग स्थानों, मसलन नेपाल, उत्तर प्रदेश, ओडिशा आदि के इक्यासी कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन कर रहे हैं। साथ ही झारखंड के प्रसिद्ध कलाकार, युवा और विद्यार्थी आदि भी शामिल हैं।

मौके पर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री के .रवि कुमार ने कहा कि आप सभी कला प्रेमियों के माध्यम से सभी वोटरों को कनेक्ट करना 81 आर्ट फेस्टिवल का उद्देश्य है। कला के माध्यम से हमारे युवा मतदाताओं को एक संदेश भी देना है। उन्होंने कहा कि एक स्वस्थ एवं मजबूत लोकतंत्र के लिए जरूरी है कि अधिक से अधिक संख्या में लोग अपने मताधिकार का प्रयोग करें। साथ ही उन्होंने कहा कि समय के साथ झारखंड में वोटिंग प्रतिशत में बढ़ोतरी हुई है और हम निश्चित तौर पर अपने लक्ष्य को प्राप्त करेंगे। अलग-अलग राज्यों से आए कलाकारों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आपके बेहतरीन स्लोगन और कला को हम अपने चुनाव जागरूकता अभियान में भी शामिल करेंगे। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे सपरिवार इस कार्यक्रम में आकर शिरकत करें। आम आगंतुक अपने मतदाता जागरूकता से संबंधित संदेश/स्लोगन रिकार्ड करा सकते हैं। उनमें से चयनित किए गए संदेशों/स्लोगनों का उपयोग स्वीप कार्यक्रमों में किया जा सकेगा।

प्रमंडलीय आयुक्त, रांची श्री अंजनी कुमार मिश्रा ने कहा कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य झारखंड में वोटिंग प्रतिशत को बढ़ाना है। इस दिशा में यह कार्यक्रम हमारे युवा मतदाताओं को अपनी कला के माध्यम से वोटिंग के प्रति जागरूक करने का काम करेगा।

मौके पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त श्री वरुण रंजन ने कहा कि हमारी यह कोशिश है कि हमारे वोटर झारखंड को कला के माध्यम से समझे और अपने मतदान की उपयोगिता को जानें। ज्यादा से ज्यादा युवा आसन्न विधानसभा चुनाव में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें।

सहायक मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री देवदास दत्ता ने कार्यक्रम में शामिल सभी कलाकारों को मतदान को लेकर शपथ दिलाई और धन्यवाद ज्ञापित किया। अपने स्वागत संबोधन में संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार ने कार्यक्रम के उद्देश्यों को रेखांकित किया।

81 कला महोत्सव के उद्घाटन कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त श्री दिनेश कुमार यादव ,सहायक निर्वाचन पदाधिकारी श्री देवदास दत्ता, उप निदेशक, जनसंपर्क श्री आनन्द सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।यह कार्यक्रम कल तक चलेगा।

इटखोरी पुलिस ने किया सकेंद्र की हत्या का खुलासा दो हत्या आरोपी गिरफ्तार

नवादा कब्रिस्तान विवाद में मुसलमानों को फंसाने और प्रशासन को गुमराह करने की साजिश का खुलासा

कोयलांचल संवाद संवाददाता

चतराः इटखोरी पुलिस ने सकेन्द्र भुइयाँ हत्याकांड का खुलासा करते हुए दो हत्या आरोपियों को नवादा गांव से धर दबोचा। इस मामले पर बड़ा खुलासा करते हुए बताया कि आरोपियों को उनके घर से ही गिरफ्तार किया गया है। इन आरोपियों ने बड़े ही नाटकीय ढंग से हत्याकांड को अंजाम देकर घटना को एक नया मोड़ देने का काम किया। पुलिस के द्वारा जिन आरोपियों को गिरफ्तार किया है उनका नाम नाम लालधारी भुईयाँ और बहादुर भुईयाँ हैं। पुलिस ने उनके पास से हत्या की घटना को अंजाम देने में प्रयुक्त किए गए बाल्ट्रा कंपनी का एक इंडेक्सन चूल्हा, एक स्टील का पतीला और रेडमी कंपनी का एक मोबाइल बरामद किया है। अभियुक्तों की गिरफ्तारी के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में मामले की जानकारी देते हुए डीएसपी अमिता लकड़ा ने बताया कि चतरा जिले के इटखोरी थाना क्षेत्र के ग्राम नवादा में 13 अक्टूबर को हुई हत्या के मामले में पुलिस अधीक्षक चतरा ने इटखोरी थाना प्रभारी अभिषेक कुमार सिंह को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निर्देशों का अनुपालन करते हुए थाना प्रभारी ने गुप्त सूचना के आधार पर लालधारी भुइयाँ से पूछताछ की, जिसने इस हत्याकांड में अपनी संलिप्तता स्वीकार करते हुए बताया कि उसने 12/13 अक्टूबर की रात को वह आर्केस्ट्रा देखने गया हुआ था चौपारण में अरकेस्ट्रा देखने के बाद जब सुबह करीब 3 बजे घर लौटा तो उसने सकेन्द्र भुइयाँ को अपनी पत्नी के साथ आपत्तिजनक स्थिति में पाया। यह देखकर गुस्से में उसने मुँह दबाकर सकेन्द्र भुइयाँ की हत्या कर दी। हत्या करने के बाद हत्या को एक नया मोड़ देने की कोशिश में उसने इंडेक्सन चुल्हे में पानी गरम करके खौलता पानी उसके पीठ, पैर और बाँह पर डाल दिया। विदित हो के इटखोरी प्रखंड के नवादा गांव में कब्रिस्तान की भूमि को लेकर 3 महीने पूर्व से विवाद चल आ रहा था। जिस पर इटखोरी प्रशासन की नजर थी। सब कुछ शांतिपूर्ण था किंतु हत्यारे ने कब्रिस्तान की भूमि पर चल रहे जमीनी विवाद के कारण साजिशन मुसलमानों को फंसाने की नियत से हत्यारे लालधारी भुईंया ने मृतक के भाई बहादुर भुइयाँ के साथ मिलकर लाश को कब्रिस्तान के पास ले जाकर फेंक दिया ताकि कब्रिस्तान के मामले में मुस्लिम संप्रदाय के लोगों को फसाया जा सके। और 13 तारीख को अन्य लोगों के साथ मिलकर मामले को साम्प्रदायिक रंग देने का प्रयास किया भी किया। अब इटखोरी पुलिस ने इस हत्याकांड पर से पर्दा उठा दिया है। पुलिस ने हत्यारे लालधारी भुइयाँ और इस हत्याकांड में शामिल मृतक के बड़े भाई बहादुर भुइयाँ को गिरफ्तार कर लिया है और दोनों ने सकेंद्र की हत्या में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली है। इस हत्याकांड के मामले का उद्वेदन करने में पुलिस उपाधीक्षक अमिता लकड़ा, पुलिस निरीक्षक मंजू कुमारी, इटखोरी थाना प्रभारी इटखोरी अभिषेक कुमार सिंह, पु०अ०नि० दिलबाग सिंह, पु०अ०नि० हरिद्वार प्रसाद मंडल, स०अ०नि० दुखी राम महतो, महिला गृहरक्षक कलिता कुमारी, म०स०पु० चाँदनी कुमारी, सशस्त्र हवलदार रविन्द्र ओझा और सशस्त्र आरक्षी कृष्णापति तिवारी शामिल थे।

मैथन चेकपोस्ट पर 5.67 लाख रुपये लाख व 3 पेटी बियर जब्त

धनबाद : झारखंड-पश्चिम बंगाल की सीमा पर मैथन में बने चेकपोस्ट पर शुक्रवार की सुबह पुलिस ने वाहन जांच के दौरान दो वाहनों से 2.75 लाख रुपये व दोपहर में तीसरे वाहन से 2.92 लाख रुपये नगद बरामद किया है. इस तरह कुल 5.67 लाख रुपये बरामद किए गए. साथ ही एक कार की डिक्की से तीन पेटी बियर की बोतलें जब्त की गईं. मैथन थाना पुलिस ने रुपयों के साथ पकाड़ाए दोनों लोगों को पूछताछ के बाद चेतवानी देकर छोड़ दिया है. वहीं, जिस कार से बियर बरामद की गई है. कार चालक मो. शमीम ने पुलिस को बताया कि कार चिरकुंडा के चौधरी ब्रदर्स के मालिक अभिषेक गड्डुयान की है. वह सुबह कार मालिक के बच्चों को आसनसोल स्कूल छोड़कर वापस चिरकुंडा लौट रहा था. डिक्की में बियर की बोतलें पहले रखी हुई थीं. उसे इस संबंध में ज्यादा कुछ मालूम नहीं है. पुलिस कार को जब्त कर पूरे मामले की जांच में जुट गई है.

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि चेकपोस्ट पर वाहनों की जांच के दौरान मो. आमिर हसन अंसारी नामक व्यक्ति से 2.25 लाख रुपये बरामद किया गए हैं. वह पिकअप वैन से जा रहा था. पूछताछ में उसने बताया कि वह मछली व्यवसायी है और चितरंजन में मछली बेचकर धनबाद लौट रहा था. दूसरा व्यक्ति आकाश कुमार सिंह कार से जा रहा था. उसके पास से 50 हजार रुपए नकद बरामद किए गए. पूछताछ में उसने बताया कि वह ठेकेदारी का काम करता है. वह आसनसोल से अपने घर धनबाद लौट रहा था. वहीं, दोपहर में पकड़ी गई कार के मालिक सोमोदीप भट्टाचार्यी ने पुलिस को बताया कि वह पेशे से बिल्डर है. वह बोकारो से पेमेंट लेकर वर्द्धमान जा रहा था. झारखंड बॉडर पार कर वह अपने दोस्तों के साथ मां कल्याणेश्वरी मंदिर में दर्शन के लिए गया. इसके बाद दोस्तों को घुमाने मैथन डैम ले गया. इसी दौरान जांच में रुपए पकड़े गए.

विधानसभा आम चुनाव को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने प्रेस वार्ता का आयोजन किया

कोयलांचल संवाद संवाददाता

चतराःसमाहरणालय स्थित सभा कक्ष में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त द्वारा प्रेस कांफ्रेंस का आयोजन किया गया। प्रेस वार्ता के दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि जिले में 15 अक्टूबर के 3:30 बजे अपराह्न से आदर्श आचार संहिता लागू है। जिले में दो विधानसभा सभा क्षेत्र जिसके लिए नोटिस ऑफ इलेक्शन आज निर्गत किया जा चुका है। जिसका नामांकन का प्रक्रिया दोनों विधानसभा क्षेत्र चतरा और सिमरिया के लिए शुरू की जा चुकी है। प्रत्याशियों का नामांकन निर्वाची पदाधिकारी सह अनुमंडल पदाधिकारी चतरा और सिमरिया के यहां किया जा रहा है। प्रत्याशी लोक अवकाश को छोड़कर सभी दिन 25 अक्टूबर तक 11 बजे से 3 बजे तक अपना नामांकन करा सकते है। जिसकी स्क्रुटनी 28 अक्टूबर को होगा वहीं नाम वापसी का तिथि 30 अक्टूबर को है। जिले के कम मतदान प्रतिशत वाले बूथों को चिन्हित कर लिया गया है वहां स्वीप कार्यक्रम के तहत मतदाताओं को जागरूक करने के लिए भी विशेष कार्यक्रम किए जाएंगे। जिससे मतदान प्रतिशत में वृद्धि हो। आगे कहा जिले में इंटर डिस्ट्रिक्ट कुल 07 और इंटर स्टेट 2 चेक पोस्ट बनाए गए है। अग्रणी जिला प्रबंधक और बैंक समन्वयक के साथ भी बैठक कर ली गई है। नामांकन कराने वाले प्रत्याशियों का नया खाता खोले जाने हैं प्रत्याशियों को खाता खुलवाने में समस्या ना हो उसके लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं। साथ ही सभी बैंक कैश वाहन के द्वारा जो राशि का स्थानांतरण करते है उनका विवरण सीविजिल एप्प पर किया जाएगा। साथ ही साथ कैश वाहन पर सीविजिल एप्प के द्वारा प्राप्त क्यूआर कोड को भी लगाने का निर्देश दिया गया है।ताकि किसी भी प्रकार की समस्या न हो। जिले के ऐसे मतदान केंद्र जो सुदूरवर्ती व जंगली क्षेत्र में है। वैसे कुल 66 मतदान केंद्रों पर 7 बजे से 4 बजे तक होगी। जिसमे वैसे बूथ सिमरिया विधानसभा क्षेत्र में 27 हैं और चतरा में 40 हैं। 66 बूथों को छोड़कर सभी मतदान केंद्रों पर सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक मतदान होगी। 85 वर्ष से अधिक उम्र के मतदाताओं और दिव्यांग मतदाता जो बूथ तक मतदान करने के लिए आने में असमर्थ हैं वैसे मतदाताओं को लिए पोस्टल वैलेट के माध्यम से घर पर ही मतदान करने की व्यवस्था की गई है।

अवैध शराब चुलाई के खिलाफ पुलिस की छापेमारीः600 किलो से अधिक जावा महुआ शराब नष्ट

गिरिडीहः गिरिडीह के डुमरी पुलिस ने आचार संहिता लागू होते ही अवैध शराब चुलाई के खिलाफ छापेमारी शुरू कर दी है। शुक्रवार को पुलिस ने थाना क्षेत्र के करिहारी में लगभग 340 किलो जावा महुआ और जमीन में गाड़कर रखे गए शराब को नष्ट कर दिया है। साथ ही शराब बनाने वाले भट्टी को भी ध्वस्त कर दिया है। मकान में बनाया जा रहा था शराब, वहीं निमियाघाट थाना क्षेत्र के केंदुआडीह में भी अवैध महुआ शराब के खिलाफ छापेमारी की गई। छापेमारी आनंद साव, तारा साव, एवं बिनोद साव के घर के पीछे के करकेट एवं झोपड़ी के पुराना मकान में 300 किलो जावा महुआ और शराब को नष्ट कर दिया गया है। हालांकि छापेमारी से पूर्व भट्टी संचालक फरार हो गया। जिस कारण किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है।

जमशेदपुर पुलिस चला रही जांच अभियानः विधानसभा चुनाव को लेकर जिला पुलिस सतर्क

जमशेदपुर : झारखंड में आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए जिला पुलिस पूरी तरह से सतर्क हो गई है। चुनाव से पहले या दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए शहर (जमशेदपुर) से लेकर ग्रामीण इलाकों तक व्यापक जांच अभियान चलाया जा रहा है।

जिले के एसएसपी किशोर कौशल नियमित बैठकों के साथ-साथ विभिन्न थाना क्षेत्रों का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दे रहे हैं। शुक्रवार को एसएसपी ने जिले में स्थापित चेकनाकों का निरीक्षण किया, जिसमें उन्होंने सोनारी डोबो पुल के पास स्थित अंतरजिला चेकनाका का जायजा लिया।

18 चेकनाका पर सक्रिय जांच अभियान

एसएसपी कौशल ने बताया कि जिले में कुल 12 अंतरराज्यीय और 6 अंतरजिला चेकनाकों को सक्रिय रखा गया है, जो 24 घंटे निगरानी कर रहे हैं। इन चेकनाकों का मुख्य उद्देश्य अवैध हथियार, मादक पदार्थ और नकदी की खोज करना है।

शहर के प्रवेश और निकासी बिंदुओं पर विशेष पुलिस दल तैनात हैं, जबकि सीमावर्ती जिलों की पुलिस के साथ समन्वय बनाकर जांच की जा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद से ही जांच के दौरान तीन स्थानों पर नकदी भी जब्त की गई है। बेहतर कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को पुरस्कृत किए जाने की योजना है।

साइबर अपराधियों ने बीसीसीएल कर्मी से की 1.10 लाख की ठगी

धनबाद : साइबर अपराधियों ने बीसीसीएल कर्मी शंभुनाथ तिवारी को झांसे में लेकर एक लाख 10 हजार रुपए की ठगी कर ली. यह रकम उसे इस साल बोनस के रूप मिली थी. शंभुनाथ तिवारी बीसीसीएल मुख्यालय कोयला भवन के मार्केटिंग एंड सेल्स डिपार्टमेंट के जीएम कार्यालय में जेरोक्स ऑपरेटर के पद पर कार्यरत है. साइबर अपराधियों ने शंभुनाथ को फोन कर कहा कि तुम्हारा बेटा रेप केस में फंस गया है और उसे पटना के थाने में बंद किया गया है. शभुनाथ उनके झांसे में आ गया और बेटे को छोड़ने के लिए उसने उनके कहे अनुसार कई बार में उनके खाते में कुल एक लाख दस हजार रुपये भेज दिया. बाद में ठगी का अहसास होने पर उसने मामले की शिकायत साइबर थाना, धनबाद में की.

ऐसे हुआ ठगी का शिकार

बताया गया कि बीसीसीएल कर्मी शंभुनाथ तिवारी के मोबाइल पर गुरुवार की दोपहर करीब 12 बजे 8007237543 नंबर से वाट्सएप कॉल आया. फोन करने वाले ने कहा कि तुम्हारा बेटा रेप केस में फंस गया और उसे पटना पुलिस थाने में बंद कर पीटा जा रहा है. जल्द से जल्द 20 हजार रुपये खाते में डाल दो, वो बच जाएगा. फोन पर ही एक लड़के के रोने की आवाज भी सुनाई दे रही थी. इससे शंभु डर गया और कॉल करने वाले द्वारा भेजे गए बैंक खाते में उसने 20 हजार रुपये जमा कर दिया. इसके बाद फिर वाट्सएप कॉलकर उससे दो बार में क्रमशः 50 हजार व 40 हजार रुपये जमा करा लिए. साइबर अपराधी रकम जमा कराने के साथ ही जमा पर्ची की स्क्रीनशॉट भी वाट्सएप पर मंगवाते रहे. इधर, घटना की जानकारी मिलने पर जीएम ने मामले की शिकायत झारखंड के डीजीपी समेत अन्य पुलिस अधिकारियों से की है. बीसीसीएल सीएमडी समीरन दत्ता को भी ईमेल के माध्यम से इसकी सूचना दी गई है.

जिला निर्वाचन पदाधिकारी की अध्यक्षता में वोटर अवेयरनेस फोरम के साथ बैठक आयोजित ,निजी कंपनी, बैंक, एनजीओ व अन्य संस्थानों के प्रतिनिधि हुए शामिल

जमशेदपुर । जिला निर्वाचन पदाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित हुए बैठक में जागरूकता और मतदान करने पर बल दिया गया , कहा- एक भी योग्य मतदाता मताधिकार के प्रयोग से वंचित नहीं रह जायें । शहरी क्षेत्र में मतदान के प्रति उदासीनता दूर करने के लिए जिला अंतर्गत सभी सरकारी और गैर सरकारी कार्यालय सहित व्यवसायिक संस्थान, निजी कंपनियां, संगठन, बैंक, आवासीय सोसायटी आदि में वोटर अवेयरनेस फोरम का गठन किया गया है। जिसके माध्यम से उन संस्थाओं या सोसायटी में कार्य करने वाले अथवा निवास करने वाले सभी कर्मियों एवं परिवारवालों के बीच मतदाता जागरूकता कार्यक्रम चलाया जाना है। मतदान के लिए संबंधित संस्थानों में गतिविधि संचालित करने एवं निर्धारित 13 नवंबर को अपने अपने बूथों में जाकर मतदान के लिए प्रेरित करने में अहम भूमिका होगी । इस क्रम में जिला निर्वाचन पदाधिकारी अनन्य मित्तल ने रविन्द्र भवन सभागार, साकची में उपस्थित स्टेकहोल्डर से अपील किया कि अपने-अपने परिसर में रहने अथवा काम करने वाले शत प्रतिशत मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित करें । व्यापक स्तर पर मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के संचालन हेतु विभिन्न गतिविधियां जैसे चुनाव वार्ता, सफाई अभियान एवं पौधारोपण, व्हीकल स्टीकर, इलेक्शन संबंधी क्विज, मैराथन, वॉकथन, वॉल पेंटिग, वरीय सदस्य द्वारा वोट अपील आदि करते हुए लोगों की भागीदारी लोकतंत्र के इस महापर्व में सुनिश्चित करने की बात कही ।

मतदान के लिए सिर्फ वोटर कार्ड होना जरूरी नहीं, पहचान हेतु वैकल्पिक दस्तावेज का करें इस्तेमाल

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने यह भी बताया कि मतदान के लिए वोटर कार्ड का होना जरूरी नहीं है, बल्कि पहली अहर्ता है कि मतदाता सूची में नाम दर्ज हो । अन्य 12 पहचान पत्र वैकल्पिक दस्तावेजों की सूची में शामिल हैं जो वैध आईडी प्रमाण के रूप में काम करते हैं जिसमें- 1. आधार कार्ड 2. मनरेगा जॉब कार्ड 3. फोटोयुक्त बैंक या पोस्ट ऑफिस पासबुक 4. श्रम मंत्रालय की योजना के तहत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड 5. ड्राइविंग लाइसेंस 6. पैन कार्ड 7. एनपीआर (राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर) के तहत जारी स्मार्ट कार्ड 8. पासपोर्ट 9.फोटो सहित पेंशन दस्तावेज 10. केंद्र या राज्य सरकारों या सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, पब्लिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा जारी सेवा आईडी कार्ड (फोटो के साथ) 11. सांसदों, विधायकों, एमएलसी को जारी किया गया आधिकारिक पहचान पत्र 12.सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा जारी विशिष्ट विकलांगता आईडी (यूडीआईडी) दिखाकर मतदान किया जा सकता है ।

चुनाव को पर्व के रूप में लें, अपने संग औरों को भी मताधिकार के प्रयोग के लिए प्रेरित करें

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने मतदान के दिन शहरी उदासीनता के विषय पर कहा कि लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत मतदान की तिथि को घोषित अवकाश का पूरा उपयोग मतदान करने के लिए करें ना कि पिकनिक अथवा घर में सोने/आराम करने के लिए करें । मतदान के दिन सभी संस्थाओं में सवैतनिक अवकाश का प्रावधान है, ताकि सभी वोटर अपने अपने मतदान केन्द्र पहुंचकर मताधिकार का प्रयोग कर सकें । इस अवसर पर सभागार में उपस्थित वोटर अवेयरनेस फोरम (VAF) के सदस्यों को जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने मतदाता शपथ दिलाया तथा आगामी चुनाव हेतु मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की ।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, प्लॉट नं. 535 एवं 1272, लालगुटुआ, रांची से मुद्रित एवं फर्स्ट फ्लोर, 105, नायल कॉम्प्लेक्स, कांटाटोली, रांची-834001 (झारखण्ड) से प्रकाशित, आर.एन.आई. नं. JHAHIN/50549 फोन नं. 8084372014, Email : koylanchalsamvad@gmai.com & koylanchal.hindi@gmail.com *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट तहत जिम्मदार।